E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
विकसित भारत समाचार
वर्ष : 10 | अंक : 208 | गुवाहाटी | सोमवार, 26 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

एआईयूडीएफ-कांग्रेस गठबंधन पर भाजपा को कुछ नहीं कहना : मार्घेरिटा पेज 3
मन की बात पर तीन महीने का विराम, प्रधानमंत्री बोले 111वें एपीसोड में ... पेज 4
उप्र के अंबेडकरनगर के बसपा सांसद रितेश पांडेय का पार्टी से इस्तीफा पेज 5
भाजपा से डरकर कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से किया है गठबंधन : बिप्लब देब पेज 8

सीएमएएए आवेदकों के साक्षात्कार 28 से शुरू होंगे

राज्य के 35 जिलों में 1,04,091 आवेदक होंगे शामिल

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान (सीएमएएए) के लिए आवेदकों के साक्षात्कार आगामी 28 फरवरी से सभी जिलों में शुरू होंगे और लाभार्थियों के पहले बैच का चयन बहुत जल्द पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर असम अभियान के तहत लाभार्थियों के चयन के लिए जिला स्तरीय समिति के सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, गुवाहाटी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 35 जिलों में 150 से अधिक जिला स्तरीय समितियों में कुल लगभग 925 जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। ऑनलाइन पोर्टल सीएमएएए डॉट असम डॉट जीओवी डॉट इन पर साक्षात्कार और -शेष पृष्ठ दो पर

विवादास्पद अधिनियम को हटाए जाने के बाद मुस्लिम महिलाओं ने जश्न मनाया

गुवाहाटी। राज्य में सरकार द्वारा विवादास्पद विवाह और तलाक अधिनियम को निरस्त करने के बाद अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय की महिलाओं में खुशी की लहर देखी गई है। ब्रिटिश काल से चले आ रहे विवाह और तलाक पर एक विवादास्पद कानून के कारण उन्हें बहुत नुकसान हुआ था। मुस्लिम महिलाओं ने राज्य सरकार के इस फैसले की सराहना की। तीन तलाक के पीड़ितों के लिए प्रशिक्षण केंद्र चलाने वाली रेखा दलै ने कहा कि विवादास्पद कानून को निरस्त करने के लिए हम असम सरकार को धन्यवाद देते हैं। आज, हम जश्न मना रहे हैं क्योंकि *औपनिवेशिक युग* कानून को रद्द कर दिया जाएगा। उधर साहेबा अहमद नाम की एक अन्य महिला ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वाञ्चल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

कम छात्र नामांकन वाले कॉलेजों का होगा विलेय : शिक्षामंत्री

शिक्षकों की नियुक्ति भी की जाएगी बंद

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने कहा है कि राज्य सरकार कॉलेजों में शिक्षकों की भर्ती रोकने की योजना बना रही है। इसके साथ ही जिन संस्थानों या विभागों में छात्रों का नामांकन कम है, उनका विलेय करने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि सरकार उन स्कूलों के एकीकरण की मौजूदा नीति के अनुरूप उच्च शिक्षा संस्थानों के विलय के कदम पर विचार कर रही है जहां छात्र नामांकन कम है। एक्स पर एक पोस्ट में, पेगू ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग ने शनिवार शाम को 500 से कम नामांकन वाले 79 कॉलेजों के प्रिंसिपलों और गवर्निंग बॉडी अध्यक्षों के साथ एक बैठक की। उन्होंने कहा कि नामांकन बढ़ाने के संभावित रोडमैप पर चर्चा की। उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने उच्च शिक्षा विभाग को स्कूल शिक्षा विभाग के कम छात्र संख्या वाले कॉलेजों या विभागों के विलय के लिए एक नीति का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया है। सरकार का लक्ष्य कम नामांकन वाले कॉलेजों या विभागों का विलय करना और कम नामांकन वाले विभाग (विभाग) में रिक्तियों के विरुद्ध शिक्षकों की भर्ती को रोकना है। असम सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में एकीकरण प्रक्रिया के माध्यम से हजारों स्कूलों को बंद कर दिया है। समामेलन प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा विभाग छात्रों की कम संख्या, खराब बुनियादी ढांचे, कम छात्र-शिक्षक अनुपात और उच्च परिचालन लागत जैसे विभिन्न कारणों से एक स्कूल को दूसरे में विलय कर देता है।

हर कोई राम राज्य चाहता है : मुख्यमंत्री

नगांव। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज कई कल्याणकारी कार्यों का उद्घाटन करने के लिए नगांव की यात्रा के दौरान कहा कि हर कोई राम राज्य चाहता है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। राम राज्य के महत्व पर बोलते हुए, सीएम शर्मा ने आगे कहा कि राम राज्य का मतलब क्या है? राम राज्य का मतलब है जहां कोई गरीब नहीं है, लोगों के बीच शांति का राज है, राजा आम लोगों के अनुसार चलेगा, न कि लोग राजा के अनुसार चलेंगे। हर कोई राम राज्य चाहता है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। उन्होंने आगे कहा कि वह समय दूर नहीं जब भारत सबसे ऊंची अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया का नेतृत्व करेगा। भारत दुनिया की 5वीं -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने नगांव में 200 करोड़ रुपए की परियोजनाएं शुरू की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को नगांव जिले में 200 करोड़ रुपए से अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरुआत की, जिसमें जल जीवन मिशन के तहत सौर ऊर्जा संयंत्र और जल आपूर्ति पहल शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि ये महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विस्तार इन क्षेत्रों में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में काफी मदद करेंगे और *विकसित असम* की दिशा में महत्वपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

doorgraph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

असम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए हिमंत ने मणिपुरी समुदाय को धन्यवाद दिया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए रविवार को मणिपुरी समुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने असम के चार जिलों में मणिपुरी को सहयोगी आधिकारिक के रूप में शामिल करने के लिए सोशल मीडिया के जरिए शर्मा को बधाई दी जिसके जवाब में असम के मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में असम पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के साथ साझा विरासत को मजबूत करना जारी रखेगा। हम असम में मणिपुरी समुदाय के आभारी हैं, जो राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भगवा कुर्ता, सिर पर नेवी टोपी... समुद्र के भीतर ध्यान मुद्रा में बैठे नजर आए पीएम

द्वारका। लक्षद्वीप में डीप सी डाइविंग करने के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गुजरात के द्वारका में समुद्र के गहरे पानी में डुबकी लगाई। पानी के अंदर जाकर पीएम मोदी ने उस स्थान पर प्रार्थना की, जहां जलमग्न द्वारका शहर मौजूद है। इस धार्मिक डुबकी के बाद पीएम मोदी ने एक ट्वीट में अपने अनुभव को देशवासियों से साझा किया। उन्होंने कहा कि पानी में डूबी द्वारका नगरी में प्रार्थना करना एक बहुत ही दिव्य अनुभव था। मुझे आध्यात्मिक भव्यता और शाश्वत भक्ति के एक प्राचीन युग से जुड़ाव महसूस हुआ। भगवान श्री कृष्ण हम सभी को आशीर्वाद दें। बता दें कि पीएम मोदी की जलमग्न शहर की -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दोषहीन कार्यों का होना दुर्लभ होता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

दो दिवसीय असम और अरुणाचल के दौरे पर आएंगे पीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 मार्च को असम और अरुणाचल प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री 8 मार्च की शाम नई दिल्ली से सीधे असम पहुंचेंगे। वह काजीरंगा के गेस्ट हाउस में रात बिताएंगे। अगले दिन नौ मार्च को वे जोरहाट जाएंगे और वहां वीर लचित की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल होंगे। उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी जोरहाट में एक जनसभा को संबोधित करेंगे और *लखपति बाईदेओ* से संवाद करेंगे। इस यात्रा के दौरान वे शिवसागर मेडिकल कॉलेज की आधारशिला भी रखेंगे।

अरुणाचल : चार विधायकों ने बदला पाला, विस में अब भाजपा के 56 सदस्य

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश में चुनाव से पहले कांग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के दो-दो विधायक सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। साठ सदस्यीय अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में अब कांग्रेस और एनपीपी दोनों के दो-दो विधायक हैं। अब 60 सदस्यीय अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में भाजपा के 56 सदस्य हो गए हैं। शेष दो विधायक कांग्रेस के और दो विधायक -शेष पृष्ठ दो पर

गृहमंत्री के ग्वालियर दौरे से पहले भिंड में आरएसएस भवन में मिला बम, मचा हड़कंप

भिंड। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय में बम मिलने से हड़कंप मच गया है। आपको बता दें की शनिवार की रात को आरएसएस कार्यालय में पिन लगा बम मिला है। बजरिया स्थित संघ कार्यालय परिसर के मैदान में यह बम मिला है। पुलिस ने हाथ गोला बम को जब्त कर लिया है। भिंड एसपी असित यादव ने बताया है कि बम 30 साल पुराना हो सकता है। संघ कार्यालय खाली था क्योंकि संघ के कार्यकर्ता इंदौर में आयोजित बैठक में शामिल होने के लिए गए थे। आपको बता दें कि भिंड के नजदीक डीडी गांव के पास कुंवारी नदी के पास में फायरिंग रेंज एरिया -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम ने देश को समर्पित किए पांच एम्स

राजकोट (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को पांच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) राष्ट्र को समर्पित कर दिया है। इसमें राजकोट (गुजरात), बठिंडा (पंजाब), रायबरेली (उत्तर प्रदेश), कल्याणी (पश्चिम बंगाल) और मंगलागिरी (आंध्र प्रदेश) का एम्स शामिल है। इस दौरान पीएम मोदी ने कई परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। पीएम मोदी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय था, जब देश के सारे प्रमुख कार्यक्रम दिल्ली में ही होकर रह जाते थे। मैं भारत सरकार को दिल्ली से बाहर निकालकर देश के कोने-कोने में पहुंचा दिया। आज का यह कार्यक्रम भी इसी बात का गवाह है। आज इस एक कार्यक्रम से देश के अनेकों शहरों में विकास कार्यों का, लोकार्पण का और शिलान्यास होना, एक नई परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि मेरे जीवन का कल एक विशेष दिन था। मेरी चुनावी यात्रा की शुरूआत में राजकोट की बड़ी भूमिका है। 22 साल पहले 24 फरवरी को ही राजकोट ने पहली बार मुझे आशीर्वाद दिया था, अपना एमएलए चुना था और आज 25 फरवरी के दिन पहली बार राजकोट के विधायक के तौर पर गांधीनगर विधानसभा में शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं का स्तर कैसा होगा, इसकी एक -शेष पृष्ठ दो पर

पांच एम्स राष्ट्र को समर्पित करना मोदी की गारंटी का प्रतिबिंब है : सोनोवाल

राजकोट, गुजरात/कल्याणी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात के राजकोट में एक समारोह से पांच एम्स राष्ट्र को समर्पित किए। केंद्रीय मंत्री पश्चिम बंगाल के कल्याणी से पार्टी में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कल्याणी में एक एम्स का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के राजकोट से 48,100 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पिछले 10 दिनों में देश सात नए एम्स के शिलान्यास और उद्घाटन का गवाह बना है। हमारी सरकार ने पिछले कुछ दशकों में पिछली सरकार की -शेष पृष्ठ दो पर

मां कामाख्या के परिसर का होगा कायाकल्प बनेगा तीसरा सबसे बड़ा कॉरिडोर

गुवाहाटी /नई दिल्ली। देश के खूबसूरत काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और महाकाल कॉरिडोर के बाद अब मां कामाख्या मंदिर की बारी है। असम के गुवाहाटी में स्थित 51 शक्तिपीठों में शामिल मां कामाख्या देवी मंदिर अब *दिव्य लोक* बनने जा रहा है। दरअसल, इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने इस कॉरिडोर की आधारशिला रख दी है। पिछले साल, राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मां कामाख्या कॉरिडोर कैसा दिखेगा इसकी एक झलक साझा की थी। मां कामाख्या दिव्य परियोजना को पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

गाजा के दर्दनाक हालात : भूख से तड़पते बच्चों को पिता ने मारकर खिला दिए दो घोड़े

गाजासीटि। इजरायल और फिलीस्तीन के बीच पिछले कई माह से चल रहा संघर्ष लगातार जारी है। इस जंग में सबसे ज्यादा दर्दनाक हालात गाजा पट्टी में हैं जहां इजरायल और हमास एक दूसरे के खिलाफ डटे हुए हैं। इस लड़ाई में अबतक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। लंबी लड़ाई के बीच गाजा में अब लोग भुखमरी का शिकार होने लगे हैं। उत्तरी गाजा स्थित जबालिया शरणार्थी शिविर में दिन गुजार रहे अबू जिब्रिल का कहना है कि वह अपने परिवार को जिंदा रखने के लिए अपने 2 घोड़ों को मारने पर मजबूर हो गए क्योंकि उनके आंखों के सामने उनके परिवार वाले भूख से तड़प रहे थे। जिब्रिल ने कहा कि हमारे पास बच्चों का पेट भरने के लिए घोड़ों को मारने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। हम घोड़ों को नहीं मारते तो भूख हमें मार देती। इजरायल-हमास युद्ध से पहले जबालिया फिलिस्तीन में हमास लड़ाकों का सबसे बड़ा शिविर था। इजरायली आंकड़ों के मुताबिक इस शिविर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी भाजपा पर मोदी मैजिक जैसा कुछ नहीं : स्वामी

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने दावा किया कि हिंदू गौरव बढ़ने से आगामी लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी के बड़ी जीत हासिल करने की संभावना है। हालांकि, उन्होंने इसमें किसी *मोदी मैजिक* की भूमिका को खारिज किया। स्वामी रविवार को यहां एक विधि सम्मेलन में बोले रहे थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा और इसके वैचारिक मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में व्यक्ति की तुलना में संगठन और सिद्धांत को ज्यादा महत्व दिया जाता है। स्वामी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाजपा के 370 से ज्यादा सीटें जीतने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 400 का आंकड़ा पार करने के दावे के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भाजपा अपने पिछले चुनावी प्रदर्शन को पीछे छोड़ देगी। पहली बार हिंदू अपनी पहचान पर गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्हें अब वह संकोच महसूस नहीं होता, जो (पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल) नेहरू के समय में उन पर थोपा गया था। हालांकि, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ लोग सोच सकते हैं कि यह बदलाव उनकी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) वजह से हुआ है। हमें ऐसी चीजों को महत्व देने की जरूरत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मोदी मैजिक जैसा कुछ है। भाजपा-आरएसएस में व्यक्ति को कोई महत्व नहीं दिया जाता है। यह कांग्रेस की संस्कृति रही है। स्वामी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की एनडीए में वापसी का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ज्यादा पलटी जद (यू) अध्यक्ष के हित में नहीं होगी।

संदेशखाली जा रही फैक्ट फाइंडिंग टीम को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोलकाता। संदेशखाली में पीड़ितों से मिलने के लिए फैक्ट फाइंडिंग (तथ्य जांचने वाली टीम) टीम बंगाल दौरे पर थी, लेकिन पुलिस ने टीम को संदेशखाली पहुंचने से पहले ही रोक दिया। इसके विरोध में फैक्ट फाइडिंग टीम विरोध में वहीं पर धरने पर बैठ गई। हंगामे के बाद पुलिस ने टीम के सभी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। छह सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम का नेतृत्व पटना हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एल नरसिम्हा रेड्डी कर रहे हैं। पुलिस ने संदेशखाली में धारा 144 लागू होने का हवाला देकर फैक्ट फाइंडिंग को रोका। पुलिस ने टीम को भोजेरहाट इलाके में रोका और फिर हंगामे के बाद वहीं से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद फैक्ट फाइंडिंग टीम के सदस्यों को कोलकाता के पीएचक्यू लाल बाजार पुलिस स्टेशन लाया गया। संदेशखाली में पीड़ितों से मिलने के लिए फैक्ट फाइंडिंग (तथ्य जांचने वाली टीम) टीम बंगाल दौरे पर थी, लेकिन पुलिस ने टीम को संदेशखाली पहुंचने से पहले ही रोक दिया। इसके विरोध में फैक्ट फाइडिंग टीम विरोध में वहीं पर धरने पर बैठ गई। हंगामे के बाद पुलिस ने टीम के सभी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। टीम की सदस्य चारू वली खन्ना ने पुलिस द्वारा उन्हें रोके जाने पर कहा कि हम संदेशखाली जा रहे थे, लेकिन हमें रोक दिया गया। पुलिस ने जानबूझकर हमें रोका और परेशानी खड़ी कर रहे हैं। पुलिस हमें पीड़ितों से मिलने नहीं जाने दे रही है। खन्ना ने कहा कि पुलिस को जवाब देना चाहिए कि वह हमें हिरासत में क्यों ले रही है? महिलाओं के खिलाफ जिस तरह की प्रताड़ना की जा रही है, मुझे हैरानी है कि पुलिस ने उस मामले में क्या किया? पुलिस के पास हमें रोकने का कोई कारण नहीं है, सिर्फ इन्हें ऐसा करने के लिए कहा जा रहा है। गिरफ्तारी से पहले टीम के अन्य सदस्य ओपी व्यास ने कहा कि हम यहां शांतिपूर्ण तरीके से बैठकर पुलिस की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं क्योंकि हमें अवैध तरीके से रोका गया है। यह हमारे अधिकारों के खिलाफ है। हम इसकी शिकायत सीएम, गवर्नर, केंद्रीय गृह मंत्री और प्रधानमंत्री से करेंगे। राम नवमी के दौरान भी हमें इसी तरह रोका गया था क्योंकि वे कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे थे।

प्रतिबंधित संगठन सिमी का सदस्य हनीफ शेख गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के सदस्य हनीफ शेख को 22 साल बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र के जलगांव जिले के भुसावल से गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपित के खिलाफ 2001 में दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाने में यूएपीए के तहत मामला दर्ज हुआ था। हनीफ शेख सिमी के मैगजीन इस्लामिक मूवमेंट के उर्दू संस्करण का संपादक था। स्पेशल सेल के डीसीपी आलोक कुमार ने रविवार को बताया कि पिछले चार साल से स्पेशल सेल की टीम हनीफ शेख का पीछा कर रही थी। हनीफ पर साल 2001 में न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाने में राजद्रोह और गैरकानूनी गतिविधियों के मामले में एफआईआर हुई थी। इसके ट्रायल के दौरान 2002 में उसे भगोड़ा भी घोषित किया गया था। हनीफ को पकड़ना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रही थी।

ममता सरकार में बंगाल में रोज हो रही लोकतंत्र की हत्या : सुवेंदु

नई दिल्ली (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने शनिवार रात जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर के कोयना मेस में *सन्नाटे का शोर: पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ राजनीतिक हिंसा की वास्तविकता* विषय पर मेस टॉक का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती राजनीतिक हिंसा की समस्या पर छात्र समुदाय का ध्यान आकर्षित कराना और इस मुद्दे पर सार्वजनिक चर्चा को बढ़ावा देते हुए प्रताड़ित महिलाओं के लिए न्याय सुनिश्चित कराना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सांसद डॉ. सुकांता मजूमदार और पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुवेंदु अधिकारी ने चर्चा में हिस्सा लिया और खुल कर जेएनयू के छात्रों से बात की। सुकांता मजूमदार ने कहा, बंगाल का संदेशखाली नर्क से कम नहीं है जहां अत्यंत बर्बर अत्याचार महिलाओं को सहना पड़ रहा है। अपनी बात कहते हुए एक वयोवृद्ध महिला ने बताया कि उसने अपनी बहु को मध्यप्रदेश काम करने के लिए भेज दिया है। कारण पूछने पर उसने बताया की इसकी बहू सुंदर है, यदि संदेशखाली में रखते तो टीएमसी के लोग इससे उठा ले जाते। इतनी बर्बर एवं दुरूह परिस्थिति में रहने के बावजूद साहस करते हुए वहां की महिलाएं जिस तरह आकर अपनी पीड़ा मीडिया को बता रही हैं, वह उनकी पीड़ा की पराकाष्ठा को बता रहा। उन्होंने कहा संदेशखाली में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के आरोपित शाहजहां शेख पर तत्काल कार्रवाई हो और हमें विश्वास है की हमारी पीड़ित बहनों को न्याय दिलाने के लिए जेएनयू के युवा आवाज उठाएंगे। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल को तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी गुंडों ने जकड़ लिया है। ममता सरकार में रोज लोकतंत्र की हत्या हो रही है और देशभर के सेक्युलर इस विषय में चुप्पी साधे हुए हैं लेकिन समय आने पर जनता इसका न्याय करेगी।

पायलट का पलटवार बोले- ईआरसीपी के नए समझौते में क्या है...

भरतपुर (हिंस)। धौलपुर में राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होने जाते वक्त कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट का रविवार को भरतपुर के सारस चौराहे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस मौके प पायलट ने ईआरसीपी को लेकर भाजपा पर हमला बोला, कहा कि केंद्र व राज्य सरकार इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं। ईआरसीपी के नए समझौते में क्या है? वह दस्तावेज कहा है? वह किसी ने नहीं देखा है। कितना पानी मिलेगा कितना नहीं मिलेगा किसी को कुछ पता नहीं है. चुनाव के समय मे एमओयू साइन कर माहौल बनाया जा रहा है लेकिन जनता सब जानती है। पायलट ने कहा कि इस बार लोकसभा का चुनाव विचारधारा पर लड़ा जाएगा। राहुल गांधी की यात्रा से लोग खासे उत्साहित हैं। इसके सकरात्मक परिणाम आएंगे।

मुंबई के फूड डिलिवरी एजेंट ने भारती विद्यापीठ की युवा रग्बी टीम को पोडियम तक पहुंचाया

विवेक शर्मा

गुवाहाटी। उप्र में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारती विद्यापीठ की रग्बी टीम लगभग पूरी तरह बिखर गई थी। गुवाहाटी में उसका पोडियम फिनिश लगभग नामुमकिन था, लेकिन मुंबई में जिम इंस्ट्रक्टर का काम करने वाले प्रशांत अरविंद सिंह ने बहुत कम समय में इस टीम को फिर से खड़ा किया और पोडियम तक ले गए। भारती विद्यापीठ टीम ने इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में लगभग सभी नए खिलाड़ियों के साथ कांस्य पदक जीता। यह टीम केआईयूजी के पहले और तीसरे संस्करण की चैंपियन रही है लेकिन इस बार कांस्य जीतने के बावजूद प्रशांत और उनके साथियों के चेहरों की खुशी देखने लायक थी। इसका कारण यह था कि यह टीम बहुत कम समय में खड़ी हुई। खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत स्तर पर अपने-अपने शहरों में फिटनेस ट्रेनिंग ली और फिर मुंबई जिमखाना में सिर्फ 15 दिनों के अभ्यास के बाद गुवाहाटी आई। पेशेवर पृष्ठभूमि से आने वाली इस टीम को नए सिरे से खड़ा करने वाले प्रशांत का परिवार मुंबई में रहता है। महाराष्ट्र के लिये नेशनल गेम्स खेल चुके प्रशांत के पिता न्यूजपेपर वेंडर हैं और खानदान में हर कोई कभी ना कभी जिला या राज्य स्तर का खिलाड़ी रहा है। यहां तक की उनकी मां भी जिला स्तर की कबड्डी खिलाड़ी रही हैं। यही कारण था कि एक समय वित्तीय स्थिति खराब होने के बाद प्रशांत ने फूड डिलिवरी एजेंट का काम किया लेकिन खेल का दामन नहीं छोड़ा। भारती विद्यापीठ टीम में यूटिलिटी प्लेयर के तौर पर खेलने वाले प्रशांत ने कहा कि बचपन में ही मुझे इस खेल से प्यार हो गया था। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, इस कारण खेल से दूर हुआ और नौकरी की लेकिन फिर लौट आया। 2017 से 2020 तक परिवार की मदद के लिए मैंने फूड डिलिवरी एजेंट का काम किया और आज भी कल्ट जिम में इंस्ट्रक्टर का काम करता हूं लेकिन खेल मेरा पहला प्यार है। हमारा परिवार खिलाड़ियों का रहा है। परिवार से हमेशा सपोर्ट मिला है लेकिन घर की जिम्मेदारियों के कारण पहले मेरे बड़े भाई ने खेल छोड़ा और फिर मैंने। हालांकि मुंबई में मेरी टीम के साथी गोविंद के बार बार कहने पर मैं 2021 में फिर इस खेल में लौट आया। गुवाहाटी में अपनी टीम की सफलता पर प्रशांत ने कहा कि एक बिखरी हुई टीम को फिर से समेटना आसान नहीं था। खासतौर पर ऐसे में जब हर खिलाड़ी महाराष्ट्र के अलग-अलग शहरों में रहता हो। प्रशांत ने कहा कि हमारी टीम बिल्कुल नई है। खिलाड़ी अलग-अलग शहरों जैसे कोल्हापुर, सतारा, पुणे और मुंबई से हैं। तीसरे केआईयूजी के बाद हमारी टीम बिखर गई थी लेकिन फिर हम सबने मिलकर इसे खड़ा किया। हमारा पोडियम तक पहुंचना ही बहुत बड़ी बात है क्योंकि सिर्फ 15 दिन की तैयारी के बाद हम यहां पहुंचे। खिलाड़ी अपने शहरों में प्रैक्टिस करते रहे और इसी कारण टीम में बांडिंग की कमी रही। हम अगले साल बेहतर बांडिंग और तैयारी के साथ लौटेंगे और तीसरा स्वर्ण जीतेंगे। भारत के लिए अंडर-19 स्तर पर खेल चुके प्रशांत ने कहा कि अब वह प्रीमियर रग्बी लीग की तैयारी में जुटेंगे, जिसकी घोषणा हो चुकी है। वह बोले कि हमारे लिए रग्बी लीग की घोषणा बहुत बड़ी खबर है। मैं काफी समय से खेल रहा हूं, इस कारण लीग में मौकी मिलने की उम्मीद कर रहा हूं। रग्बी को इस तरह की लीग की जरूरत है। इस से पैसा मिलेगा और तब खिलाड़ी सिर्फ अपने खेल पर फोकस कर सकेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

सीएमएएए आवेदकों के ...

प्रबंधन में अधिकारियों का विस्तृत प्रशिक्षण राज्य स्तर पर उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में विभाग द्वारा किया गया। ज्ञात हो कि ऑनलाइन सिस्टम कृषि, पशु चिकित्सा, मत्स्य पालन आदि जैसे प्रत्येक क्षेत्र के लिए जिला स्तर पर साक्षात्कार की तारीख, समय और स्थान की जानकारी देगा और आवेदकों को जानकारी ईमेल के माध्यम से दी जाएगी। साक्षात्कार संबंधी जानकारी के लिए आवेदक पोर्टल सीएमएएए डॉट असम डॉट जीओवी डॉट इन पर भी प्राप्त कर सकते हैं। सरकार की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार जिन आवेदकों ने सीएमएएए के तहत अपनी परियोजनाएं जमा की हैं, उन्हें सुझाव दिया गया कि वे सीएमएएए पोर्टल को बार-बार जांचें और जिला स्तर पर अपने साक्षात्कार के लिए तारीख, समय और स्थान के बारे में जानकारी हासिल करें। लगभग 559 उम्मीदवार पेशेवर डिग्री धारक हैं और उन्होंने 5 लाख रुपए योजना के तहत आवेदन किया है। इनके इंटरव्यू राज्य स्तर पर होंगे और इसकी शुरुआत भी 28 फरवरी से होगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान 23 सितंबर, 2023 को मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किया गया था और अब तक योजना के पहले चरण के लिए 1,04,091 आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह योजना, जो अगले दो वित्तीय वर्षों में 2 लाख उद्यमियों को तैयार करने और हैंडहोल्डिंग और इन्क्यूबेशन सेवाओं के साथ 2 लाख रुपए, 5 लाख रुपए का लाभ प्रदान करने की परिकल्पना करती है, को राज्य के शिक्षित गैर-रोज़गार युवाओं द्वारा उत्साहपूर्वक प्राप्त किया गया है। ज्ञात हो कि 23 फरवरी को हाल की कैबिनेट बैठक में असम को विभिन्न क्षेत्रों में *आत्मनिर्भर* बनाने के लिए गतिविधियों के बड़े दायरे के साथ सीएमएएए को लागू करने के लिए समर्पित मिशन मोड पर कार्रवाई के लिए सीएमएएए सोसायटी के गठन को मंजूरी दी गई थी।

विवादास्पद अधिनियम को ...

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने महिला सशक्तिकरण के लिए एक मजबूत कदम उठाया है और हम उन्हें धन्यवाद देते हैं। प्रशिक्षण केंद्र पर महिलाओं ने मिठाई बांटकर सरकार के फैसले का जश्न मनाया। मालूम हो कि शुक्रवार को राज्य सरकार ने इस कानून को रद्द करने का फैसला लिया था। कैबिनेट ने 94 मुस्लिम विवाह रजिस्ट्रारों में से प्रत्येक को उनके पुनर्वास के लिए 2 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी निर्णय लिया है।

हर कोई राम राज्य...

सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री ने नगांव में 4 करोड़ रुपए की लागत से कनकलता बरुआ कलाक्षेत्र और इनडोर स्टेडियम के पुनर्विकास सहित कई कल्याणकारी कार्यों का उद्घाटन किया। आज नगांव में एक सभा को संबोधित करते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि सरकार सत्ता में आने के बाद राज्य के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने की कोशिश कर रही है। सीएम शर्मा ने अपने भाषण में कहा कि 2026 तक लोगों को बुनियादी ढांचे के विकास सहित कई प्रमुख परियोजनाओं के साथ एक परिवर्तित नगांव मिलेगा। नेहरू बाली में 22-25 करोड़ रुपए की लागत से एक पैदल क्षेत्र विकसित किया जाएगा। मूर्ति विसर्जन के लिए एक घाट भी विकसित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, नगांव पुलिस प्वाइंट से डेमो पास रोड तक एक सड़क विकसित की जाएगी। नगांव सर्किट हाउस 26 करोड़ रुपए की लागत से परिवर्तन और उन्नयन किया जाएगा। नगांव सर्किट हाउस से पानीगांव चारियाली तक चलने वाली एक सड़क 5 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की जाएगी, जिसे असम गौरव पथ का नाम दिया जाएगा।

सीएम ने नगांव में ...

चालक साबित होंगे। दिन के दौरान जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया उनमें नुरुल अमीन स्टेडियम में एक पुनर्निर्मित स्टेडियम, *असम गौरव पथ* और 100 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र समेत अन्य शामिल थे। उन्होंने 12.49 करोड़ रुपए की लागत से विकसित होने वाली नगांव कॉलेज चारियाली को डिमो बाईपास से जोड़ने वाली सड़क की आधारशिला भी रखी। शर्मा ने कहा कि एक बार जब यह परियोजना पूरी हो जाएगी, तो इससे नगांव शहर में यातायात प्रवाह काफी हद तक आसान हो जाएगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने प्रमुख कलाकार की स्मृति में स्थापित प्रणब बरुआ कलाक्षेत्र का उद्घाटन किया और विश्वास जताया कि यह सांस्कृतिक पुनर्जीवन के केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

भगवा कुर्ता, सिर ...

यात्रा को समुद्री पर्यटन को बढ़ावा देने के रूप में देखा जा रहा है। समाचार एजेंसी द्वारा साझा की गई इस वीडियो में पीएम मोदी को समुद्र के अंदर गोता लगाए देखा जा सकता है। साथ ही वह समुद्र के अंदर प्रार्थना अवस्था में बैठे नजर आए। भगवा कुर्ता और पायजामा पहने, सिर पर नेवी टोपी लगाए नरेंद्र मोदी की यह समुद्र यात्रा बेहद ही शानदार है। वह भगवान कृष्ण से जुड़े मोरपंखों को भी समुद्र में गोता लगाते समय साथ ले गए थे। वीडियो में देखा गया कि कैसे नरेंद्र मोदी गोताखोर का मुखौटा पहनकर पानी के नीचे की साइट पर पहुंचे, जिस पर भारत का झंडा बना हुआ था। मोदी पानी के भीतर ध्यान मुद्रा में बैठे रहे और गोताखोर उनकी रक्षा करते नजर आए। द्वारका, एक समय एक समृद्ध शहर था, जिसके बारे में अब माना जाता है कि यह सदियों पहले समुद्र में डूब गया था। आपको बता दें कि यह स्कूबा डाइविंग बेयट द्वारका द्वीप के पास द्वारका के तट पर की जाती है, जहां लोग पुरातत्वविदों द्वारा खुदाई किए गए प्राचीन द्वारका के पानी के नीचे के अवशेषों को देख सकते हैं। आज, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व से भरे स्थल पर प्रार्थना करने के लिए समुद्र में उतरने वाली पीएम मोदी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इन तस्वीरों में पीएम मोदी के कमर पर बहुत सारे मोर पंखों (जो भगवान कृष्ण को एक बेहद प्रिय है) को कमर से बंधा देखा जा सकता है। इससे पहले आज, प्रधानमंत्री ने गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में बेयट द्वारका द्वीप को मुख्य भूमि ओखा से जोड़ने वाले अरब सागर पर 2.32 किमी के देश के सबसे लंबे केबल-आधारित पुल *सुदर्शन सेतु* का उद्घाटन किया।

गृहमंत्री के ग्वालियर ...

हुआ करता था। कुछ दिन पहले आरएसएस कार्यालय में मिट्टी से भराव किया गया था और यह मिट्टी फायरिंग रेंज एरिया से लाई गई थी। बताया जा रहा है की मिट्टी के साथ बम आ गया होगा लेकिन अभी जांच की जा रही है। बम मिलने की सूचना पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाहा भी मौके पर पहुंच गए थे और उन्होंने पुलिस अधिकारियों से भी बातचीत की इसके बाद वह वापस चले गए।

पीएम ने देश को ...

झलक आज हम राजकोट में देख रहे हैं। आजादी के 50 वर्षों तक देश में सिर्फ एक एम्स था और वो भी दिल्ली में। आजादी के सात दशकों में सिर्फ 7 एम्स को मंजूरी दी गई, लेकिन वे भी कभी पूरे नहीं बन पाए। पीएम मोदी ने कहा कि जहां दूसरों से उम्मीद खत्म हो जाती है, मोदी की गारंटी वहीं से शुरू हो जाती है। भारत ने कोरोना को कैसे हराया...इसकी चर्चा पूरी दुनिया में होती है। हम ये इसलिए कर पाए कि बीते 10 वर्षों में भारत का हेल्थकेयर सिस्टम पूरी तरह बदल गया है। आज देश कह रहा है- मोदी का गारंटी यानी, गारंटी पूरा होने की गारंटी। इसके पहले पीएम मोदी ने गुजरात के राजकोट में रोड शो किया। लोगों ने पीएम पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं, जिन्होंने कार्यक्रम स्थल पर जाते समय समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिनंदन किया। *मोदी, मोदी* के नारों के बीच सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग खड़े थे। पीएम मोदी ने रविवार सुबह गुजरात के प्रसिद्ध भगवान कृष्ण मंदिर द्वारकाधीश में पूजा-अर्चना की। गुजरात में गोमती नदी और अरब सागर के मुहाने पर स्थित, राजसी द्वारकाधीश मंदिर वैष्णवों, द्वारकाधीश मंदिर चार धामों में से एक है। इससे पहले दिन में, पीएम ने गुजरात में ओखा मुख्य भूमि और बेयट द्वारका को जोड़ने वाले लगभग 2.32 किमी लंबे देश के सबसे लंबे केबल-आधारित पुल सुदर्शन सेतु का उद्घाटन किया। पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज सुदर्शन सेतु का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है, एक पुल जो भूमि और लोगों को जोड़ता है। यह विकास और प्रगति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में जीवंत रूप से खड़ा है। पहले *सिग्नेचर ब्रिज* के नाम से जाने जाने वाले इस पुल का नाम बदलकर *सुदर्शन सेतु* या सुदर्शन ब्रिज कर दिया गया है। बेयट द्वारका ओखा बंदरगाह के पास एक द्वीप है, जो द्वारका शहर से लगभग 30 किमी दूर है, जहां भगवान कृष्ण का प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर स्थित है। 979 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से निर्मित, इस पुल में चार लेन की सड़क है, जिसकी चौड़ाई 27.20 मीटर है, जिसके दोनों ओर 2.50 मीटर चौड़े फुटपाथ हैं। *सुदर्शन सेतु* भारत का सबसे लंबा केबल-आधारित पुल है, जो ओखा मुख्य भूमि और गुजरात में बेयट द्वारका द्वीप को जोड़ता है।

पांच एम्स राष्ट्र को समर्पित ...

तुलना में तेजी से काम किया है, देश को विकास के पुनर्जागरण के पथ पर आगे बढ़ाया है। यह 387 इंच से बढ़कर 706 इंच पर पहुंच गया है। आयुष्मान भारत योजना पर प्रकाश डालते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि इससे 1 लाख करोड़ रुपए बचाने में मदद मिली है और जन औषधि केंद्रों ने 80 फीसदी छूट पर दवाएं प्रदान की हैं, जिससे 30,000 करोड़ रुपए की बचत हुई है। प्रधान मंत्री ने कहा कि सभी के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा और सभी के लिए समृद्धि भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाने की हमारी गारंटी का हिस्सा है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि देश के लोगों के लिए आज एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने *मोदी की गारंटी* के प्रतिबिंब में देश में पांच एम्स लॉन्च किए हैं। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत देश भर में पहले ही स्थापना की जा चुकी है, जो आजादी के बाद से देश के लोगों के लिए एक अनूठी उपलब्धि है। देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली अब पहले से कहीं अधिक मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हरियाणा के झज्जर में केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान और महाराष्ट्र के पुणे में राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, निसर्ग ग्राम का उद्घाटन किया। आज प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन की गई आयुष परियोजनाएं देश के आयुष क्षेत्र को और मजबूत करेंगी। केंद्रीय आयुष मंत्रालय की ओर से, मैं प्रधान मंत्री के मार्गदर्शन में उनकी मजबूत भूमिका के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं। देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में पारंपरिक आयुष प्रणाली को अब आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत किया जा रहा है।

मां कामाख्या के परिसर...

विकास पहल (पीएम-देवआईएनई) योजना के तहत मंजूरी दी गई है। इस कदम का उद्देश्य राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। मां कामाख्या मंदिर कॉरिडोर देश का तीसरा सबसे बड़ा कॉरिडोर बनने जा रहा है। काशी विश्वनाथ और उज्जैन महाकाल कॉरिडोर के बाद मां कामाख्या गलियारे का स्थान होगा। मां कामाख्या गलियारे की रूपरेखा बहुत पहले ही तैयार कर ली गई है, जिसकी पहली झलक असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक वीडियो पोस्ट कर दिखाई थी।

बेहद खास होगा मां कामाख्या मंदिर कॉरिडोर

- कॉरिडोर का शुरुआती डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर लिया गया है, जिसके मुताबिक 15वीं शताब्दी के मंदिर को 21 सदी के हिसाब से तैयार किया जाएगा।
- मां कामाख्या मंदिर कॉरिडोर को 498 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा।
- कॉरिडोर के निर्माण के बाद मंदिर के चारों ओर ओपन स्पेस 3000 वर्ग फुट से बढ़कर लगभग 1 लाख वर्ग फुट हो जाएगा।
- गलियारे की औसत चौड़ाई भी 10 फीट से बढ़ाकर 30 फीट की जाएगी।
- भविष्य में इस कॉरिडोर के आसपास के क्षेत्र के विकास के लिए 3 एकड़ जमीन भी रिजर्व रखी जाएगी।
- मां कामाख्या मंदिर कॉरिडोर में मुख्य मंदिर के साथ ही नीलांचल पर्वत पर स्थित कई और मंदिरों का भी विकास होगा।
- मंदिर परिसर के अंदर वर्तमान में लगभग 4,000 श्रद्धालुओं की जगह है, लेकिन विकास कार्य के बाद लगभग 8,000-10,000 तीर्थयात्री एक साथ दर्शन कर सकेंगे।
- गर्भगृह में भी दर्शन को दो हिस्सों में बांट दिया जाएगा, जिसमें कुछ भक्त *दर्शन* करेंगे और जो पूजा करना चाहते हैं, वह *स्पर्शन* करेंगे।
- श्रद्धालुओं के लिए कई रास्ते बनाए जाएंगे, ताकि अचानक भीड़ न बढ़े और भक्त आराम से दर्शन कर सकें।
- गर्मियों के दौरान श्रद्धालुओं के लिए ढकी हुई छत वाले रास्ते होंगे और वीआईपी पाथवे भी बनाया जाएगा।
- मुख्य प्रवेश द्वार पर और सड़क के दोनों किनारों पर पौधरोपण किया जाएगा।
- कॉरिडोर में मंदिर के विकास के साथ ही तीर्थयात्री सुविधा केंद्र, अतिथि गृह, सार्वजनिक सुविधाएं, चिकित्सा केंद्र, बैंक और फूड स्टॉल जैसी कई सुविधाएं उपलब्ध होंगी।
- नीलांचल पर्वत के आधार से मंदिर परिसर तक के मूल मार्ग को अब आगंतुकों के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में फिर से तैयार किया जाएगा।
- नीलांचल पहाड़ी के आधार से कामाख्या मंदिर परिसर तक रोपवे के निर्माण की भी प्लानिंग की गई है।
- कामाख्या मंदिर परिसर के पास एक हेलीपैड के निर्माण से आगंतुकों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से मंदिर तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

मां कामाख्या मंदिर कॉरिडोर में कई मंदिरों का विकास किया जाएगा। इन मंदिरों में मातंगी, कमला, त्रिपुर सुंदरी, काली, तारा, भुवनेश्वरी, बगलामुखी, छिन्नमस्ता, भैरवी, धूमावती देवियों और दशमहाविद्या के मंदिर शामिल है। इनके साथ ही, पहाड़ी के चारों ओर भगवान शिव के पांच मंदिर कामेश्वर, सिद्धेश्वर, केदारेश्वर, अमरतोकेश्वर, अघोरा और कौटिलिंग मंदिर हैं, जिन्हें संवारा जाएगा। इन सभी मंदिरों को मिलाकर एक कॉरिडोर बनाया जाएगा। देश के कई हिस्सों में कुल 51 शक्तिपीठ स्थापित हैं, उनमें से एक मां कामाख्या के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर असम के गुवाहाटी में नीलांचल पर्वत पर बना है, जिसमें विराजी मां कामाख्या को कामेश्वरी या इच्छा की देवी भी कहा जाता है। मां कामाख्या मंदिर तांत्रिक प्रथाओं का सबसे पुराना और सबसे प्रतिष्ठित केंद्र भी माना जाता है। मां कामाख्या को दिव्य स्त्री शक्ति और प्रजनन क्षमता के अवतार के रूप में सम्मानित किया जाता है। इस मंदिर की पहचान रजस्वला माता की वजह से है, जहां माता की पूजा योनी रूप में होती है। ऐसी मान्यता है कि मंदिर के करीब से बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी हर वर्ष आषाढ़ महीने में लाल हो जाती है। कहा जाता है कि माता के रजस्वला होने की वजह से नदी का पानी लाल हो जाता है।

गाजा के दर्दनाक ...

से करीब अबतक 1,160 लोग मारे जा चुके हैं। 60 वर्षीय जिब्रिल के मुताबिक लड़ाई शुरू होने के बाद वह बेत हानून से अपने परिवार के साथ भाग आए।मौजूदा समय में वह अपने परिवार के साथ संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित एक स्कूल में टेंट से बने घर में जीवन गुजार रहे हैं। जिब्रिल ने बताया कि यहां उनके जैसे बहुत सारे लोग हैं। ज्यादा जनसंख्या होने की वजह से शिविर में दूषित पानी, बिजली कटौती और भीड़भाड़ एक बड़ी समस्या है। हाल यह है कि शिविर में भोजन खत्म हो चुका है। क्षेत्र में लगातार हो रही बमबारी की वजह से राहत एजेंसियां यहां तक पहुंचने में असमर्थ साबित हो रही हैं। इसके अलावा अगर कोई सहायता ट्रक द्वारा आ भी रहा है तो रास्ते में ही लोग उसे लूट ले रहे हैं।

अरुणाचल : चार विधायकों ...

निर्दलीय हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व केंद्रीय मंत्री निनोंग ईरिंग और वांगलिन लोवांगडांग, और एनपीपी के मुच्चू मीठी और गोकर बसर यहां स्थित भाजपा के राज्य मुख्यालय में एक समारोह के दौरान पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पेमा खांडू और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बियुराम वाहगे उपस्थित थे। इस साल के अंत में अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होंगे। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पेमा खांडू की उपस्थिति में कांग्रेस विधायक निनॉन्ग एरिंग और वांगलिन लोवंडोंग और एनपीपी विधायक मुत्चू मिथि और गोकर बसर भाजपा में शामिल हो गए। इस दौरान असम के मंत्री और अरुणाचल के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी अशोक सिंघल भी मौजूद थे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

एआईयूडीएफ-कांग्रेस गठबंधन पर भाजपा को कुछ नहीं कहना : मार्घेरिटा

धुबड़ी (हिंस)। राज्यसभा सांसद तथा मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव पवित्र मार्घेरिटा ने कहा है कि एआईयूडीएफ और कांग्रेस के बीच गठबंधन या तलाक के बारे में भाजपा को कुछ नहीं कहना है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में दोनों ही दल मिलकर लड़े थे। इस चुनाव में वह क्या करते हैं, इससे भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ता है। सांसद मार्घेरिटा आज यहां एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर मतदाताओं की नई पीढ़ी को पार्टी से जोड़ने की रणनीति बनाने के लिए आज भाजपा के धुबड़ी मुख्यालय में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। कार्यक्रम में पूर्व आसू नेता दीपांकर नाथ शामिल थे, जो हाल ही में भाजपा में शामिल हुए थे। उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मार्घेरिटा ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ सभी स्तरों पर लोगों के विकास के लिए काम करने वाली भाजपा कोई चुनावी मशीन नहीं है। उन्होंने बसुंधरा 202 समेत केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई विभिन्न विकास योजनाओं पर प्रकाश डाला। संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि यह एक अच्छा संकेत है कि दो मियां गांवों को छोड़कर खिलंजिया (स्थानीय) समुदाय के लोग अपने आप भाजपा में शामिल हो गए। राज्यसभा सदस्य मार्घेरिटा ने यह भी कहा कि पूर्वी बंगाल के लोगों को छोड़कर (जिन्होंने अभी तक भारतीयता को नहीं समझा है) सभी भाषाओं और सभी धर्मों के लोगों ने भाजपा को अपना लिया है।

मणिपुर पुलिस ने 199 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 199 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 142 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

हिमंत ने असम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए मणिपुरी समुदाय को धन्यवाद दिया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए रविवार को मणिपुरी समुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने असम के चार जिलों में मणिपुरी को सहयोगी आधिकारिक के रूप में शामिल करने के लिए सोशल मीडिया के जरिए शर्मा को बधाई दी जिसके जवाब में असम के मुख्यमंत्री ने *एक्स* पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में असम पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के साथ साझा विरासत को मजबूत करना जारी रखेगा। हम असम में मणिपुरी समुदाय के आभारी हैं, जो राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। असम मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को चार जिलों कछार, करीमगंज, हाईलाकांदि और होजाई में मणिपुरी को एक सहयोगी आधिकारिक के रूप में मान्यता देने के लिए असम राज (संशोधन) विधेयक, 2024 को मंजूरी दे दी थी।

नाजीरा के शिमलुगुड़ी में लगी भयावह आग से मची अफरा-तफरी

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिलांतर्गत नाजीरा के शिमलुगुड़ी रंगपुर आईटीआई के पास लाहोन मंजिल एंटरप्राइज में बीती रात करीब 12 बजे भयावह आग लग गई। जिसके चलते इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय पुलिस और दमकल की टीम पहुंचकर आग पर पूरी तरह से काबू पाया, जिसकी वजह से आस पास के दुकानों को आग में जलने से बचा लिया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया हैं। हादसे में करीब 15 लाख रुपये के नुकसान की आशंका है। वहीं इस मामले में स्थानीय पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। घटना को लेकर आशंका जताई जा रही है कि व्यापारिक प्रतिष्ठान के पास किसी ने आग जलाइ थी जिसकी वजह से यह आग लग गया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज मिजोरम विस को संबोधित करेंगे

आइजोल। मिजोरम की अपनी पहली यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 26 फरवरी को राज्य विधानसभा के चल रहे बजट सत्र को संबोधित करेंगे। एक अधिकारी ने कहा कि उपराष्ट्रपति आइजोल के बाहरी इलाके तनहरिल में मिजोरम विश्वविद्यालय (एमजेडयू) के 18वें दीक्षांत समारोह में भाग लेने के बाद सोमवार को राज्य विधानसभा को संबोधित करेंगे। जगदीप धनखड़, एम वेंकैया नायडू के बाद राज्य विधानसभा को संबोधित करने वाले दूसरे उपराष्ट्रपति होंगे। वह सोमवार को पूर्वोत्तर राज्य की एक दिवसीय यात्रा पर पहुंचेंगे और दो कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद दिल्ली वापस आएंगे।

मणिपुर में हथियारों के साथ तीन गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में लगातार हथियार और गोला-बारूद बरामद किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने तीन लोगों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के निवासी नाओरेम इनाओतोम्बा सिंह (52), वाहेंगबाम इनाओचा (47) उर्फ इरिबा मैतेई और वाहेंगबाम होमेंड्रो सिंह (28) उर्फ नाओटन को इम्फाल पश्चिम जिले के कीशमपत जंक्शन से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों के पास से दो एसएलआर राइफलें और प्रत्येक में बीस-बीस राउंड भरी दो मैगजीन बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है।

राज्यपाल ने सिलचर में एसएम देव सिविल अस्पताल का किया दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया अपने दो दिवसीय दौरे पर बराक घाटी में हैं। रविवार को राज्यपाल ने कछार जिले के सिलचर में एसएम देव सिविल अस्पताल का दौरा किया। राज्यपाल ने ब्लड सेंटर, आपातकालीन वार्ड, ओपीडी का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। ब्लड बैंक की मांग और आपूर्ति की जानकारी करते हुए राज्यपाल कटारिया ने अस्पताल प्राधिकरण से उन परोपकारी दाताओं का सम्मान करने के ल लिए समारोह का आयोजन करने की व्यवस्था करने को कहा, जिनके योगदान ने अनगिनत व्यक्तियों को जीवन दिया है। राज्यपाल ने आपातकालीन वार्ड का दौरा किया, रोगी पंजीकरण प्रक्रिया और प्रदान की गई स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता देखी। उन्होंने मरीजों से भी बातचीत की, उनकी भलाई और उनके पास उपलब्ध सुविधाओं की पर्याप्तता का जायजा लिया। उन्होंने वार्ड में स्वच्छता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए रोगी वार्ड का भी निरीक्षण किया। राज्यपाल ने ओपीडी में भी पंजीकरण प्रक्रिया और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता का जानकारी ली। उन्होंने मरीजों और अस्पताल प्रशासन की सुविधा के लिए टोकन-आधारित पंजीकरण प्रणाली की भी वकालत की। कटारिया ने मरीजों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अस्पताल की भविष्य की विस्तार योजना के बारे में भी जानकारी ली। बाद में राज्यपाल ने उधरबंद गांव पंचायत में पीएमएवाई-जी योजना के तहत निर्मित एक आवासगृह का निरीक्षण किया और लाभार्थियों से उनके नए घर के परिवर्तनकारी प्रभाव के प्रत्यक्ष विवरण का जायजा लेने के लिए बातचीत की। उन्होंने गरिमापूर्ण जीवन स्तर को बढ़ावा देने में बुनियादी सुविधाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए, पानी और स्वच्छता सुविधाओं का भी ध्यान रखा। बाद में, कटारिया ने सालगंगा गांव पंचायत कार्यालय का भी दौरा किया और अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर मनरेगा योजना की नामांकन स्थिति सहित पंचायत द्वारा वित्तीय उपयोग का जायजा लिया।

अवैध तरीके से ले जा रहे पेट्रोल, डीजल समेत वाहन के साथ चालक गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। सीमा चौकी दादगिरी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर दादगिरी के एसएसबी टीम के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या-169/5 से 2.5 किलोमीटर भारत की तरफ देवादांगी के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक महिन्द्रा पिक-अप (एएस-19-एसी-0260) को संदेहात्मक तौर पर रोक रोका। वाहन चालक से पूछ-ताछ के दौरान स्पष्ट जानकारी व कागजात प्राप्त नहीं होने के बाद वाहन की तलाशी ली गई। जिसमें भूटान से अवैध तरीके से 200 लीटर पेट्रोल तथा 350 लीटर डीजल लाते हुए चालक को पकड़ा गया। जब्त की गई अवैध पेट्रोल, डीजल, वाहन सहित सदिग्ध व्यक्ति को लैंड कस्टम ऑफिस हातीसार को अग्रिम कार्रवाही हेतु सुपूर्द किया गया। एसएसबी के द्वारा लगातार इन इलाकों में चलाए गए तलाशी अभियान के कारण सीमा पर तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगी है तथा स्थानीय लोगों ने इसकी सराहना की है।

शोणितपुर में हाथी के बच्चे की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले में एक हाथी के बच्चे की करुण मृत्यु हो गई। वन विभाग द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार तेजपुर के पश्चिम शोणितपुर फॉरेस्ट डिविजन के बिहागुड़ी कलितागांव में शनिवार की रात हाथियों का एक झुंड घुस आया। करीब 10 हाथियों के इस झुंड में एक हाथी का बच्चा भी था। घटना की सूचना पाकर पहुंची वन विभाग की टीम ने हाथियों को वहां से जंगल की ओर खदेड़ा। इसी दौरान हाथी का बच्चा चोटिल हो गया और वह अपने झुंड के साथ जा नहीं सका। हाथियों के जाने के बाद गांव के लोगों ने वन विभाग की टीम के साथ मिलकर हाथी के बच्चे की देखभाल की। लेकिन, रविवार की सुबह तक उसकी मौत हो गई। इस घटना को लेकर पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया है। वन विभाग द्वारा इस सिलसिले में आगे की कार्रवाई शुरू की गई है।

एक सदी से भी अधिक पुरानी शिलांग बार एसोसिएशन की इमारत जलकर खाक

गुवाहाटी। मेघालय के सबसे पुराने कानूनी केंद्रों में से एक शिलांग बार एसोसिएशन का कार्यालय शनिवार देर रात लगी आग में जलकर खाक हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, लकड़ी की इमारत होने के कारण आग तेजी से पूरे परिसर में फैल गई। आग ने पूरे कार्यालय को नष्ट कर दिया, इससे हजारों केस फाइलें नष्ट हो गईं, उनमें से कई तो दशकों पुरानी थीं। शिलांग बार एसोसिएशन की यह इमारत 1913 में बनाई गई थी। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा घटनास्थल पर पहुंचे और राज्य की कानूनी बिरादरी को हर संभव सहायता का वादा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि उन्होंने लोकतंत्र की लंबे समय से चली आ रही आधारशिला के कार्यालय को हुए नुकसान को देखा। बचाव कार्य में लगी दमकल की चार गाड़ियों व 20 कर्मचारियों ने आधी रात के बाद धधकती आग पर काबू पाया।

मणिपुर में भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ दंपति गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ एक दंपति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने टेंग्नौपाल जिले के मोरेह से रफीक कुट्टी (49) और उसकी पत्नी जीनत (52) को उनके घर से गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और प्रतिबंधित वस्तुएं बरामद की गई। दंपति के पास से बरामद ड्रग्स में डब्ल्यूआईवाई टैबलेट- 29.799 किलोग्राम, हेरोइन पाउडर- 0.386 किलोग्राम, अल्प्राजोलम- 7970 गोलिया, कैफीन- 5.266 किग्रा, क्रिस्टल- 2.471 किग्रा, गोल्ड डस्ट- 8.299 किग्रा तथा दस विभिन्न प्रकार के रबर स्टैम्प बरामद किए गए। पुलिस दोनों को गिरफ्तार आगे की जांच के लिए मोरेह थाने में मामला दर्ज किया गया है।

बीटीआर में केंद्रीय मंत्री तेली ने विभिन्न परियोजनाओं की रखी आधारशिला

कोकराझाड़ (विभास)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने बीटीआर के प्रमुख प्रमोद बोरो के साथ बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के चिरांग जिले के कर्मदंगा में एचपीसीएल पेट्रोलियम, तेल स्नेहक (पीओएल) और एलपीजी डिपो की आधारशिला रखी। प्रस्तावित परियोजना को एचपीसीएल द्वारा उत्तर पूर्वी क्षेत्र में इस तरह की परियोजना की पहली स्थापना बनाने के लिए भूमि पूजन भी किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने बीटीआर में औद्योगिक विकास की एक नई सुबह की शुरुआत की। उन्होंने उल्लेख किया कि यह परियोजना न केवल रोजगार के कई अवसर प्रदान करेगी बल्कि सड़क कनेक्टिविटी और अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित स्थानीय बुनियादी ढांचे के विकास की सुविधा भी प्रदान करेगी। इस अवसर पर बोलते हुए प्रमोद बोरो ने कहा कि ऐतिहासिक बीटीआर शांति समझौते 2020 पर हस्ताक्षर करने के चार साल बाद बीटीआर में विकास की सीमाएं खुल गई हैं, जिसने चालीस से अधिक अशांति की लंबी अवधि के बाद क्षेत्र में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त किया है। साल। बीटीआर में शांति और विकास को बनाए रखने के लिए निरंतर समर्थन के लिए केंद्र में एनडीए सरकार और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को धन्यवाद देते हुए, उन्होंने इस परियोजना के लिए जमीन उपलब्ध कराने के लिए चिरांग जिले की स्थानीय आबादी को भी धन्यवाद दिया। बोरो ने उल्लेख किया कि 78.68 एकड़ के विशाल विस्तार में 540 करोड़ के निवेश के साथ, यह अत्याधुनिक, 20440 किलो लीटर क्षमता, मेगा परियोजना पूरे उत्तर पूर्व क्षेत्र में ऊर्जा पहुंच बढ़ाएगी और सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देगी। यह परियोजना सीधे चिरांग और आसपास के जिलों की ऊर्जा जरूरतों को भी पूरा करेगी, जिससे 78 वितरकों और 9.2 लाख ग्राहकों को निरंतर एलपीजी उपलब्धता सुनिश्चित होगी, और प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत लगभग 7 लाख लाभार्थियों को भी लाभ होगा। एचपीसीएल पीओएल और एलपीजी डिपो के लिए 200 एकड़ से अधिक भूमि का कब्जा प्रमाण पत्र निदेशक विपणन अमित गर्ग के नेतृत्व में एचपीसीएल के शीर्ष अधिकारियों की टीम को समारोहपूर्वक सौंपा गया। गर्ग ने बताया कि जल्द ही एचपीसीएल और बीटीसी प्रशासन के बीच एक सहयोग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिसमें निर्माण चरण के दौरान और परियोजना के चालू होने के बाद स्थानीय क्षेत्र विकास, रोजगार और सहयोग के अन्य क्षेत्रों के लिए विभिन्न प्रावधानों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस परियोजना के तीन साल के भीतर परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। एचपीसीएल के अधिकारियों ने उल्लेख किया कि परियोजना के चालू होने के बाद ऊर्जा प्रतिभूतिकरण और एलपीजी की बढ़ी हुई पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें संसद सदस्य (राज्यसभा), रवंगवरा नारजारी, वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य और बीटीसी विधान सभा के सदस्य और कई वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस बीच, क्षेत्र के पांच जिलों में एक मजबूत बांस मूल्य श्रृंखला स्थापित करने के लिए आज गुवाहाटी में एनआरएल मुख्यालय में उद्योग विभाग, बीटीसी और असम बायो रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक और रणनीतिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू का उद्देश्य बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के प्रमुख बांस उत्पादक क्षेत्रों में छोटे बांस उत्पादकों (मुख्य रूप से महिलाओं और युवाओं) को एकत्रित करने और *बांस उत्पादक इकाइयां* बनाने में सहायता करना है। इससे बीटीआर के सभी पांच जिलों के क्लस्टर लेवल फेडरेशन, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय स्तर के उद्यमियों को लाभ पहुंचाने वाला एक नया पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा। बीटीसी का प्रतिनिधित्व कार्यकारी सदस्य उद्योग, बीटीसी रेओ रेओ नारजहिारी और संयुक्त सचिव पामी ब्रह्मा ने किया, जबकि एबीआरपीएल का प्रतिनिधित्व सीईओ हिमांगशु सैकिया, मानव संसाधन प्रमुख कश्मीरी गोस्वामी और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया।

'मन की बात' पर तीन महीने का विराम, प्रधानमंत्री बोले 111वें एपीसोड में फिर होगी देश की सामूहिक शक्ति की बात

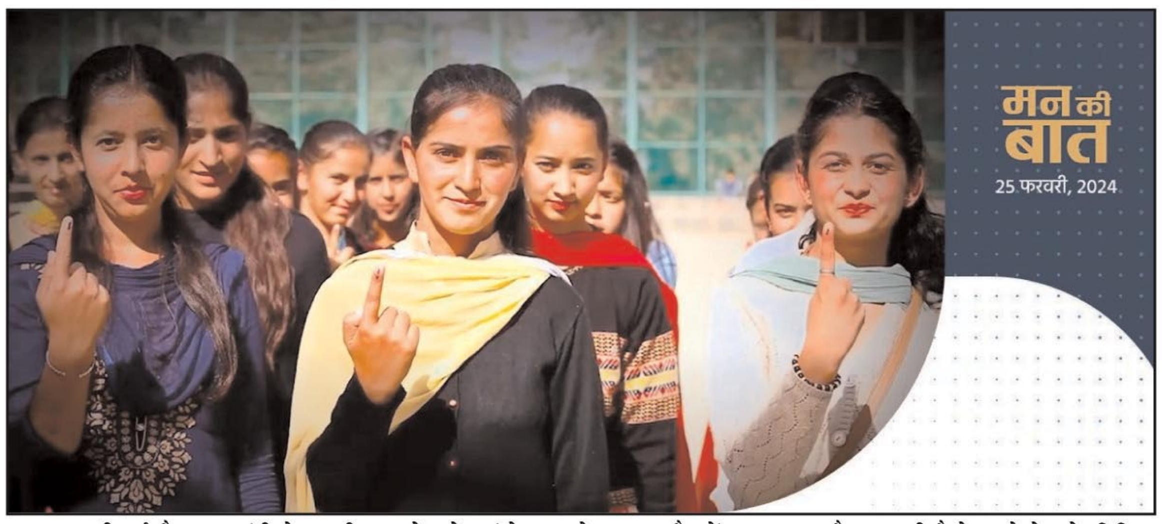

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम को सरकार से दूर देश की सामूहिक शक्ति की चर्चा का मंच बताया। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि कार्यक्रम पर तीन महीने के लिए विराम लगेगा और चुनावों के बाद 111 के शुभ अंक यानी 111वें एपीसोड से फिर वे जनता के बीच देश की सामूहिक शक्ति के प्रयासों की चर्चा करेंगे। रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 110वें एपीसोड के अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि मन की बात हमेशा सरकार से दूर रहते हुए देश की सामूहिक शक्ति के प्रयासों की चर्चा का मंच रहा है। आगे लोकसभा चुनाव आने वाले हैं और आचार संहिता लगने वाली है। ऐसे में वे तीन महीनों के लिए मन की बात को विराम देंगे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने पहली बार मतदाता बन रहे युवाओं से बढ़-चढ़कर वोट करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले चुनाव आयोग ने एक अभियान शुरू किया है- मेरा पहला वोट-देश के लिए। वे पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने का आग्रह करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को जोश और ऊर्जा से भरी अपनी युवा शक्ति पर गर्व है। उन्होंने नेशनल क्रिएटर्स अवॉर्ड की जानकारी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया ने लोगों के कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करने में बहुत मदद की है। भारत में युवा कंटेंट कि-एशन के क्षेत्र में चमत्कार कर रहे हैं। उनकी प्रतिभा को सम्मान देने के लिए इन अवॉर्ड की शुरूआत की गई है। प्रधानमंत्री ने भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने तथा दूसरों की सेवा करने की दिशा में हो रहे निस्वार्थ प्रयासों को अपने कार्यक्रम में शामिल किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति हमें परमार्थ परमो धर्मः की सीख देती है। इस संदर्भ में उन्होंने बिहार के भोजपुर के भीम सिंह भवेश के अति पिछड़ी मुसहर जनजाति के बच्चों को शिक्षित करने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने गूजर बकरवाल समुदाय से आने वाले मोहम्मद मानशाह के जम्मू-कश्मीर में गोजरी भाषा के संरक्षण, अरूणाचल प्रदेश में तिरप के बनवंग लोसू के वांचो भाषा के प्रसार और वेंकप्पा अम्बाजी सुगेतकर गोंधली भाषा के उत्थान के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि कैसे ओडिशा के कालाहांडी में बकरी पालन गांव के लोगों की आजीविका और जीवन स्तर को ऊपर करने में भूमिका निभा रहा है। इस दिशा में जयंती महापात्रा और उनके पति बीरेन साहू के प्रयासों की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने बताया कि कैसे मेलघाट टाइगर रिजर्व के पास खटकली गांव में रहने वाले आदिवासी परिवारों ने सरकार की मदद से अपने घरों को होम स्टे में बदल दिया है। यह उनके लिए आय का बड़ा जरिया बन रहा है। साथ ही कैसे हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में वन्य जीवन के संरक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। मन की बात में उन्होंने कहा कि आज नारी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। 8 मार्च को महिला दिवस के संदर्भ में उन्होंने कार्यक्रम में कुछ सशक्त महिलाओं से बातचीत की। उन्होंने कहा कि महिला दिवस देश की विकास यात्रा में नारी शक्ति के योगदान को नमन करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और स्वच्छता के क्षेत्र में भी दिया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ग्वालियर पहुंचे, खजुराहो और भोपाल भी जाएंगे

ग्वालियर,(हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर ग्वालियर पहुंचे हैं। वे यहां होटल आदित्याज में आयोजित ग्वालियर- चंबल क्लस्टर की प्रबंध समिति की बैठक में शामिल हुए हैं। इसके बाद शाह खजुराहो और भोपाल भी जाएंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित रविवार को दोपहर करीब साढ़े 12 बजे विशेष विमान से ग्वालियर एयरपोर्ट पहुंचे। यहां पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे सड़क मार्ग से होटल आदित्यराज पहुंचे। यहां उन्होंने ग्वालियर- चंबल क्लस्टर की प्रबंध समिति की बैठक में शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री शाह करीब डेढ़ घंटे ग्वालियर में रहेंगे। इसके बाद वे खजुराहो जाएंगे। वे खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के सभी 2293 बूथों की बूथ समितियों के कार्यकताओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। तत्पश्चात शाह शाम पांच बजे भोपाल पहुंचेंगे और जहां कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित वृहद प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री शाह आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा कार्यकताओं को जीत का मंत्र देने के लिए प्रदेश के प्रवास पर आए हैं।

अमृत उद्यान में 'पर्पल फेस्ट' का आयोजन, राष्ट्रपति करेंगी उद्घाटन

नई दिल्ली, (हि.स.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय 26 फरवरी को राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान में एक मनोरंजक दिनभर चलने वाले पर्पल फेस्ट आयोजित कर रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर्पल फेस्ट कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगी। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री उपस्थित रहेंगे। मंत्रालय के अनुसार 10 हजार से अधिक दिव्यांगजन भी अपने अनु-रक्षकों के साथ यहां जुटेंगे। इस उत्सव के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांगता संस्थान नोडल एजेंसी है। फेस्ट में विकलांगता अधिकारों के क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों के पूरी तरह से समावेशी और इंटरेक्टिव स्टॉल होंगे। 'पर्पल फेस्ट' की प्रमुख गतिविधियाँ अमृत उद्यान यात्रा, अपनी विकलांगताओं को जानें, पर्पल कैफे, पर्पल कैलीडोस्कोप, पर्पल लाइव एक्सपीरियंस जोन, पर्पल स्पोर्ट्स आदि होंगी।

जिस शिविर में राहुल गांधी ठहरे थे, वहां करंट फैला 1 की मौत, 7 घायल

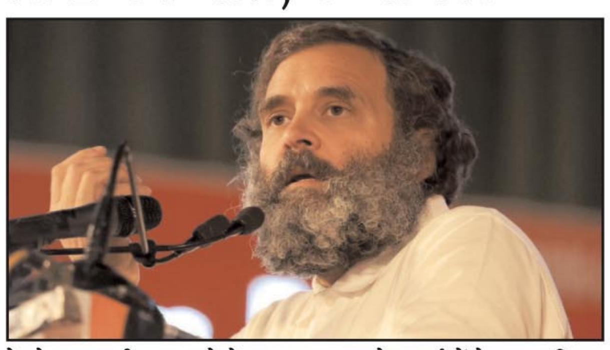

मुरादाबाद(ईएमएस)। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बीते रोज मु-रादाबाद पहुंची। यात्रा में शामिल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए अस्थाई शिविर बनाया गया था। जहां पास में ही सीआरपीएफ का वॉच टा-वर भी है। अज्ञात कारणों से यहां करंट फैल गया और 1 श्रमिक की मौत हो गई जबकि 7 घायल हैं।यह हादसा तब हुआ जब वॉच टॉवर को खोला जा रहा था। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आनन-फानन में सभी घायल कामगारों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान एक कामगार ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान नरेश के रूप में हुई, जो कि झारखंड के चतरा जिले का रहने वाला था। सभी घायल भी चतरा जिले के ही रहने वाले हैं। दरअसल, राहुल गांधी के रात्रि विश्राम के कार्यकर्म के चलते अस्थायी कैंप बनाया गया था। यह हादसा जिले कोतवाली कटघर इलाके के रामपुर रोड जीरो प्वॉइंट के पास हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार को उत्तर प्रदेश के मु-रादाबाद से आगे बढ़ी, जिसमें प्रियंका गांधी वाद्रा भी अपने भाई के साथ शामिल हुईं।

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रवक्ता मनीष हिंदवी ने कहा, राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मुरादाबाद से फिर से शुरू हुई। राहुल के साथ पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। यात्रा जब मु-रादाबाद की सड़कों पर बढ़ी तो विभिन्न क्षेत्रों के लोग वहां मौजूद थे।खुली जीप में सवार दोनों नेताओं का उनके समर्थकों ने स्वागत किया। यात्रा में शामिल लोगों और पार्टी कार्यकताओं ने राहुल गांधी जिंदाबाद, प्रियंका गांधी जिंदाबाद और कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए। इस बीच राहुल और प्रियंका जनता का अभिवादन करते नजर आए। प्रियंका गांधी सप्ताहांत में उत्तर प्रदेश के शेष चरण में यात्रा का हिस्सा बनेंगी। उन्हें यात्रा में उत्तर प्रदेश के चंदौली में भाग लेना था, लेकिन खराब स्वास्थ्य और बाद में अस्पताल में भर्ती होने के कारण वह उस समय यात्रा में शामिल नहीं हो सकीं।

मेट्रो ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों का किराया अब 10 रुपये लगेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में रोजाना मेट्रो ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए अब न्यूनतम किराया अब 10 रुपये कर दिया गया है। करीब 3 साल बाद रेल मंत्रालय ने न्यूनतम किराए में 20 रुपये की कमी की है। दिल्ली मेट्रो में भी न्यूनतम किराया 10 रुपये ही है लेकिन ट्रेन में पिछले तीन साल से लोग न्यूनतम किराया 30 रुपये दे रहे थे। कई बार लोकल पैसेंजरों ने इसका विरोध भी किया था लेकिन उनकी इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया था। हालांकि इस बार इन पैसेंजरों की मांग पर मंत्रालय ने किराए में कमी करने का आदेश जारी कर दिया है। जानकारी के अनुसार रेलवे बोर्ड की तरफ से इसको लेकर आदेश भी जारी कर दिया गया है और इसके लिए सॉफ्टवेयर अपडेट भी करा दिया गया है।

दिल्ली के लाजपत नगर की इमारत में लगी भीषण आग

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के लाजपत नगर इलाके में शनिवार-र-विवार की दरमियानी रात आग लगने की घटना सामने आई है। दमकलकर्मियों ने तीन लोगों की जानें बचाई, जिसमें एक महिला भी है। आग चार मंजिला इमारत के फर्स्ट फ्लोर पर लगी थी। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल विभाग के अनुसार, दिल्ली के लाजपत नगर इलाके के ई-ब्लॉक में आग लगने की सूचना रात करीब दो बजे मिली थी। इसके बाद दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकलकर्मियों ने रात 03 बजे आग पर काबू पाया। साथ ही आग में फंसे दो सीनियर सिटीजन जिसमें एक दिव्यांग महिला भी थी उनको रेस्क्यू किया। इस दौरान 17 साल के एक लड़के को भी दमकल टीम ने रेस्क्यू किया। बताया जा रहा है कि आग फर्स्ट फ्लोर पर लगी थी, जिसमें कपड़े का गोदाम बना हुआ था। जिस बिल्डिंग में आग लगी थी वह चार फ्लोर की बिल्डिंग थी। हालांकि किस वजह से आग लगी अब तक इसका पता नहीं चल पाया है, लेकिन दमकलकर्मियों की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। इससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। फिलहाल पूरे मामले की जांच में पुलिस टीम जुटी हुई है।

1 जुलाई से 3 नए कानून लागू: अब मॉब लिंचिंग पर होगी फांसी, अखंडता को क्षति पहुंचाने पर आजीवन कारावास

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र सरकार 1 जुलाई से 3 नए कानून लागू करने जा रही है। इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इन नए कानून के लागू होने के बाद कई मामलों में अपराधियों को सख्त सजा मिल सकेगी। भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय न्याय संहिता 2023, एक जुलाई, 2024 से लागू होंगे। बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र में इन कानूनों को पारित किया गया था और 25 दिसंबर को राष्ट्रपति की भी मंजूरी मिल गई थी। इसके बाद अब गृह मंत्रालय ने इस कानूनों के लागू होने की ता-रीख भी बता दी। नए कानूनों में मॉब लिंचिंग, यानी जब 5 या इससे ज्यादा लोगों का एक समूह मिलकर जाति या समुदाय आदि के आधार पर हत्या करता है, तो ग्रुप के हर सदस्य को आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। नए कानूनों में नाबालिग से दुष्कर्म करने के दोषियों को अब फांसी की सजा दी जा सकेगी। गृह मंत्री अमित शाह ने भी मॉब लिचिंग को एक घृणित अपराध बताया था और इस अपराध के लिए नए कानूनों में फांसी की सजा का प्रावधान की बात संसद में कही थी। इसके अलावा नए कानून में आतंकवादी कृत्य, जो पहले गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम जैसे खास कानूनों का हिस्सा थे, इसे अब भारतीय न्याय संहिता में शामिल किया गया है। वहीं, पॉकेटमारी जैसे छोटे संगठित अपराधों पर भी नकेल कसने का प्रावधान नए कानूनों में किया गया है। इस तरह के अपराधों के साथ-साथ संगठित अपराध से निपटने के लिए प्रावधान भी नए कानून में किए हैं। पहले इस तरह के संगठित अपराधों से निपटने के लिए राज्यों के अपने कानून थे। इस नए कानून के तहत अगर कोई मौखिक तौर पर या लिखित या सांकेतिक रूप से ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देता है या फिर प्रयास भी करता है, एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करता है तो उसे आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त उस पर जुमार्ने का प्रावधान भी नए कानून में सम्मलित किया गया है। नए कानून लागू होने के बाद अंग्रेजों के जमाने के कानून समाप्त हो जाएंगे। इसी के साथ इस कानून में राजद्रोह को खत्म कर दिया गया है।

20 लाख पुलिसकर्मियों को नए कानूनों की ट्रेनिंग - विशेषज्ञों से बनी करीब 3 हजार एक्सपर्ट की टीम देशभर में 20 लाख पुलिसकर्मियों को नए कानूनों की ट्रेनिंग रही है। इन्हें नए कानूनों की हैंडबुक भी दी गई। पुलिस मुख्यालय भोपाल में स्पेशल डीजी संजय कुमार झा ने बताया कि जिलों में 5-5 मास्टर ट्रेनर तैयार किए हैं। गृह मंत्रालय सूत्रों के अनुसार, हर जिले में फॉरेंसिक वैन तैयार कराई जा रही है। अभी 85 वैन खरीदी गई है। 800 अन्य वैन विभिन्न कंपनियों के सहयोग से तैयार कराई जा रही है। यह काम जून तक पूरा हो जाएगा। वैन में फिंगरप्रिंट डीएनए टेस्टिंग एक्सपर्ट रहेंगे। हिट एंड रन मामलों से जुड़े प्रावधान अभी लागू नहीं होंगे। ट्र डाइवर्स भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (2) के विरोध में थे। उन्होंने इस मुद्दे पर हड़ताल भी की थी। इस समय गृह मंत्रालय इस पर अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस से चर्चा के बाद ही फैसला लेगा।

कांग्रेस के बैनर से गायब हुए सचिन पायलट, छाए रहे पूर्व सीएम गहलोत

जयपुर (ईएमएस)। कांग्रेस द्वारा भरतपुर के कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में मंच पर लगाया बैनर चर्चा का विषय बन गया। इसमें एक ओर सचिन पायलट नदारत दिखे तो वहीं पूर्व सीएम अशोग गहलोत बैनर में छाए रहे। दरअसल लोकसभा चुनाव को लेकर राजस्थान में कांग्रेस सक्रिय हो चुकी है। इसको लेकर कांग्रेस लगातार लोकसभा सीटों पर फीडबैक लेने में जुटी हुई है। इस बीच सियासत में एक बार फिर सचिन पायलट को लेकर पारे में हलचल मच गई। भरतपुर के कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में मंच पर लगाया बैनर सियासी गलियारों की चर्चा में आ गया है। जहां सचिन पायलट की फोटो बैनर से एक बार फिर नदारद दिखी। इस दौरान बैनर पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान प्रभारी सुखजिंद्र सिंह रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के साथ केंद्रीय नेताओं की फोटो लगी थी। लेकिन एक बार फिर सचिन पायलट की फोटो बैनर से गायब दिखी। इससे पायलट के समर्थकों में नाराजगी दिखी है। वहीं सोशल मीडिया पर इसको लेकर उनके प्रशंस-ाक कांग्रेस पर तीखे प्रहार भी कर रहे हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव के फीडबैक को लेकर भरतपुर में रंधावा, डोटासरा और टीकाराम जूली ने कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में तीनों नेताओं ने भरतपुर लोकसभा सीट से नेताओं और कार्यकताओं का फीडबैक लिया और लोकसभा चुनाव की रणनीति को लेकर चर्चा की। इस बीच मंच के पीछे जो बैनर लगाया गया।

वहां सचिन पायलट की फोटो नदारद दिखाई दी। जिसको लेकर काफी चर्चा शुरू हो गई हैं। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है। जब कांग्रेस के बैनर से सचिन पायलट की फोटो गायब हुई हो। इससे पहले भी कांग्रेस के बैनर में पायलट की फोटो गायब रह चुकी है।

केजरीवाल और एलजी के बीच उलझकर रह गया दिल्ली का बजट

-दिल्ली सरकार को जल्द बजट पेश करने एलजी ने लिखा केजरीवाल को पत्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली का बजट केजरीवाल और एलजी के बीच उलझकर रह गया है। यही वजह है कि अब दिल्ली सरकार को जल्द सदन के पटल पर बजट रखने उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सीएम केजरीवाल को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि 19 फरवरी को ही राष्ट्रपति ने बजट को मंजूरी दे दी थी। इसके बावजूद बजट को सदन के पटल पर अब तक नहीं रखा गया है उन्होंने मंत्रिपरिषद की सलाह पर 15 फरवरी को विधानसभा के बजट सत्र को संबोधित किया था। इसमें आगामी वित्तीय वर्ष के दौरान सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और नए क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम की जानकारी दी थी। साथ ही, सदन को आश्वासन दिया था कि वित्त मंत्री बजट भाषण में विस्तार से जानकारी देंगी, लेकिन बजट प्रस्तुत करने की जगह वित्त मंत्री ने बताया कि वार्षिक वित्तीय विवरण (बजट) की प्रस्तुति में दिल्ली सरकार द्वारा अंतिम रूप देने में देरी होगी। साथ ही, गृह मंत्रालय से मंजूरी हासिल करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत होगी। वही उपराज्यपाल ने कहा कि सूचना मिली है कि 19 फरवरी से बजट स-रकार के पास उपलब्ध है और अभी तक उपराज्यपाल कार्यालय में नहीं पहुंचा। इसके बाद स्थापित विधि के अनुसार सदन में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के आयोजन से पूर्व सरकार ने बताया था कि बजट सत्र 15 से 21 फरवरी तक होगा। इसे लेकर कैबिनेट ने 31 जनवरी को फैसला लिया था। इसे लेकर दो फरवरी को एलजी हाउस में फाइल आई थी। छह जनवरी को इसे लेकर आदेश जारी कर दिया गया। वहीं वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि बजट को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए 20 फरवरी के आसपास पेश किया गया था। जल्द ही विधानसभा के समक्ष पेश करने के लिए उपराज्यपाल से मंजूरी ली जाएगी। इसके लिए बजट एलजी कार्यालय भेजने का काम किया जा रहा है। बजट पूरे वित्त वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण वित्तीय दस्तावेज है, इसलिए उचित परिश्रम की आवश्यकता होती है।

राजस्थान में शुरू हुआ भारत और जापान सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'धर्म गार्जियन'

- दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और ज्यादा बढ़ावा मिलेगा
- विशेष हथियार कौशल की बुनियादी बातों पर भी केंद्रित होगा अभ्यास

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सेना और जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्म गार्जियन का 5वां संस्करण रविवार से राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ। नौ मार्च तक चलने वाला यह अभ्यास हर साल वैकल्पिक रूप से भारत और जापान में आयोजित किया जाता है। दोनों पक्षों की टुकड़ी में 40-40 जवान शामिल हैं। जापानी दल का प्रतिनिधित्व उनकी 34वीं इन्फेंट्री रेजिमेंट और भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व राजपूताना राइफल्स की एक बटालियन कर रही है। सैन्य प्रवक्ता कर्नल सुधीर चमोली ने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय श्क्क के तहत अर्ध-शहरी वातावरण में संयुक्त अभियानों को अंजाम देने के लिए संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाना है। यह अभ्यास उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना, संयुक्त सामरिक अभ्यास और विशेष हथियार कौशल की बुनियादी बातों पर केंद्रित होगा। सामरिक अभ्यास में अस्थायी ऑपरेटिंग बेस की स्थापना, एक इंटेलिजेंस, निगरानी और टोही (आईएस-ाआर) ग्रिड बनाना, मोबाइल वाहन चेक पोस्ट स्थापित करना, एक शत्रुतापूर्ण गांव में कॉर्डन और सर्च ऑपरेशन को अंजाम देना, हेलीबोर्न ऑपरेशन और हाउस इंटरवेंशन शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि अभ्यास के दौरान आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत देश की बढ़ती रक्षा औद्योगिक क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए एक हथियार और उपकरण प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स की पूर्वी सेना के कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल तोगाशी यूइची का भी एक्सरसाइज धर्म गार्जियन के मौके पर भारत का दौरा करने का कार्यक्रम है। वह 03 मार्च को महाजन फील्ड फायरिंग रेंज का दौरा करके कॉम्बैट शूटिंग प्रदर्शन, स्पेशल हेलीबोर्न ऑपरेशन (एसएचबीओ) और हाउस इंटरवेंशन ड्रिल देखेंगे। अभ्यास धर्म गार्जियन दोनों पक्षों को सामरिक संचालन करने की रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम बनाएगा। इस अभ्यास से दोनों पक्षों के सैनिकों के बीच अंतर-संचालन क्षमता और सौहार्द्र विकसित करने में भी मदद मिलेगी। इससे रक्षा सहयोग का स्तर बढ़ने के साथ ही दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने 1782 युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उप्र लोकसेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग और विद्युत सेवा आयोग के लिए 1782 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। मुख्यमंत्री ने चयनित युवाओं को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुझे प्रसन्नता है कि मिशन रोजगार के तहत प्रदेश के युवाओं को अलग-अलग विभागों में सेवा का अवसर प्रदान किया जा रहा है। युवा प्रतिभाओं को और उनके परिजनों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार युवाओं को सुचिता एवं पारदर्शिता से नौकरी देने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले सात सालों में छह लाख से अधिक सरकारी नौकरी दी गई है। प्रदेश में नौकरी एवं रोजगार की नई संभावनाओं के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश की कानून व्यवस्था हम सबके सामने है। पहले यहां कोई निवेश नहीं करना चाहता था। पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में 10 लाख करोड़ से अधिक निवेश की परियोजनाओं का धरातल पर उतारा गया है। इससे लगभग 34 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। आज उप्र में हर क्षेत्र में बेहतर कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री ने नवचयनित युवाओं से पूरी निष्ठा के साथ सरकारी सेवा के दौरान कार्य करने की सीख दी। इस मौके पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, आयुश मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, दिनेश खटिक, रामकेश निषाद समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अयोध्या में बनारस की पूड़ी कचौड़ी और जलेबी का स्वाद चख सकेंगे रामभक्त, चलेगा भंडारा

वाराणसी, (हि.स.)। अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन पूजन के बाद रामभक्त बनारस की पूड़ी कचौड़ी और जलेबी का भी स्वाद ले सकेंगे। इसके लिए श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति की ओर से अयोध्या पंचवटी में 15 दिवसीय भंडारा चलाया जाएगा। भंडारे में पूड़ी,कचौड़ी,जलेबी के साथ,इडली,डोसा, दाल,चावल और अन्य व्यजंन भी मिलेगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के आमंत्रण पर श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति की 40 सदस्यीय टीम रविवार को महमूरगंज से भंडारे के सामान के साथ अयोध्या रवाना हो गई। टीम के रवाना होने के पूर्व महापौर अशोक तिवारी और कैंट के भाजपा विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने समिति के सदस्यों का जमकर उत्साह वर्धन किया। समिति के अध्यक्ष दिलीप सिंह बंटी के अनुसार अयोध्या में बने भव्य मंदिर में श्री रामलला को विराजे एक माह से अधिक का समय बीत गए, इस बीच 65 लाख से अधिक राम भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई । रामभक्तों की सुविधा के लिए अयोध्या में कई भंडारे संचालित हो रहे हैं, जिसमें अब काशी का प्रसिद्ध भंडारा समिति भी शामिल हो गया है। समिति देश दुनिया के राम भक्तों का शिविर में बनारसी व्यंजनों से स्वागत करने के लिए तैयार है। समिति के सदस्यों के अनुसार काशी से अयोध्या के लिए निकल रहे रामभक्त सिर्फ रामलला का दर्शन ही नही करेंगे, अन्य राम भक्तों की सेवा भी करेंगे। श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति 15 दिन अयोध्या में बनारसी भोजन राम भक्तों को परोसेगी । प्रथम चरण में 40 सदस्यीय टीम अयोध्या के लिए निकल रही है, जिनके साथ भंडारे के लिए सारे अनाज, कढ़ाई, चूल्हा, और अन्य व्यवस्थाएं जा रही हैं, यह जत्था पूरे 15 दिनों तक रहकर अयोध्या पंचवटी में प्रत्येक दिन लगभग 8 से दस हजार लोगों को भोजन कराएगी । भंडारे में पूरा अनाज काशी के शिव भक्त अपनी तरफ से भगवान श्रीराम लला के चरणो में अर्पित करेंगे। समिति के सेवादार अयोध्या पहुचेंगे और वहां अपनी सेवा देते रहेंगे। गौरतलब हो कि श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति पिछले 23 वर्षो से लगातार जम्मू-कश्मीर के चंदनबाड़ी में अमरनाथ यात्रियों के लिए पूरे सावन माह निःशुल्क भंडारा चलाती है। समिति के सेवादारों का जत्था तीन चार बार में सामान लेकर चंदनबाड़ी पहुंचता है।

गिरिडीह में दो वाहनों से 12 गोवंश जब्त

गिरिडीह, (हि.स.)। जिले की जमुआ थाना पुलिस ने एसपी दीपक कुमार शर्मा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रविवार की सुबह थाना इलाके के खरगडीहा के काशियाडीह जंगल में छापेमारी कर 12 गोवंश लोड दो पिकअप वैन को जब्त किया है। हालांकि, पिकअप वैन के चालक फरार हो गए। पुलिस के अनुसार दोनों पिकअप वैन में लोड गोवंश को गिरिडीह होते हुए पश्चिम बंगाल के रास्ते बंग्लादेश भेजने की तैयारी थी। जिले में अब तक 1100 गोवंश को पुलिस मुक्त करा चुकी है। कुल 108 आरोपितों को जेल भेजा गया है। गोवंश लोड 82 वाहन जब्त हो चुके हैं।

लातेहार में युवक की गोली मारकर हत्या

लातेहार, (हि.स)। जिले के बरियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत टोटी हेसला गांव निवासी ओमप्रकाश गुप्ता (35) की अज्ञात अपराधियों ने शनिवार की रात घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक के परिजनों ने बताया कि शनिवार की रात घर के सारे लोग खाना खाने के बाद अपने-अपने कमरे में सो गए थे। इसी बीच रात को अचानक गोली चलने और ओमप्रकाश के चिल्लाने की आवाज सुनकर जब परिजन कमरे से बाहर निकले तो देखा कि ओमप्रकाश घायल अवस्था में जमीन पर पड़ा हुआ था। परिजनों ने उसे बालूमाथ अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना था कि ओमप्रकाश की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। ओम प्रकाश ऑटो चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने बरियातू में सड़क पर जाम लगा दिया। डीएसपी आशुतोष सत्यम ने लोगों को आश्वासन दिया कि पुलिस जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर देगी। पुलिस के समझाने के बाद लोगों ने सड़क से जाम हटाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा कर घटना में शामिल आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर राज्य के अस्पतालों में मॉडल ड्यूटी रोस्टर तैयार

पटना, (हि.स.)। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर पहली बार राज्य के सभी जिला अस्पतालों में मरीजों को बिना किसी रुकावट के सेवा देने के लिए मॉडल ड्यूटी रोस्टर तैयार हुआ है। रोस्टर के अनुसार अब हर चिकित्सक को सप्ताह में 48 घंटे की न्यूनतम ड्यूटी करना अनिवार्य है। ओपीडी, भर्ती मरीज, इमरजेंसी ओपीडी और लेबर रूम की रोस्टर ड्यूटी के अनुसार काम करना है। विभाग की ओर से इसी रोस्टर ड्यूटी के आधार पर सेवाओं की मॉनीटरिंग होगी। सरकार ने सिटीजन चार्टर के तहत रोस्टर तैयार किया है। इसका डिस्प्ले भी बोर्ड पर किया जाना है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के निर्देश के बाद तैयार जिला अस्पतालों की मॉडल रोस्टर ड्यूटी को सिविल सर्जन और जिला अस्पतालों के अधीक्षक व उपाधीक्षकों को भेज दी गयी है। जिला अस्पतालों में इमरजेंसी सेवा को तीन शिफ्टों में बांट दिया गया है। मॉर्निंग शिफ्ट आठ बजे से दोपहर दो बजे, इवनिंग शिफ्ट दोपहर दो बजे से रात के आठ बजे और रात्रिकालीन शिफ्ट रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक होगी। इसी प्रकार से तीन शिफ्ट में लेबर रूम का भी संचालन होगा। जिला अस्पताल के अधीक्षक को तीनों शिफ्ट में चिकित्सकों की तैनाती करनी है और उसका रिकॉर्ड भी रखना है। विशेषज्ञ चिकित्सकों को सप्ताह में कम से कम दो दिन ओपीडी और दो दिन ऑपरेशन थियेटर में सेवा देनी है। किसी भी मरीज को दोपहर एक बजे के पहले डिस्चार्ज करना है। इसमें जांच की सेवाओं को भी शिफ्ट में बांटा गया है। इमरजेंसी में जांच और दवा की सुविधा 24 घंटे तीन शिफ्ट में संचालित होगी। रविवार और अवकाश के दिन इमरजेंसी सेवा के लिए ऑन कॉल मैन पावर को तैनात किया जाना है। मरीजों के रजिस्ट्रेशन का समय भी दो शिफ्ट सुबह और शाम तय किया गया है। जिला अस्पतालों को पहला मॉडल रोस्टर फार्मेट में कुल डॉक्टरों की संख्या दर्ज की जानी है। इन चिकित्सकों के नाम, मोबाइल नंबर, किस दिन किस डॉक्टर की ड्यूटी लगी, इसका चार्ट तैयार किया जाना है। इसी प्रकार से इमरजेंसी में किस डॉक्टर की किस शिफ्ट में ड्यूटी लगायी गयी है, इसका भी चार्ट तैयार किया जायेगा।

उप्र के अंबेडकरनगर के बसपा सांसद रितेश पांडेय का पार्टी से इस्तीफा

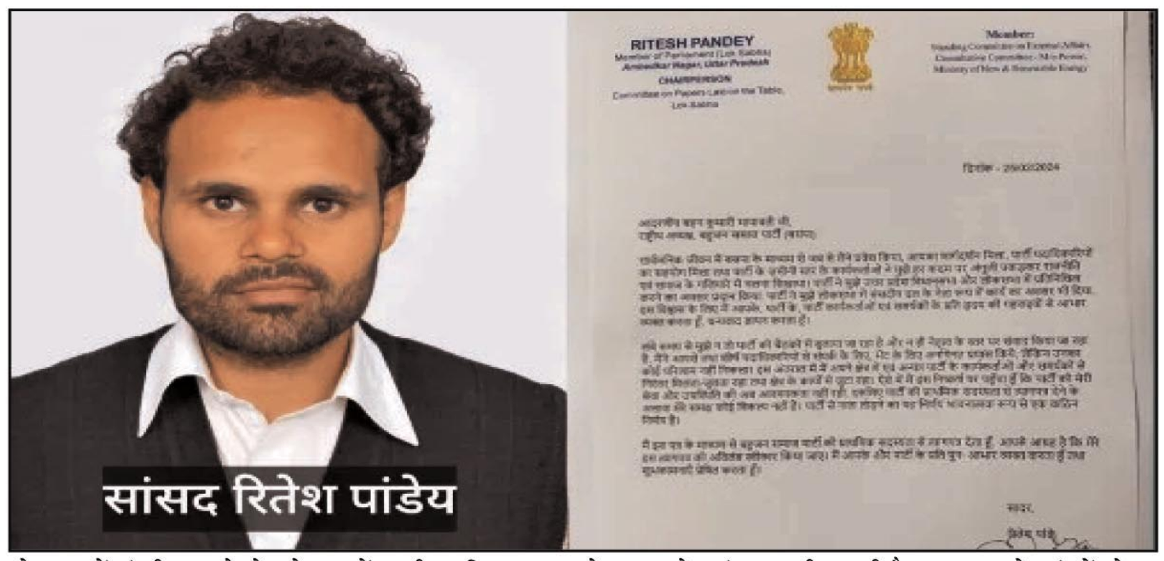

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर लोकसभा क्षेत्र से बसपा के सांसद रितेश पांडेय ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। पांडेय उन सांसदों में शामिल थे जिन्होंने संसद के हालिया सत्र के दौरान संसद की कैंटीन में प्रधानमंत्री के साथ लंच किया था। बसपा अध्यक्ष मायावती को भेजे इस्तीफे में रितेश पांडेय ने कहा, मैंने आपसे तथा शीर्ष पदाधिकारी से संपर्क के लिए अनगिनत प्रयास किए लेकिन उसका कोई परिणाम नहीं निकला। इस अंतराल में मैं अपने क्षेत्र में एवं पार्टी के कार्यकताओं और समर्थकों से निरंतर मिलता-जुलता रहा। क्षेत्र के कार्यों में जुटा रहा। ऐसे में मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि पार्टी को मेरी सेवा और उपस्थिति की अब आवश्यकता नहीं रही। इसलिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देने के अलावा मेरे समक्ष कोई विकल्प नहीं है। पांडेय ने मायावती को लिखे पत्र में कहा, बसपा के जरिए सार्वजनिक जीवन में जब से मैंने प्रवेश किया, आपका मार्गदर्शन मिला, पार्टी पदाधिकारी का सहयोग मिला तथा पार्टी के जमीनी स्तर के कार्यकताओं ने मुझे हर कदम पर अंगुली पड़कर राजनीति एवं समाज की गलियों में चलना सिखाया। पार्टी ने मुझे उत्तर प्रदेश विधानसभा और लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त किया। पार्टी ने मुझे लोकसभा में संसदीय दल के नेता के रूप में कार्य का अवसर भी दिया। इस विश्वास के लिए मैं आपके, पार्टी कार्यकताओं एवं समर्थकों के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं। लंबे समय से मुझे ना तो पार्टी की बैठक में बुलाया जा रहा था, ना ही नेतृत्व के स्तर पर संवाद किया जा रहा है। पार्टी से नाता तोड़ने का यह निर्णय भावनात्मक रूप से एक कठिन निर्णय है। मैं इस पत्र के माध्यम से बसपा की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देता हूं।

मायावती ने एक्स पर लिखा- मायावती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि बसपा राजनीतिक दल के साथ ही बाबासाहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के मिशन को समर्पित मूवमेन्ट भी है। इस कारण इस पार्टी की नीति व कार्यशैली देश की पूंजीवादी पार्टियों से अलग है। जिसे ध्यान में रखकर ही चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार भी उतारती है। अब बसपा के सांसदों को इस कसौटी पर खरा उतरने के साथ ही स्वंय जांचना है कि क्या उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता का सही ध्यान रखा। मीडिया द्वारा यह सब कुछ जानने के बावजूद इसे पार्टी की कमजोरी के रूप में प्रचारित करना अनुचित है। बसपा का पार्टी हित सर्वोपरि है। हालांकि मायावती ने अपने पोस्ट में रितेश पांडेय के नाम का कहीं भी जिक्र नहीं किया है।

प्रदेश के पहले एम्स को मोदी सरकार में लगे पंख

रायबरेली, (हि. स.)। प्रदेश के पहले एम्स के निर्माण से लेकर विकास तक में मोदी सरकार ने जिस तरह से तेजी दिखाई वह एक उदाहरण है। कई वर्षों से लटकी इस महत्वपूर्ण योजना के पंख मोदी सरकार में ही लगे और नियत समय के पहले ही एम्स रायबरेली सभी सुविधाओं से परिपूर्ण हो गया। साल 2007 में इसे केंद्र की सरकार से इसे मंजूरी मिली थी, लेकिन राज्य और केंद्र की सरकार की लचर कार्यप्रणाली के कारण इसे कई साल तक जमीन ही नहीं उपलब्ध हो पाई। वर्ष 2012 में शहर की सीमा पर स्थित मुंशीगंज चीनी मिल की जमीन एम्स के लिए मिली, जिस पर 8 अक्टूबर 2013 को भूमि पूजन किया गया। 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद यहां काम ने गति पकड़ी और मात्र चार वर्षों में ही प्रथम चरण का काम पूरा हो गया। 13 अगस्त 2018 से यहां से ओपीडी भी शुरू हो गई। हालांकि काम लगातार जारी रहा और 9 जुलाई 2021 से यहां तीन सौ बेड का अस्पताल भी शुरू हो गया. इस साल (2024) से यहां एमबीबीएस के लिए सौ सीटों का आवंटन भी हो गया। वर्तमान समय में एम्स रायबरेली 710 बेड, अपातकालीन सेवा, एनआईसीयू, एमआरयू से लैस है। बीते जनवरी माह से यहां 9 ऑपरेशन थिएटर के साथ ही इमरजेन्सी बेड बढ़ाई गई हैं।

उप्र में पछुआ हवाएं सर्दी को रखेंगी बरकरार, गिरेगा पारा

कानपुर, (हि.स.)। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर अभी उत्तर प्रदेश में करीब एक सप्ताह तक देखने को मिल सकता है। आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी जिससे पारा भी सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। ऐसे में खास-कर सुबह शाम की सर्दी बरकरार रहेगी। मार्च के पहले सप्ताह से ही आसमान साफ होने लगेगा और तापमान में भी बढ़ोत्तरी होगी। चन्द्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस एन सुनील पाण्डेय ने रविवार को बताया कि पश्चिमी विक्षोभ को उत्तरी पाकिस्तान के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण के रुप में देखा जा रहा है। राजस्थान के मध्य भागों और आसपास के इलाकों पर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। मराठवाड़ा और इससे जुड़े इलाकों पर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। एक ट्रफ रेखा उपरोक्त चक्रवाती परिसंचरण से लेकर आंतरिक कर्नाटक होते हुए दक्षिण तमिलनाडु तक फैला हुआ है। 26 फरवरी से एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ हिमालयी क्षेत्र के ऊपर पहुंच सकता है। दक्षिणी छत्तीसगढ़ पर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इससे उत्तर प्रदेश का मौसम अभी हल्की सर्दी से भरा रहेगा और तापमान सामान्य से नीचे रहने के आसार हैं। आगामी दो दिन कानपुर मण्डल सहित मध्य उत्तर प्रदेश का मौसम शुष्क रहेगा। बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। रात में अगर बादल आते हैं तो रात का तापमान बढ़ेगा वहीं दिन में बादल आने से दिन का तापमान कम होगा। उत्तर पश्चिमी हवाएं और पूर्वी हवाएं आती रहेंगी। बताया कि कानपुर में अधिकतम तापमान 25.6 और न्यूनतम तापमान 10.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह की सापेक्षिक आर्द्रता 93 और दोपहर की सापेक्षिक आर्द्रता 38 प्रतिशत रही। हवाओं की दिशाएं उत्तर पूर्व रहीं जिनकी औसत गति 2.6 किमी प्रति घंटा रही। मौसम पूवार्नुमान के अनुसार कानपुर में कल आसमान साफ रहेगा और शेष दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाए रहेंगे लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है।

रामगढ़ में 45 दारोगा को मिली नई जिम्मेदारी, श्वेता कुजूर बनीं महिला थाना प्रभारी

रामगढ़, (हि.स.)। पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे ने रविवार को रामगढ़ जिले में स्थानांतरित होकर आए 45 सब-इंस्पेक्टर की तैनाती कर दी है। रामगढ़ महिला थाना की प्रभारी श्वेता कुजूर को बनाया गया है। यातायात थाने में अर्जुन उरांव, मुन्ना कुमार सिंह, दिनेश कुमार, सतीश आशीष तिर्की को तैनात किया गया है। इनके अलावा पतरातू थाने में प्रदीप कुमार रजक, अजीत कुमार, रेणुका कुमारी दास, शिवा कच्छप, संतोष कुमार, रजरप्पा थाने में मो. नौशाद, विकास कुमार, निरंजन कुमार सिंह, अशोक कुमार, नवीन होरो, मांडू थाने में संतोष उरांव, गोला थाने में सरबक्श सिंह सिद्धू, स्वामी रंजन ओझा, कुजू ओपी में संजय हेंब्रम, रौशन कुमार, मनीष कुमार सिंह, भुरकुंडा ओपी में अभिषेक प्रताप, कुणाल कुमार, निर्भय कुमार गुप्ता, भदानीनगर ओपी में मनोज मुर्मू, सोमाय सोरेन को नियुक्त किया गया है। इसी तरह वेस्ट बोकारो ओपी में रवि कुमार, संजय बेदिया, रंजीत कुमार, रामगढ़ थाना में अशोक कुमार, महेश्वर महतो, सुमंत कुमार राय, आशुतोष कुमार सिंह, सौरभ कुमार ठाकुर, राजेश मुंडा, राजू उरांव, निशिकांत शर्मा, विदेशी शाखा प्रभारी ऋषिकेश कुमार राय, बासल थाना में जॉनी कुमार, निमिर हेस्सा, महिला थाना में रंथु राम, बरकाकाना ओपी में हरगुदन होरो, राजेंद्र उरांव, पुलिस नियंत्रण कक्ष में कृष्ण देव महतो को पदस्थापित किया गया है। इसके अलावा अभियोजन शाखा प्रभारी भरत रंजन पाठक को बनाया गया है।

छह जघन्य कांडों के फरार अपराधी पूर्व मुखिया औरंगजेब गिरफ्तार

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिला की पकरीबरावां पुलिस ने प्रखंड के राइस ग्राम पंचायत के पूर्व मुखिया तथा 6 जघन्य कांडों के फरार अपराधी मो औरंगजेब को रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। नवादा के एसपी ने इस गिरफ्तारी को बड़ी सफलता मानते हुए पकरीबरावां थाना प्रभारी अजय कुमार के कार्यों की प्रशंसा की है। थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि हत्या के प्रयास ,शस्त्र अधिनियम सहित अनुसूचित जाति ,जनजाति उत्पीड़न अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं के तहत थाने में दर्ज 6 मुकदमों में राइस के पूर्व मुखिया औरंगजेब फरार चल रहे थे। न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। लेकिन वह पुलिस की पकड़ से भागते फिर रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर तथा गुप्तचर के हवाले से जानकारी प्राप्त कर बकरी थाना प्रभारी अजय कुमार के नेतृत्व में छापेमारी कर फरार अपराधी पूर्व मुखिया मोहम्मद औरंगजेब को गिरफ्तार कर लिया गया ।गिरफ्तार मोहम्मद औरंगजेब ने पुलिस को कई आहम जानकारी दी है ।इसकी जांच पुलिस कर रही है। थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि मोहम्मद औरंगजेब का लाइसेंसी हथियार भी जप्त कर लिया गया।

राष्ट्रपति के रांची दौरे के मद्देनजर उपायुक्त ने विधि व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के दिए निर्देश

रांची, (हि.स.)। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने 28 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रांची में प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था एवं शांति-व्यवस्था को लेकर संबंधित सभी अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। विधि-व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। उपायुक्त ने शनिवार देर रात दिए आदेश में कहा कि हवाई अड्डा मुख्य गेट पर प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी का दायित्व होगा कि हवाई अड्डा के अन्दर सिर्फ उन्हीं व्यक्तियों को डीएफएमडी गेट से जाने देंगे जिनके पास जिला प्रशासन की ओर से निर्गत पास हो। हवाई अड्डा के बाहर भीड़ नहीं एकत्रित हो तथा कोई भी अनाधिकृत वाहन की पार्किंग नहीं होने पाए। एकत्रित जनसमूह को हवाई अड्डा से कार्यक्रम स्थल जाने वाली सड़क के दोनों किनारे 10 फीट की दूरी पर रखेंगे। साथ ही सड़क के दोनों तरफ वाहनों को भी खड़ा नहीं होने देंगे। थाना प्रभारी भी अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। गश्ती दल का मुख्य दायित्व यह रहेगा कि वे राष्ट्रपति के आगमन से पूर्व तथा उनके प्रस्थान तक सम्पूर्ण हवाई अड्डा के बाहरी क्षेत्रों में लगातार गश्ती करते रहेंगे और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखेंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश हवाई अड्डा के प्रतिबंधित क्षेत्र में न हो। सम्बंधित पुलिस अधिकारी उपलब्ध बलों से एयरपोर्ट के आसपास जांच और निगरानी सुनिश्चित करवायेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति विशेष विमान से 28 फरवरी को रांची आएंगी। बिरसा मुण्डा हवाई अड्डा पर विशेष विमान की सुरक्षा के लिए पुलिस पदाधिकारी एवं बल प्रतिनियुक्त किये गये हैं। ये सभी पदाधिकारी इन्डियन ऑयल डिपो के पास रहेंगे और राष्ट्रपति एवं कारकेड के हवाई अड्डा से प्रस्थान के पश्चात विशेष विमान एवं विशेष हेलीकॉप्टर को अपने-अपने सुरक्षा घेरे में ले लेंगे और तबतक अपने स्थान पर बने रहेंगे जबतक कि राष्ट्रपति लौट नहीं जाए। उपायुक्त ने कहा है कि विमान और हेलीकॉप्टर में ईंधन भरने की स्थिति में ईंधन का सैंपल सीलबन्द कराने का दायित्व सभी सम्बंधित अधिकारी का है। पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि वायुयान और हेलीकॉप्टर के दोनों तरफ दो संतरी हमेशा तैनात रहें। राष्ट्रपति के आगमन पर सभी प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी एवं बल निर्धारित समय पर स्मार्ट एवं वर्किंग यूनिफार्म (औपचारिक ड्रेस) में ड्यूटी करेंगे। सारी व्यवस्था राष्ट्रपति के प्रस्थान के दो घंटे बाद तक बनी रहेगी। उपायुक्त ने कहा है कि प्रतिनियुक्त पदाधिकारी या कर्मचारी सहित कोई भी व्यक्ति राष्ट्रपति के साथ सेल्फी लेने का कार्य नहीं करेगा। प्रेस के फोटोग्राफर जिन्हें फोटो युक्त पहचान पत्र निर्गत किये गये हैं उन्हें ही कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने देंगे। खाद्य पदार्थ-पेय पदार्थ की जांच के बाद ही राष्ट्रपति और अन्य गणमान्य के लिए व्यवस्था करेंगे।

मोतिहारी डायट भवन में शिक्षा विभाग के कर्मियो और शिक्षकों के बीच हाथापाई

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। डायट भवन में ज्वाइनिंग के लिए पहुंचे नव नियुक्त शिक्षकों और डायट भवन के कर्मियों के बीच जमकर लात घुसे चले।इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो आज तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि शिक्षा विभाग के कर्मियों व शिक्षको के बीच पहले वाद विवाद हुआ जो देखते ही देखते हाथापाई में तब्दील हो गया।इस वाकया की जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची ने बीच बचाव कर मामला को शांत कराया। घटना मोतिहारी शहर के छतौनी थाना क्षेत्र स्थित डायट भवन की है। बताया जा रहा है कि डायट भवन में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे नव नियुक्त शिक्षको को फिंगर प्रिंट के माध्यम से डिजिटल ज्वाइनिंग करना था। शिक्षा विभाग के निर्देश के अनुसार इस कार्य के लिए नव नियुक्त शिक्षकों के साथ-साथ विद्यालय के प्राचार्य को भी पहुंचना अनिवार्य था।प्रारंभ में शिक्षक कतारबद्ध होकर अपना थंब लगा रहे थे। तभी वहां से गुजर रहे डीपीएम से एक-एक विद्यालय के प्राचार्य से किसी बात को लेकर नोक-झोंक शुरू हुई और देखते ही देखते मामला इस कदर बिगड़ा कि दोनों तरफ से हाथापाई शुरू हो गई। मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग के कर्मियों ने एक विद्यालय के प्राचार्य की जमकर धुनाई कर दी। इस पूरी घटना का किसी शिक्षक ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।वीडियो में कुछ लोग मिलकर एक शिक्षक की पिटाई करते दिख रहे हैं। वायरल वीडियो को देख लोग शिक्षा विभाग और शिक्षको की इस कारगुजारी पर खुब तंज कसते दिख रहे है।

संपादकीय

केजरीवाल के समन

दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल संवैधानिक जांच एजेंसियों के सामने पेश क्यों नहीं होते? क्या आम आदमी इन एजेंसियों के समन को लगातार खारिज कर सकता है? क्या इनके समन को स्वीकार न करना 'असंवैधानिक' नहीं है? अदालत का इस व्यवस्था पर एक स्पष्ट आदेश जरूर आना चाहिए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई सरीखी एजेंसियों को संवैधानिक, संघीय मान्यता हासिल है कि वे देश के प्रधानमंत्री को भी जांच के लिए तलब कर सकती हैं। केजरीवाल भी संवैधानिक पद पर हैं और संविधान, लोकतंत्र बचाने के नारों पर राजनीति करते रहे हैं। फिर ईडी के समन को बार-बार 'अवैध' करार देना क्या संविधान-सम्मत है? केजरीवाल ने एक बार विधानसभा सत्र और विश्वास प्रस्ताव को बहाना बना कर ईडी और अदालत की पेशी से राहत मांगी थी। राहत तो मिल गई, लेकिन यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण है कि केजरीवाल को 70 विधायकों के सदन में 62 विधायकों का प्रचंड बहुमत हासिल है, तो फिर सत्ता-पक्ष को विश्वास-मत का प्रस्ताव क्यों पेश करना पड़ा? विपक्ष ने तो अविश्वास व्यक्त नहीं किया था। इसी तरह केजरीवाल कभी राज्यसभा चुनाव, तो कभी चुनाव-प्रचार का बहाना बना कर ईडी के समन को अस्वीकार करते रहे हैं। एक राजनेता औसतन हर दिन किसी न किसी काम में व्यस्त रहता है, तो क्या जांच एजेंसी के संवैधानिक दायित्व को 'तारपीडो' करता रहेगा? केजरीवाल की कथित शराब घोटाले में उपस्थिति और उनसे पूछताछ इसलिए अहम है, क्योंकि उनके उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया बीते एक साल से जेल में हैं, उन पर मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं, लिहाजा सर्वोच्च अदालत ने भी उन्हें जमानत नहीं दी है। बल्कि इस मामले में मनी ट्रेल की आशंका जताई है। घोटाला करोड़ों रुपए का है, लेकिन 'आप' के प्रवक्ता दलीलें देते रहे हैं कि सिसोदिया और संजय से एक चवन्नी भी बरामद नहीं हुई, लेकिन जेल का उत्पीडन दिया जा रहा है। यह कुतर्क है। किसी भी ऐसे घोटाले में नकद बरामद नहीं हुआ करते, बल्कि लेन-देन बेनकाब होता है। 'आप' के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी बीती अक्तूबर से जेल की सलाखों के पीछे हैं और अदालत ने उन्हें भी जमानत नहीं दी है। मनी लॉन्ड्रिंग का कानून ही इतना पेचीदा और सख्त है कि उसमें जमानत मिलना एक कठिन प्रक्रिया है। ये दोनों नेता, 'आप' के भीतर, केजरीवाल के दाएं-बाएं हाथ माने जाते रहे हैं, लिहाजा केजरीवाल को किसी सूचना या साक्ष्य के आधार पर गिरफ्तारी का अंदेशा और भय स्वाभाविक है। संभव है कि दोनों गिरफ्त नेताओं से पूछताछ के दौरान ऐसा कोई साक्ष्य सामने आया हो, जो केजरीवाल की संलिप्तता की ओर संकेत करता हो, लिहाजा जांच एजेंसी केजरीवाल से भी पूछताछ करना चाहेगी। इसमें असामान्य क्या है? गौरतलब यह भी है कि जब शराब की नई नीति बनाई जा रही थी, उस दौरान शराब के बड़े व्यापारियों को मुख्यमंत्री केजरीवाल से भी मिलाया गया था। इसे भी अपराध न आंका जाए, तो दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने जो फैसले लिए थे, उनसे केजरीवाल खुद को अलग कैसे रख सकते हैं? कैबिनेट के फैसले और दायित्व तो 'सामूहिक' होते हैं। केजरीवाल तो दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री हैं। बेशक उन्होंने किसी भी फाइल या विवादित फैसले पर हस्ताक्षर न किए हों, लेकिन कैबिनेट की प्रथम जिम्मेदारी उन्हीं की है। उनका यह संवैधानिक दायित्व है कि वह ईडी के सामने पेश हों।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई सरीखी एजेंसियों को संवैधानिक, संघीय मान्यता हासिल है कि वे देश के प्रधानमंत्री को भी जांच के लिए तलब कर सकती हैं। केजरीवाल भी संवैधानिक पद पर हैं और संविधान, लोकतंत्र बचाने के नारों पर राजनीति करते रहे हैं। फिर ईडी के समन को बार-बार 'अवैध' करार देना क्या संविधान-सम्मत है? केजरीवाल ने एक बार विधानसभा सत्र और विश्वास प्रस्ताव को बहाना बना कर ईडी और अदालत की पेशी से राहत मांगी थी। राहत तो मिल गई, लेकिन यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण है कि केजरीवाल को 70 विधायकों के सदन में 62 विधायकों का प्रचंड बहुमत हासिल है, तो फिर सत्ता-पक्ष को विश्वास-मत का प्रस्ताव क्यों पेश करना पड़ा? विपक्ष ने तो अविश्वास व्यक्त नहीं किया था। इसी तरह केजरीवाल कभी राज्यसभा चुनाव, तो कभी चुनाव-प्रचार का बहाना बना कर ईडी के समन को अस्वीकार करते रहे हैं। एक राजनेता औसतन हर दिन किसी न किसी काम में व्यस्त रहता है, तो क्या जांच एजेंसी के संवैधानिक दायित्व को 'तारपीडो' करता रहेगा? केजरीवाल की कथित शराब घोटाले में उपस्थिति और उनसे पूछताछ इसलिए अहम है।

'गाल में इतिहास एक बार फिर अपने आपको दोहराने के मुहाने पर आ गया है

संदेशखाली का संदेश

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पश्चिमी बंगाल के एक ग्राम नंदी ग्राम को उस गांव के लोगों के सिवा कोई नहीं जानता था। लेकिन सारी दुनिया के वे लोग जो विश्व के सामाजिक आंदोलनों में रुचि रखते हैं, नंदी ग्राम को जानते हैं। नंदी ग्राम के लोगों ने पश्चिमी बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार की तानाशाही का विरोध लाठी-गोली खाकर भी किया था। लम्बे अरसे से सरकार में बने रहने के कारण कम्युनिस्टों ने सर्वहारा की तानाशाही का अर्थ सीपीएम की तानाशाही ही समझ लिया था। लेकिन उस वक्त नंदी ग्राम में तानाशाही के खिलाफ इस आंदोलन का नेतृत्व तमाम खतरे उठाकर भी वह ममता बनर्जी कर रही थी जिसने सीपीएम को अपदस्थ करके कोलकाता के राईटर्ज भवन पर कब्जा किया था। उस वक्त सत्ता के नशे में मदहोश कम्युनिस्ट नंदी ग्राम के संदेश को पकड़ नहीं पाए थे। इसका एक कारण यह भी था कि उनका संबंध प्रदेश की आम जनता से टूट चुका था। लगता है बंगाल में इतिहास एक बार फिर अपने आपको दोहराने के मुहाने पर आ गया है। जिला चौबीस परगना का संदेशखाली, जो सरकार चला रही तृणमूल कांग्रेस का गढ़ माना जाता है, पिछले लगभग एक मास से सुर्खियों में है। सुर्खियों में रहने का कारण तृणमूल कांग्रेस के एक बड़े नेता शाहजहां शेख के व्यवहार से हुआ, लेकिन जब ज्वालामुखी फटा तो उसके नीचे से शाहजहां द्वारा बनाया गया ऐसा नर्क सामने आया जिससे किसी का भी दम घुटने लगे। शाहजहां तृणमूल कांग्रेस का नेता है और पार्टी की ओर से जिला परिषद का निर्वाचित सदस्य है। उसके अनेक प्रकार के धन्धे हैं। उनमें से एक मनी लांड्रिंग का भी है। मनीलांड्रिंग का अर्थ है काले धन को सफेद करना। यानी नाजायज साधनों से प्राप्त नाजायज काले धन को सफेद बनाना। हिन्दी वाले इसे धन शोधन कहते हैं, यानी धन को शुद्ध करना। पिछले दिनों प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने मनी लांड्रिंग के मामलों को लेकर उसके घर छापा मारा था। अलबत्ता जब ईडी के बड़े अधिकारी शाहजहां शेख के घर पहुंचे तो उसने उनके स्वागत के लिए पुराने मुगल बादशाह शाहजहां की तरह की ही व्यवस्था कर रखी थी। उसके लोगों ने ईडी के अधिकारियों को घेर लिया और दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। किसी की यह हिम्मत कि शाहजहां के महल पर छापा मारे? ऐसा लगता है कि ममता बनर्जी की पुलिस भी शाहजहां शेख को मुगल बादशाह शाहजहां ही समझ रही थी। पुलिस ने ईडी के अधिकारियों की मदद करने की बजाय उन पर

नंदी ग्राम के लोगों ने पश्चिमी बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार की तानाशाही का विरोध लाठी-गोली खाकर भी किया था। लम्बे अरसे से सरकार में बने रहने के कारण कम्युनिस्टों ने सर्वहारा की तानाशाही का अर्थ सीपीएम की तानाशाही ही समझ लिया था। लेकिन उस वक्त नंदी ग्राम में तानाशाही के खिलाफ इस आंदोलन का नेतृत्व तमाम खतरे उठाकर भी वह ममता बनर्जी कर रही थी जिसने सीपीएम को अपदस्थ करके कोलकाता के राईटर्ज भवन पर कब्जा किया था। उस वक्त सत्ता के नशे में मदहोश कम्युनिस्ट नंदी ग्राम के संदेश को पकड़ नहीं पाए थे।

हमला कर रही शाहजहां की सेना की ही मदद करनी शुरू की। इतना ही नहीं, ईडी के अधिकारियों पर केस दर्ज कर दिया कि उन्होंने शाहजहां के महल में चोरी की है। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आग उगलनी शुरू कर दी। उनके लिए यह जरूरी था क्योंकि उनके आसपास के लोग उन्हें अग्निकन्या कहते हैं। अग्निकन्या का कहना था कि केन्द्र सरकार उनकी पार्टी के लोगों को बिना कारण के तंग कर रही है। लेकिन शाहजहां शेख इतना मूर्ख नहीं था। वह समझ गया था कि अग्निकन्या को अन्दाजा नहीं कि मामला ज्यादा बढ़ गया है। अब वह ममता बनर्जी की छत्रछाया में रहकर भी बच नहीं पाएगा। मामला सुप्रीम कोर्ट तक जा सकता है। इसलिए वह संदेशखाली में अपना महल और सिंहासन छोड़ कर भाग निकला। अब भाग निकला या पुलिस ने ही भगा दिया, यह अपने आप में अलग जांच का विषय है। वैसे ममता की पुलिस का कहना है कि वह उसे तलाश करने में आकाश-पाताल एक कर रही है। जब वहां के लोगों को यकीन हो गया कि शाहजहां शेख अपनी खाल बचाता घूम रहा है तो उनमें भी अपना दर्द बयान करने का साहस आ गया। लेकिन जब वहां की औरतों ने अपना दर्द बयान करना शुरू किया तो सचमुच भूकम्प आ गया। उनका कहना था कि तृणमूल के कार्यकर्ता बाकायदा घरों में जा-जाकर सर्वे करते हैं। पहली नजर में कोई भी समझेगा कि इसमें क्या बुरा है। सरकार अपनी लोक कल्याणकारी योजनाओं को असली गरीबों तक पहुंचाने के लिए यदि सर्वे कर रही है, तब तो इसका स्वागत ही होना चाहिए। लेकिन पता चला कि शाहजहां के कार्यकर्ता कल्याणकारी योजनाओं के लिए सर्वे नहीं करते, बल्कि परिवारों में सुन्दर विवाहित/अविवाहित औरतों की तलाश में सर्वे करते हैं और जहां से भी सुन्दर औरत मिलती है, उसको उठाकर ले जाते हैं और सामूहिक बलात्कार करते हैं। उनका अपहरण करते हैं। कई परिवार तो शाहजहां के इस सर्वे के आतंक से अपनी युवा लड़कियों को बाहर रिश्तेदारों के पास भेजने लगे थे। यह भी आरोप लग रहे हैं कि इस सर्वे का शिकार हिन्दु लड़कियां ही होती थीं। इनके साथ सामूहिक बलात्कार होता था। इनके पतियों को या तो भगा दिया जाता था या फिर उन्हें वक्त से समझौता करना पड़ता था। और उस मामले में उस वक्त का नाम शाहजहां था। इतना ही नहीं लड़कियों को उठा लेने के बाद धीरे धीरे उनकी जमीन जायदाद पर भी कब्जा कर लिया जाता था। उन सब के लिए संदेश खाली एक जीता जागता दोजख बन गया था। यह शाहजहां की वह 'सरकार' थी जहाँ हिन्दु औरतों को सैक्स के लिए दास बना लिया गया था। लगता है सत्ता के लालच में उन्होंने बंगाल के कुछ हिस्सों की ठेकेदारी कुछ शाहजहाँ जैसे ठेकेदारों को सौंप रखी है जो अपने इलाके की एकमुश्त वोटें 'अग्निकन्या' को दिलवा दें, उसके बाद वे अपनी 'रिआया' के साथ वह सब कुछ करें जो शाहजहाँ और उसकी सर्वे टीम संदेशखाली में कर रही है। लेकिन ममता बनर्जी के लिए इन चीज़ों का कोई अर्थ नहीं है। वे संदेशखाली को इस प्रकार देख रही थी जिस प्रकार कभी सीपीएम नंदी ग्राम को देखा करता था। वे संदेशखाली की औरतों की पीड़ा या तो समझ नहीं पाई या फिर सत्ता के अहंकार में समझना नहीं चाहतीं। ध्यान रखना चाहिए कि संदेशखाली कोलकाता से महज 70 किलोमीटर दूर है। कोलकाता की नाक के नीचे शाहजहां ने वहां की महिलाओं के लिए जितना भयंकर नर्क तैयार किया हुआ था, वह सरकारी मशीनरी की प्रत्यक्ष-परोक्ष सहायता के बिना सम्भव नहीं है। ममता बनर्जी ने संदेशखाली की इन महिलाओं को सबक सिखाने की सोची। उन्होंने संदेशखाली में किसी के भी जाने पर पाबंदी लगा दी। धारा 144 लगा दी। यानी तगड़ा मारे भी और रोने भी न दे। पत्रकारों को रोका ही नहीं गया, बल्कि उनको कैमरों के सामने ही गिरफ्तार कर लिया। पश्चिमी बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेन्दु अधिकारी को संदेशखाली जाने के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट जाना पड़ा। ममता की सरकार इतनी निर्मम हो गई है कि न तो उसे पीड़ित शोषित महिलाओं की चीखें सुनाई दे रही हैं और न ही वे किसी और को उनकी सहायता के लिए जाने देना चाहती हैं। रहा प्रश्न बंगाल के नए शाहजहां का, कहा जाता है कि वह पुलिस की पकड़ से बाहर है।

दृष्टि कोण

भारत में घट रहे रेगिस्तान के जहाज, युद्धस्तर पर संरक्षण की जरूरत

ऊंट का जिक्र आते ही रेगिस्तान का ख्याल एकाएक मन में आ जाता है। एक समय रेगिस्तान में यातायात का मुख्य साधन रहा ऊंट अब संकट में है। इनकी संख्या न केवल भारत में, बल्कि दुनिया में घट रही है। शायद यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2024 को ऊंट वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है, ताकि लोगों का ध्यान ऊंट के संरक्षण की तरफ भी जाए। दुनिया के 90 देशों में ऊंटों के संरक्षण और इनकी संख्या को बढ़ाने के लिए प्रयास चल रहे हैं। भारत में राजस्थान में सर्वाधिक ऊंट पाए जाते हैं और यहां भी पिछले कुछ सालों में सरकारी स्तर पर कुछ कार्य हुए हैं। खासकर वर्ष 2014 में राजस्थान सरकार ने ऊंट को राज्य पशु घोषित किया था और वर्ष 2015 में राज्य सरकार राजस्थान ऊंट (वध का प्रतिषेध और अस्थाई प्रजनन या निर्यात का विनियमन) अधिनियम लेकर आई, इसके तहत ऊंट के राज्य से बाहर निर्यात पर पाबंदी

लगी। हालांकि, बाद में एक सक्षम प्राधिकार को ऊंटों के राज्य से बाहर निर्यात के लिए परमिट जारी करने का अधिकार दे दिया गया। सच्चाई यह है कि परमिट पाना आसान प्रक्रिया नहीं है और इसमें लंबा समय लगता है। उत्तरी अफ्रीका और मध्य एशिया के ऊंटों को असली ऊंट माना जाता है। इनमें ड्रोमेडरी (एक कूबड़ वाला ऊंट) और बैक्ट्रियन (दो कूबड़ वाला ऊंट) हैं। भारत में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, हरियाणा में मुख्य रूप से ऊंट पाए जाते हैं, लेकिन राजस्थान में सर्वाधिक 2.14 लाख ऊंट हैं, जबकि देश भर में इनकी संख्या 2.50 लाख से कम हो गई है। वर्ष 2012-19 के बीच हुए एक सर्वे में पता चला था कि भारत में ऊंटों की संख्या तेजी से कमी आई है। देश में यह डेढ़ लाख घटकर 2.52 लाख ही रह गए थे। वर्ष 2019-23 के बीच यह संख्या और घटी है। नागालैंड और मेघालय जैसे राज्यों में तो अधिकारिक रूप से ऊंट समाप्त हो चुके हैं। राजस्थान में ऊंट की गोमठ, नांचना, जैसलमेरी, मेवाड़ी, अलवरी, सिंधी, कच्छी और बीकानेरी प्रजाति पाई जाती हैं। राजस्थान के लोकदेवता पाबूजी को ऊंटों का देवता कहते हैं। गुजरात में तो समुद्र में तैरने वाले ऊंट भी मिलते हैं। यह कच्छ की खराई किस्म के ऊंट हैं, जो हर रोज समुद्र में विचरण करते हैं और समुद्री वनस्पति मैंग्रूव को खाते हैं। हालांकि, पिछले कुछ सालों में उद्योगों के विस्तार के कारण मैंग्रूव खत्म हो रहे हैं और खराई ऊंटों के लिए खाने की समस्या आ रही है। अब पूरे गुजरात में 4500 हजार से आसपास खराई ऊंट ही बचे हैं। ऊंटों को संरक्षण देने के कई प्रयास हो रहे हैं। भारत सरकार ने वर्ष 1984 में बीकानेर में उष्ट्र परियोजना निदेशालय की स्थापना की थी। वर्ष 1995 में इसे राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र में तब्दील कर दिया गया। राजस्थान सरकार ने वर्ष 2023 में उष्ट्र संरक्षण योजना के तहत टोडियों (ऊंट के बच्चे) के जन्म पर दो किश्तों में 10 हजार रुपए ऊंट पालक को बतौर प्रोत्साहन राशि देने प्रारंभ किया था। रेगिस्तान के जहाज की संख्या घटना वाकई चिंताजनक है। संयुक्त राष्ट्र ने तो ऊंट वर्ष घोषित कर दिया है, लेकिन भारत में भी ऊंटों को बचाए रखने के युद्ध स्तर पर प्रयास करने की अतिआवश्यकता है। ऐसा न हो कि कुछ वर्षों में ऊंट केवल किताबों के चित्रों में ही देखने को मिलें।

कुछ अलग

आध्यात्मिकता की ओर उन्मुख तिब्बत सिनेमा

हमारा पड़ोसी देश तिब्बत भी सिनेमा बनाता है, यह बात कई लोगों के लिए आश्चर्यचकित करने वाली है। यह सत्य है, तिब्बत में फिल्में बनती हैं और दूसरे देशों में रहने वाले तिब्बत के लोग भी फिल्म बनाते हैं। तिब्बती भाषा में भी फिल्में बनती हैं। ये फिल्में अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित होती हैं। हां, इनका विषय आम फिल्मों से तनिक हट कर होता है। चीन के जबरदस्ती अधिकृत करने के बाद तिब्बत के लोग, खासकर बौद्धिक लोग तिब्बत छोड़ने को बाध्य हुए। इनमें से कलाकार प्रवृति के कुछ लोगों की रुचि सिनेमा में थी। ये तिब्बत से बाहर रहते हुए, तिब्बत पर आंख रखते हुए फिल्म बनाने की दिशा में सक्रिय रहे। ये अपनी सभ्यता-संस्कृति से जुड़े लोग हैं। तिब्बत की राजनैतिक तथा भौगोलिक चुनौतियों का समाना करते हुए फिल्म बना रहे हैं और अपनी संस्कृति का अन्वेषण कर रहे हैं। संगीतज्ञ, पेंटर, लेखक अपना काम स्वयं कर सकते हैं, उन्हें अपने कार्य के प्रसार-प्रचार के लिए दूसरों पर निर्भर करना पड़ता है। फिल्म बनाने हेतु प्रारंभ से दूसरों की जरूरत होती है। फिल्म बनाना एक टीम वर्क है। इसके बनाने में बहुत खर्च आता है, अतः फाइनेंसर चाहिए होता है, फोटोग्राफर, एडीटर, डिस्ट्रिब्यूटर आदि की आवश्यकता होती है। कहने का मतलब है फिल्म को एक जटिल नेटवर्क चाहिए होता है। फिल्म को लेकर चीन का प्रशासन बहुत सख्त है, चीन में बनी फिल्मों पर भी सेंसरशिप की तलवार लटकती रहती है। तिब्बत उसका बहुत संवेदनशील इलाका है इसलिए स्वायत्त तिब्बत इलाके में बनने वाली फिल्मों के लिए चीनी प्रशासन के नियम और अधिक कठोर हैं। उन्हें विशेष अनुमति की आवश्यकता होती है। तिब्बत के फिल्म निर्देशकों केलिए यह एक बड़ी चुनौती है। तिब्बत के फिल्म निर्माताओं को राजनैतिक तथा सामाजिक दृष्टि से खासतौर पर सावधान रहना पड़ता है, फिर भी तिब्बत के लोग, जिसमें प्रवासी तिब्बती शामिल हैं, फिल्म बना रहे हैं। चीन अधिकृत तिब्बत में रहते हुए पेमा सिडेन तथा सोंथर गियाल फिल्में बना रहे हैं। सोंथर गियाल फिल्म निर्देशक तथा सिनेमाटोग्राफर हैं। अपनी पहली फिल्म 'द सन बीटेन पाथ' का लेखन एवं संपादन भी उन्होंने स्वयं किया है। उनकी यह रोड मूवी तिब्बत के मिथक को न दिखाते हुए हिमालय के इस भू-भाग की सपाट, वनस्पति विहीन प्रकृति को कैमरे से बखूबी पकड़ती है। फिल्म में एक युवा नीमा (येशे हार्दुक) बहुत परेशान है और पश्चाताप मुक्ति केलिए वह यात्रा पर जाते हुए एक वृद्ध (लो ची) से मिलता है। मगर वृद्ध का दोस्ती केलिए बढ़ा हाथ वह ठुकरा देता है। मगर इसके बहुत पहले 1957 तथा 1997 में एक ही शीर्षक से दो फिल्में बनीं। इनका नाम है, 'सेवेन ईयर्स इन तिब्बत'। 1957 की फिल्म हैन्स निएटर ने बनाई थी। इस सवा घंटे की फिल्म में एक ऑस्ट्रियन पर्वातारोही हैनरिच हैरेर जाता तो हिमालय चढ़ने है मगर युद्ध बंदी बन जाता है। किसी तरह वह वहां से छूट निकलता है और तिब्बत के 14वें दलाई लामा से दोस्ती करता है। फिल्म में स्वयं हैनरिच हैरेर तथा दलाई लामा ने भूमिकाएं की हैं। 1997 की 'सेवेन ईयर्स इन तिब्बत' को जीन जेकब एनौड ने निर्देशित किया है और इस बायोपिक का लेखन स्वयं हैनरिच हैरेर ने बेकी जॉनसन के साथ मिल कर किया है। तीन पुरस्कार जीतने वाली इस फिल्म में हैनरिच हैरेर की भूमिका प्रसिद्ध अभिनेता बैड पिट ने की है। अपनी गर्भवती पत्नी को छोड़कर जब यह पर्वातारोही तिब्बत में है तभी चीन तिब्बत को हथियाता है। आया तो यह जुनूनी पर्वत चढ़ने है मगर फंस जाता है तिब्बत की हलचल भरी राजनीति में। वह युद्ध बंदी हो जाता है और वहां से किसी तरह निकलता है। इस फिल्म में पहली फिल्म से कई घटनाएं भिन्न हैं, शायद इसीलिए इसकी लंबाई (सवा दो घंटे) भी अधिक है।

देश दुनीया से

बजट में खेल विंग इस बार भी नहीं

बीते वर्ष में इस कॉलम के माध्यम से बार-बार उठाए गए बहुत से मुद्दों पर 2024 के बजट में स्कूली विद्यार्थियों की फिटनेस के लिए ड्रिल का पीरियड, नगद ईनामी राशि में खूब बढ़ोत्तरी के साथ-साथ खुराक व यात्रा भत्ते को दुगना करने पर हिमाचल सरकार को साधुवाद, मगर सरकार प्रतिभा व सुविधा के अनुसार राज्य के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में खेल विंग नहीं खोल पाई है। हिमाचल प्रदेश के कई महाविद्यालयों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा तैयार खड़ा यूं ही बेकार हो रहा है। खेल विंगों के लिए सरकार को न तो खेल ढांचा खड़ा करना पड़ता है और न ही नया छात्रावास बनाना पड़ता है। केवल खेल विशेष का प्रशिक्षक और खिलाडियों के लिए खुराक व रहने का प्रबंध करना होता है, जो आसानी से बहुत कम धन राशि खर्च करके हो सकता है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद काफी सुधरा है। स्कूली स्तर पर खेल छात्रावासों को आज से तीन दशक पहले शुरू कर दिया गया था। पपरोला का बास्केटबॉल खेल छात्रावास तत्कालीन भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षक जन्म चंद कटोच के प्रशिक्षण में काफी फला-फूला था। स्कूली स्तर पर एशियाई प्रतियोगिता में कई खिलाडियों ने शिरकत की थी। सुरेश व सुरजीत जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इसी प्रशिक्षण की देन हैं। हाकी में माजरा स्कूली खेल छात्रावास की लड़कियों ने पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल प्रदेश को पदक तालिका में स्थान दिलाया है। इन लड़कियों को एस्ट्रोटर्फ मिले तो यहां से और भी अच्छे परिणाम आ सकते हैं। माजरा छात्रावास को फीडिंग रख कर अच्छे खिलाडियों को एस्ट्रोटर्फ पर प्रशिक्षण के लिए ऊना में एक और नया स्कूल स्तर पर लडक़े व लड़कियों के लिए छात्रावास जल्द ही हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग को खोलना चाहिए। हिमाचल प्रदेश के स्कूली लडक़ों ने भी कुछ वर्ष पहले अंडर 17 वर्ष आयु वर्ग में हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक हासिल किया था। स्कूल स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिमाचल प्रदेश का प्रदर्शन सम्मानजनक खेल छात्रावासों के कारण रहता है। हिमाचल प्रदेश में स्कूली स्तर पर पपरोला में लडक़ों के लिए बास्केटबॉल, सुंदरनगर व नादौन में लडक़ों की हाकी, माजरा में लड़कियों के लिए हाकी में खेल छात्रावास चल रहे हैं। वालीबाल में स्कूली स्तर पर प्रशिक्षण का अच्छा प्रबंध है। मतियाणा व रोहडू में लडक़ों को तथा कोटखाई में लड़कियों के लिए खेल छात्रावासों को वर्षों पहले से शुरू किया गया है। रोहडू में फुटबॉल का भी खेल छात्रावास है। इन छात्रावासों में अच्छे प्रशिक्षकों के साथ-साथ खेल सुविधाओं में काफी सुधार की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में भारतीय खेल प्राधिकरण ने तीस वर्ष पहले शिलारू में विशेष खेल क्षेत्र योजना के अंतर्गत खेल छात्रावास शुरू किया था, जो राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे परिणाम देने के बावजूद बंद हो गया था। उसी समय बिलासपुर व धर्मशाला में भारतीय खेल प्राधिकरण ने खेल छात्रावासों की शुरुआत की और ये आज तक चल रहे हैं। बिलासपुर में साई के तत्कालीन वालीबाल प्रशिक्षक स्वर्गीय एनके शर्मा ने बंगाणा क्षेत्र के सुरजीत सहित कई अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को तराश कर भविष्य के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। कबड्डी में साई प्रशिक्षकों में नंदलाल ठाकुर व जयपाल चंदेल ने अपने-अपने कार्यकाल में अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया है। एथलेटिक्स में स्वर्गीय बलदेव सिंह, जीआर मेहता व स्वर्गीय सतीष कुमार ने यहां से अच्छे धावक व धाविकाओं को प्रशिक्षित कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर का सफर तय करवाया है। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी पदमश्री व अर्जुन अवार्ड से सम्मानित अजय ठाकुर व धावक अमन सैनी बिलासपुर साई खेल छात्रावास की देन हैं। धर्मशाला खेल छात्रावास से साई प्रशिक्षक मेहर चंद वर्मा ने कबड्डी में पूजा ठाकुर व कविता ठाकुर को एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता टीम का सदस्य बनने का सफर अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम से पूरा करवाया है। एथलीट प्रशिक्षक केहर सिंह पटियाल का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी काफी सफल रहा है। धाविका सीमा ने यूथ एशिया स्तर पर कांस्य पदक जीता तथा यूथ ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी बिलासपुर व ऊना में विभिन्न खेलों के लिए छात्रावास चलाए हैं।

खेल विंगों के लिए सरकार को न तो खेल ढांचा खड़ा करना पड़ता है और न ही नया छात्रावास बनाना पड़ता है। केवल खेल विशेष का प्रशिक्षक और खिलाडियों के लिए खुराक व रहने का प्रबंध करना होता है, जो आसानी से बहुत कम धन राशि खर्च करके हो सकता है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद काफी सुधरा है। स्कूली स्तर पर खेल छात्रावासों को आज से तीन दशक पहले शुरू कर दिया गया था। पपरोला का बास्केटबॉल खेल छात्रावास तत्कालीन भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षक जन्म चंद कटोच के प्रशिक्षण में काफी फला-फूला था। स्कूली स्तर पर एशियाई प्रतियोगिता में कई खिलाडियों ने शिरकत की थी। सुरेश व सुरजीत जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इसी प्रशिक्षण की देन हैं।

आप का नजरीया

आंदोलन या जंग के टकराव

यह किसान आंदोलन है अथवा किसी जंगी टकराव के दृश्य हैं? हरियाणा-पंजाब की सीमाओं पर, दोनों तरफ, जेसीबी और पोकलेन सरीखी बड़ी मशीनें तैनात की गई हैं। आखिर किसके विध्वंस की रणनीति है यह? ट्रैक्टरों को युद्ध के उपकरण के तौर पर मॉडिफाइड किया गया है। पत्थर जमा किए गए हैं। तलवारें चमक रही हैं। बोरियों में रेत-मिट्टी भर कर मोर्चेबंदी की गई है। आखिर किसान किसके खिलाफ जंग छेडऩे को लामबंद हो रहे हैं? सीमाओं पर 14,000 से अधिक किसान या कोई मुखौटाधारी क्यों मौजूद हैं? बातचीत तो किसानों के मु_ी भर नेता करते रहे हैं। जन-शक्ति का ऐसा प्रदर्शन किसके खिलाफ है? जिन ट्रैक्टरों को खेतों में होना चाहिए था, ऐसे 1200 से अधिक ट्रैक्टर शंभू बॉर्डर पर क्यों हैं? या कलेक्टर के दफ्तर में उनके जरिए किसान हमलावर क्यों है? आंदोलन के दौरान जन-शक्ति के तो मायने हैं, लेकिन बॉर्डर के करीब 300 से ज्यादा निजी कारें और मिनी बसें कहां घूमने को तैनात की गई हैं? इनसे खौफनाक तो यह है कि खनौरी बॉर्डर पर किसानों ने पराली में आग लगाई और उसमें लाल मिर्च का पाउडर डाल दिया, नतीजतन जहरीली हवा ने पुलिस कर्मियों को बेहोश कर दिया। पुलिस पर पथराव और लाठियों से भी प्रहार किए गए। हरियाणा पुलिस के मुताबिक, 12 पुलिस कर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बेशक कानून-व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस और सुरक्षा बलों को, किसानों की भीड़ छितराने के लिए, आंसू गैस के गोले दागने पड़े हैं। एक युवा किसान की मौत भी हुई है। यह आंकड़ा 3 किसानों और 3 सुरक्षा कर्मियों का बताया गया है। आंकड़ा अधिक भी हो सकता है। ऐसा संवाद का माहौल है अथवा कोई उपद्रव मचाया जा रहा है? क्या आक्रामक और हमलावर होकर भी, अपनी आजीविका से जुड़ी, मांगों को मनवाया जा सकता है? संविधान ने शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन और आंदोलन का अधिकार तो दिया है, लेकिन जंग के हालात पैदा करना, राजमार्गों पर सडक़बंदी थोप देना, आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर देना, आपराधिक हरकत है। किसान कोई अपवाद नहीं हैं। वे गरीब, कर्जदार हैं, तो करोड़ों भारतीय गरीबी-रेखा के तले जीने को अभिशप्त हैं। क्या वे भी हथियारबंद होकर सडक़ों पर उतर आएं और सरकार सुरक्षा बलों के जरिए सुरक्षा के बंदोबस्त भी न करे? एक दिन देश अराजकता की स्थिति में पहुंच जाएगा। यकीनन 60-65 करोड़ किसान देश के 'अन्नदाता' हैं, खाद्य सुरक्षा के बुनियादी सूत्रधार हैं, लेकिन वे देश के सिर पर सवार नहीं हो सकते। देश को मजबूर नहीं कर सकते। कानून-व्यवस्था को तितर-बितर नहीं कर सकते। बेशक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के कानून की मांग एक लंबे अंतराल से लटकी है, लेकिन कोई भी मंत्री या प्रधानमंत्री आंख मूंद कर यह मांग स्वीकार या लागू नहीं कर सकता। मौजूदा सरकार ने अपने 10-साला कार्यकाल के दौरान गेहूं का एमएसपी 51 फीसदी, धान का 66 फीसदी, चने का 64 फीसदी, तुअर का 87 फीसदी, मसूर का 103 फीसदी बढ़ाया है। हालांकि यह दीगर सवाल है कि सरकारी खरीद कितनी हो पाती है। केंद्र सरकार ने जुलाई, 2022 में एमएसपी पर विचार करने को एक विशेष समिति का गठन भी किया था। उसकी 37 बैठकें भी हुई हैं।

सांप के जहर को भी काट देता है ऊंट का आंसू, रिसर्च में चला पता, दुबई की सीवीआरएल में हो रहा शोध, जल्दी ही परिणाम आने की उम्मीद

दुबई ।
सांप के जहर को काटने में ऊंट का आंसू बहुत करामाती सिद्ध हुआ है। यह खुलासा एक रिसर्च में किया गया है। जानकारी में आया है कि इससे सांप के जहर को तोड़ने वाली दवा तैयार की जाती है। रिसर्च कहती हैं कि ऊंट के आंसू में जो रसायन होते हैं, उससे जहरीले से जहरीले सांप के जहर को खत्म किया जा सकता है। रिसर्च में बताई जानकारी के अनुसार ऊंट का आंसू सांप के खतरनाक जहर की काट कें रुप में उपलब्ध हुआ है, जो आने वाले समय लोगों की जिंदगियां बचाने में बहुत काम आने वाला है। दुनियाभर में करीब सवा लाख लोग हर साल सांप के काटने से मर जाते हैं। सांप अगर खासा जहरीला हो तो उसका काटा कोई शख्स बच नहीं पाता। ऐसे में अगर कोई रिसर्च ये बताए कि ऊंट का आंसू सांप के जहर से लड़ने में काम आए तो इससे अच्छी बात क्या हो सकती है। दुबई कि सेट्रल वेटेनरी रिसर्च लैबोरेटरी (सीवीआरएल) ने एक रिसर्च के बाद यह दावा किया है। जिसमें बताया कि ऊंट के आंसू का इस्तेमाल करके सांप के जहर की काट तैयार की जा सकती है। हालांकि दुबई की इस लैब की ये रिसर्च कई साल पहले हुई लेकिन फंड की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ी। लेकिन अब सीवीआरएल को उम्मीद है कि धन की व्यवस्था होते ही उनका प्रोजेक्ट आगे बढ़ सकेगा।

रिसर्च केंद्र के प्रमुख डॉक्टर वार्नेरी ने बताया कि इसमें कोई शक नहीं कि ऊंट के आंसू में जो एंटीडोट्स होते हैं, उससे सबसे प्रभावकारी ऐसी दवा बनेगी जो सांप के जहर का सबसे असरदार तरीके से काट कर सकती है। दुनिया में घोड़ों और भेड़ों के जरिए भी सांप के जहर को काट करने वाली दवा बनाई जाती है। जबकि ऊंट के आंसुओं में कई तरह के प्रोटीन्स पाए जाते हैं। ये उसे इन्फेक्शन से भी बचाते हैं। ये आंसू इतना चमत्कारिक है कि इनसे सांप के जहर को खत्म करने उसकी काट तैयार की जा रही है। हालांकि अमेरिका, भारत और कई देशों में ऊंट के आंसुओं पर रिसर्च चल रही है।

रिसर्च करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है ऊंट के आंसू से सांप के जहर का एंटीडोट तैयार किया जा सकता है। माना जा रहा है कि दुनिया के सबसे जहरीले सांपों की काट इसके आंसू से बनाई जा रही है। उनसे मनुष्यों के आंखों की भी कई तरह की बीमारियों का इलाज खोजा जा रहा है। हालांकि ऊंट के दूध की खूब मांग है, ये ना केवल खासा महंगा बिकता है बल्कि फायदेमंद भी है। ऊंट के आंसुओं में लाइसोजाइम्स होते हैं जो बैक्टीरिया, वायरसों और कीड़ों को रोकते हैं। अब लेकिन सांप के जहर को उतारने के लिए भी आंसू काम में आएगा।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव की तारीख का एलान, आसिफ अली जरदारी रेस में सबसे आगे

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में हुए आम चुनाव में धांधली के आरोप लग रहे हैं। इन आरोपों से बेखबर पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने राष्ट्रपति चुनाव कराने की तैयारी कर ली है। चुनाव आयोग ने 9 मार्च को राष्ट्रपति चुनाव कराने का एलान कर दिया है। पाकिस्तान के उच्च सदन सीनेट से आधे सदस्य अपना छह साल का कार्यकाल पूरा कर जल्द ही रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में सीनेटर्स के रिटायरमेंट से दो दिन पहले 9 मार्च को राष्ट्रपति पद का चुनाव कराया जाएगा। आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति पद की रेस में सबसे आगे पाकिस्तान का राष्ट्रपति बनने की रेस में पीपीपी नेता आसिफ अली जरदारी सबसे आगे हैं। पीपीपी के एक नेता ने बताया कि मौजूदा सीनेटर्स राष्ट्रपति का चुनाव करेंगे। नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन के नेतृत्व में छह पार्टियां आसिफ अली जरदारी को समर्थन दे रहे हैं। जरदारी इससे पहले भी पाकिस्तान के राष्ट्रपति रह चुके हैं और साल 2008 से 2013 के बीच पाकिस्तान के राष्ट्रपति के रूप में काम कर चुके हैं। पाकिस्तान में बीती 8 फरवरी को आम चुनाव हुए थे, जिसमें किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई को सबसे ज्यादा 93 सीटें मिलीं थी। वहीं पीएमएल-एन को 75 और पीपीपी को 54 सीटों पर जीत मिली थी। आरिफ अल्वी का बीते साल सितंबर में ही समाप्त हो चुका है कार्यकाल पाकिस्तान में सीनेट के चुनाव भी मार्च के पहले हफ्ते में होने थे, लेकिन आम चुनाव में देरी की वजह से अब ये मार्च के अंतिम सप्ताह में या फिर अप्रैल में होंगे। यही वजह है कि पुराने सीनेटर्स ही अब राष्ट्रपति का चुनाव करेंगे। पाकिस्तान के मौजूदा राष्ट्रपति आरिफ अल्वी का कार्यकाल बीते साल सितंबर में ही पूरा हो गया था, लेकिन नए राष्ट्रपति के चुनाव तक उनके कार्यकाल को विस्तार दिया गया है। डॉ. आरिफ अल्वी पाकिस्तान के लोकतांत्रिक रूप से चुने चौथे राष्ट्रपति हैं, जो अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। अल्वी से पहले चौधरी फजल इलाही, आसिफ अली जरदारी, ममनून हुसैन भी अपना कार्यकाल पूरा चुके हैं।

हारलेम के एक अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, खुद को बचाने को खिड़की से कूदे लोग; 27 साल के भारतीय की भी मौत

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क से एक बड़ी दुखद जानकारी सामने आई है। हारलेम में स्थित एक अपार्टमेंट में भीषण आग लगने से 27 साल के एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। बता दें, मृतक की पहचान फाजिल खान के रूप में हुई है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास लगातार खान के दोस्तों और परिवार के संपर्क में है। हर संभव सहायता कर रहे न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा, न्यूयॉर्क के हारलेम में आग लगने की घटना में 27 वर्षीय फाजिल खान की मौत के बारे में जानकर दुख हुआ। हम लगातार खान के परिवार और दोस्तों के संपर्क में है। साथ ही, उनके पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए हर संभव सहायता कर रहे हैं। न्यूयॉर्क के अग्निशमन विभाग के अनुसार, सेंट निकोलस प्लेस अपार्टमेंट बिल्डिंग में लिथियम-आयन बैटरी की वजह से शुक्रवार को भीषण आग लग गई। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, घटना में 17 अन्य घायल हुए हैं। आग से बचने के लिए लोगों ने रस्सी का सहारा लिया। आंखों देखी घटना एंजी रैचफोर्ड नामक शख्स ने बताया, आग सबसे ऊपर लगी थी। पुलिस लोगों के साथ नीचे आ रही थी। लोग खुद को बचाने के लिए खिड़की से बाहर कूद रहे थे। अपने पिता के साथ आग से बचने वाले एक निवासी अकील जोन्स ने कहा, मेरे पास क्या है कुछ नहीं। बस मेरा फोन, मेरी चाबियां और मेरे पिता। कूदने को मजबूर होना पड़ा सेंट निकोलस प्लेस अपार्टमेंट बिल्डिंग के निवासियों को अपनी जान बचाने के लिए कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा।

रूस पर लगाए अमेरिकी प्रतिबंधों से अर्थव्यवस्था पर खतरे की आशंका, पाबंदियों पर रूस बोला-असर नहीं पड़ेगा

वाशिंगटन/मॉस्को । रूस द्वारा छेड़े गए यूक्रेन युद्ध की दूसरी वर्षगांठ पर अमेरिका ने अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 200 पन्नों की सूची जारी करते हुए 500 प्रतिबंध लगाए हैं। इनकी वजह रूस का यूक्रेन पर हमला और विपक्षी नेता नवलनी की मौत हैं। प्रतिबंधों से विश्व अर्थव्यवस्था पर खतरे की आशंका जताई गई है, जबकि रूस ने कहा, उस पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। वाशिंगटन में रूसी राजदूत अनातोली एंतोनोव ने कहा, ये अवैध प्रतिबंध रूसी संघ के आंतरिक मामलों में दखल का एक और बेशर्म व निंदनीय प्रयास है।

आज होगा पाकिस्तान के पंजाब के सीएम का चुनाव, पूर्व पीएम शरीफ की बेटी पर टिकी हैं सबकी निगाहें

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनेंगी। वह आज सीएम के रूप में निर्वाचित होने जा रही हैं। शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने पंजाब विधानसभा में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर दोनों पद हासिल कर लिए हैं। पंजाब विधानसभा के सचिव आमेर हबीब ने कहा, पंजाब के मुख्यमंत्री का चुनाव होगा। उम्मीदवार रविवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं।

पहली महिला मुख्यमंत्री बनना तय

चूंकि, पाकिस्तान के इतिहास में पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम का पहली महिला मुख्यमंत्री बनना तय माना जा रहा है क्योंकि उनकी पार्टी के पास अब पंजाब विधानसभा में दो-तिहाई बहुमत है। इसलिए पद को अपने नाम करने में कोई समस्या नहीं आएगी। बता दें, मुख्यमंत्री पद के लिए चुनाव पीएमएल-एन की मरियम नवाज और पीटीआई समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के उम्मीदवार राणा आफताब अहमद के बीच होगा।

इन लोगों ने जमाई अपनी गद्दी

पंजाब विधानसभा के मैराथन सत्र में विधायकों ने गुप्त मतदान के जरिए पीएमएल-एन नेता मलिक अहमद खान को सदन का संरक्षक और जहीर इकबाल चन्नार को उपमुख्यमंत्री चुना। मलिक अहमद खान शरीफ के वफादार हैं, जिन्होंने पीटीआई समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के उम्मीदवार मलिक अहमद खान बछार को हराया था। पीएमएल-एन के उम्मीदवारों को उनके सहयोगियों, पीपीपी, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू (पीएमएल-क्यू) और इत्तेहकम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) का समर्थन भी मिला।

किस नेता को कितने वोट मिले

विधानसभा में डाले गए कुल 322 मतों में से मलिक अहमद खान को 224 मत मिले जबकि अहमद बछार को 96 मत मिले। दो वोट खारिज कर दिए गए। जहीर इकबाल को 220 वोट मिले और एसआईसी/पीटीआई के मोइन रियाज को 103 वोट मिले। सत्र के दौरान एसआईसी ने पीएमएल-एन पर उसके जनादेश को चुराने का आरोप लगाया। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव हुए थे। इस चुनाव में सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल ने एक भी सीट नहीं जीती थी। हालांकि, पिछले हफ्ते दोनों राजनीतिक दलों के बीच हुए समझौते के तहत पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार पार्टी में शामिल हो गए। वहीं, पाकिस्तान चुनाव आयोग ने अभी तक महिलाओं के लिए 24 और अल्पसंख्यकों के लिए तीन आरक्षित सीटें आवंटित नहीं की हैं।

पीटीआई ने बदला अपना उम्मीदवार

इस बीच पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने शनिवार को पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए उम्मीदवार का नाम बदल दिया था। पार्टी ने कहा था कि मौजूदा राजनीतिक तनाव को देखते हुए विचार-विमर्श के बाद उम्मीदवार बदलने का निर्णय लिया गया है। मियां असलम इकबाल की जगह अब राणा आफताब अहमद खान को पंजाब के मुख्यमंत्री के लिए पार्टी का नया उम्मीदवार घोषित किया है।

मैं अपनी जुबान की पक्की हूं, साउथ कैरोलाइना में हार के बाद निक्की हेली ने जानिए क्यों कही ये बात

वॉशिंगटन । साउथ कैरोलाइना में हुए प्राइमरी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने निक्की हेली को हरा दिया है। हार के बाद अपने समर्थकों से बात करते हुए निक्की हेली ने कहा कि वे हार से निराश हैं, लेकिन इसके बावजूद वह राष्ट्रपति पद की रेस से नहीं हटेंगी। निक्की हेली ने कहा कि मैं अपनी जुबान की पक्की हूं और पीछे नहीं हटूंगी। निक्की हेली ने कहा कि अगले 10 दिनों तक 21 राज्यों में चुनाव होंगे। उन्हें भी अपनी पसंद चुनने का अधिकार है। यह कोई सोवियत संघ का चुनाव नहीं है, जिसमें सिर्फ एक उम्मीदवार होता है। ये मेरा कर्तव्य है कि मैं उन्हें चुनाव का मौका दूं। निक्की हेली ने समर्थकों के प्रति जताया आभार निक्की हेली ने कहा कि उनका मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडन से नहीं जीत पाएंगे। साउथ कैरोलाइना की हार पर भारतीय मूल की निक्की हेली ने माना कि हार का अंतर ज्यादा रहा, लेकिन इसके बावजूद उन्हें 40 फीसदी मत मिले। हेली ने कहा कि 40 फीसदी कोई छोटा आंकड़ा नहीं है। हेली, ट्रंप से चार राज्यों में हार चुकी हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि अभी कई और राज्यों में चुनाव होने हैं। हेली ने ट्रंप को जीत की बधाई भी दी और उन्हें समर्थन देने वाले मतदाताओं के प्रति आभार भी जताया। साउथ कैरोलाइना निक्की हेली का गृह राज्य है और वे यहां से गवर्नर भी रह चुकी हैं। गृह राज्य में हार पर हेली ने कहा कि नतीजे क्या रहे, ये मायने नहीं रखता।

हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिका-यूके ने इन देशों के सहयोग से किया हमला, 18 ठिकानों को बनाया निशाना

वॉशिंगटन ।
अमेरिका और ब्रिटेन ने अन्य कई देशों के साथ मिलकर यमन में हूती विद्रोहियों के 18 ठिकानों पर हमले किए हैं। बता दें, हूती विद्रोही इजराइल हमास युद्ध के बाद से ही अमेरिकी ठिकानों और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट पर लाल सागर और अरब सागर में हमले कर रहे हैं।

इन देशों का मिला समर्थन

ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, कनाडा, डेनमार्क, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड के समर्थन से संयुक्त हमले किए गए।

इन जगहों को बनाया लक्ष्य

अमेरिका की मध्य कमान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा अमेरिका और ब्रिटेन के सशस्त्र बलों ने ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, कनाडा, डेनमार्क, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड के सहयोग से यमन के ईरानी समर्थित हूती विद्रोहियों के 18 ठिकानों पर हमला किया। सेना ने आगे बताया कि हूती के उन ठिकानों को लक्ष्य बनाया गया, जहां से वह अंतरराष्ट्रीय व्यापारी जहाजों और नौसैनिक जहाजों पर हमला करते थे। लापरवाह और गैरकानूनी हमलों को रोकना सेना ने बताया, जिन ठिकानों पर हमला किया गया उनमें हूती भूमिगत हथियार भंडारण सुविधाएं, मिसाइल भंडारण सुविधाएं, एकतरफा हमला मानव रहित हवाई प्रणाली, वायु रक्षा प्रणाली, रडार और एक हेलीकॉप्टर शामिल था। इन हमलों का उद्देश्य हूती क्षमता को कम करना और लाल सागर, बाब एआई-मंडेब जलडमरूमध्य और अदन की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक और अमेरिकी व ब्रिटेन के जहाजों पर उनके निरंतर लापरवाह और गैरकानूनी हमलों को रोकना है।

भागीदारों और सहयोगियों की रक्षा करना मकसद

अमेरिका के सैनिकों ने कहा, इस हमले का मकसद क्षेत्र में खुद को, हमारे भागीदारों और सहयोगियों की रक्षा करना है। लाल सागर और आसपास के जलमार्गों में अमेरिका और साझेदार बलों को धमकी देने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली हूती क्षमताओं को नष्ट करके नेविगेशन की स्वतंत्रता को बहाल करना है। ये हमले ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन के तहत किए गए नेविगेशन कार्यों की बहुराष्ट्रीय स्वतंत्रता से अलग हैं। बता दें, गाजा में हो रहे इजराइल हमलों से मध्यपूर्व बौखलाया हुआ है। मध्यपूर्व गाजा में हो रहे हमलों का कारण अमेरिका को मानता है।

राष्ट्रपति जो बाइडन की याददाश्त को लेकर फिर उठे गंभीर सवाल, शी जिनपिंग को बताया रूस का राष्ट्रपति

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को उनकी कमजोर याददाश्त और बढ़ती उम्र के चलते कई बार आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा है। अब एक बार फिर जो बाइडन गलती कर गए हैं। दरअसल एक कार्यक्रम में बोलते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को जो बाइडन ने रूस का राष्ट्रपति बता दिया।

क्या बोले जो बाइडन

जो बाइडन ने व्हाइट हाउस में नेशनल गवर्नर्स एसोसिएशन के वार्षिक कार्यक्रम के दौरान जिनपिंग को रूस का राष्ट्रपति बता दिया। हालांकि तुरंत ही उन्होंने खुद को सही किया और जिनपिंग को चीन का राष्ट्रपति बताया। बाइडन ने एक पुराना किस्सा साझा करते हुए कहा कि वह (बराक ओबामा) चाहते थे कि मैं शी जिनपिंग के बारे में जानकारी हासिल करूं क्योंकि ये साफ था कि वे (जिनपिंग) रूस के राष्ट्रपति बनने जा रहे थे, नहीं चीन के। उस वक्त हमारे रूस के साथ संबंध ठीक नहीं चल रहे थे, इसलिए ओबामा चाहते थे कि मैं उनके बारे में जानकारी हासिल करूं। मैंने देश में और चीन में उनके साथ करीब 17 हजार मील की यात्रा की। तिब्बत में उन्होंने (जिनपिंग) ने मुझसे पूछा कि क्या आप अमेरिका की मेरे लिए व्याख्या कर

सकते हैं इस पर मैंने उनकी तरफ देखा और कहा संभावनाएं।

जो बाइडन की कमजोर याददाश्त को लेकर उठ रहे सवाल

जो बाइडन पहले भी जिनपिंग के साथ 17 हजार मील लंबी यात्रा की बात कह चुके हैं। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में बाइडन के इन दावों को खारिज किया जा चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि बाइडन ने साल 2011 में चीन का दौरा किया था और वहां तीन दिनों तक रुके थे, लेकिन बाइडन के दावे को व्हाइट हाउस ने भी नकार दिया है। हाल के समय में जो बाइडन की कमजोर होती याददाश्त और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की खूब चर्चा हुई है। बाइडन ने बीते दिनों मिस्त्र को मैक्सिको बता दिया था। साथ ही फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां को फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति रहे फ्रैंकोइस मितरांद बता दिया था।

पूर्व पीएम का दावा-2008-09 में शांति का एतिहासिक अवसर था, लेकिन हमास के कारण सब बर्बाद हो गया

तेल अवीव ।
इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद ओलमर्ट ने इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच एक दावा किया है। पूर्व पीएम का कहना है कि 2008 के गाजा युद्धविराम के बाद इजरायल और फलस्तीन ने शांति का एक ऐतिहासिक अवसर गंवा दिया था। उन्होंने शांति स्थापति करने में मिली असफलता का कारण हमास के हमलों को बताया। गौरतलब है कि इजराइल और हमास के बीच सात अक्तूबर से युद्ध जारी है, जब हमास ने इजराइल पांच हजार से अधिक मिसाइलें दागीं थीं।

फर्स्टपोस्ट डिफेंस समिट- 2024 में शामिल हुए पूर्व पीएम ने कहा कि हमास के अनचाहे हमले के कारण हमने शांति का मौका गंवा दिया था। 2005 में मैं जब इजराइल का उप प्रधानमंत्री बना तो गाजा अलग था। हमने गाजा में एक सेंटीमीटर भी कब्जा नहीं किया। हम गाजा से बाहर निकल आए। लेकिन हमास ने हमारे निकलते ही इजराइली टाउनशिपों पर रॉकेट दागने शुरू कर दिए, जो अब भी जारी है। इसी वजह से इजराइल को जवाबी कार्रवाई करना पड़ा।

हमने दो राज्य समाधान का प्रस्ताव दिया था

ओलमर्ट ने आगे कहा कि 2008 और 2009 का

समय था, जब इजराइल और फलस्तीनियों के बीच संघर्ष खत्म हो सकता था। उस वक्त मैं प्रधानमंत्री था। मैंने शांति योजना के लिए फलस्तीनी प्राधिकरण के राष्ट्रपति महमूद अब्बास को दो राज्य समाधान का प्रस्ताव दिया था। इजराइल की ओर से आधिकारिक रूप से यह प्रस्ताव मैंने दिया था। दो राज्य समाधान में सीमाओं का बंटवारा 1967 के आधार पर था। प्रस्ताव में अरब की तरफ वाला यरूशलम फलस्तीन की राजधानी के रूप में प्रस्तावित थी। लेकिन फलस्तीनी प्रधिकरण प्रस्ताव को स्वीकार नहीं कर पाया। शरणार्थी मुद्दा भी सुलझाने के लिए प्रस्ताव था, जिसे अरब लीग ने स्वीकार कर लिया था। लेकिन इसे भी फलस्तीनी स्वीकार नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि इसी वजह से देखिए आज क्या हालात है। हम कैसे शांति बहाल करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओलमर्ट ने साफ किया कि वे इजराइली सरकार ने प्रवक्ता हैं और न ही इजराइली सरकार के समर्थक।

हार्ट पर मुक्का मारने से गई पुतिन विरोधी नवलनी की जान

मॉस्को ।
रुस की खुफिया एजेंसी केजीबी का मुक्का प्रमुख हथियार रहा है। कई बार एजेंसी पर आरोप लगते रहे हैं कि मुक्क मारकर दुश्मन को मौत के घाट उतार दिया जाता है। एक बार फिर मुक्का चर्चा में आ गया है। केजीबी पर आरोप लगे हैं कि राष्ट्रपति पुतिन के विरोधी एलेक्सी नवलनी की हत्या मुक्का मारकर की गई है। बता दें कि केजीबी का हिस्सा कभी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन भी रहे हैं।

मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि रूस के सबसे बड़े विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की दिल पर एक ही मुक्का मारकर जान ली गई। ऐसा दावा है कि यह रूस की खुफिया एजेंसी केजीबी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक पुरानी तकनीक है। केजीबी दुनिया में जासूसी इतिहास में सबसे खूंखार एजेंसी है। व्लादिमीर पुतिन के सबसे बड़े

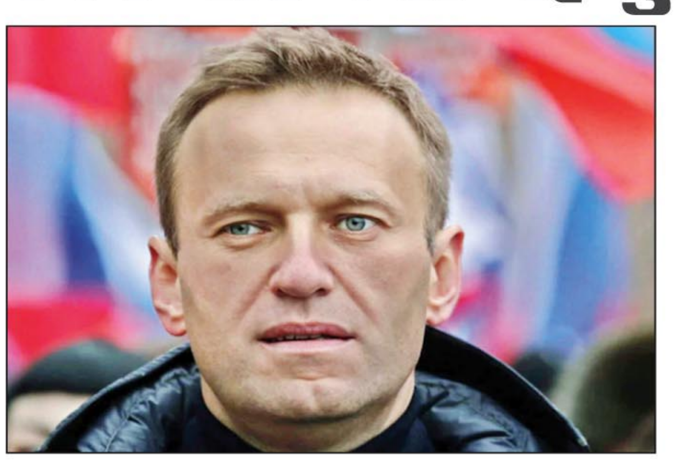

आलोचक और रूस में सबसे बड़े विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की एक सप्ताह पहले आर्कटिक दंड कॉलोनी में मृत्यु हो गई थी। रूस की तरफ से ऐसा बताया जरूर गया लेकिन, लोगों का मानना है कि नवलनी की मौत 16 फरवरी से पहले ही हो गई थी। यह बात इसलिए राज रखी गई ताकि जेल से सारे सबूत मिटा दिए जाएं। नवलनी 30 साल से अधिक समय से जेल की सजा काट रहे थे।

रूसी अधिकारियों के अनुसार, नवलनी उस दिन टहलने के बाद अचानक अस्वस्थ महसूस कर रहे थे। तुरंत ही होश खो बैठे। उन्होंने दावा किया, नवलनी को होश में लाने के लिए पूरे प्रयास किए गए लेकिन, वो सब प्रयास काम नहीं आए। इसके बाद एम्बुलेंस के डॉक्टरों ने नवलनी की मौत की पुष्टि की।वहीं नवलनी के परिवार और समर्थकों ने पुतिन पर उनकी हत्या कराने का आरोप लगाया है। मानवाधिकार समूह गुलगु.नेट के संस्थापक व्लादिमीर ओसेकिन ने एक स्त्रोत का हवाला देते हुए बताया, नवलनी की हत्या दिल पर मुक्का मारकर ली गई होगी। यह केजीबी के विशेष बल डिवीजनों की एक पुरानी पद्धति है। ओसेकिन ने कहा, उन्होंने ऐसा करने से पहले नवलनी को काफी प्रताड़ित किया होगा और उसे कमजोर करने की सारी कोशिशें की गई ताकि एक ही झटके में नवलनी को मार दिया जाए। ऐसा दावा है कि इसके लिए पहले नवलनी को जीरो डिग्री से नीचे तापमान में घंटो रखा गया होगा, खाना नहीं दिया गया। शरीर इतना कमजोर हो गया होगा कि एक झटके से दिल का दौरा आ जाए।

उधर, क्रेमलिन ने इन आरोप को खारिज कर दिया है। उधर, पुतिन, जिन्होंने अपने भाषणों में कभी नवलनी का उल्लेख नहीं किया, ने अभी तक उनकी मृत्यु पर कोई टिप्पणी नहीं की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, व्लादिमीर पुतिन के सबसे मुखर आलोचक के शरीर पर चोट के निशान थे। सूत्रों का कहना है कि जेल में मरने वालों के शवों को आमतौर पर सीधे विदेशी चिकित्सा ब्यूरो में ले जाया जाता है, लेकिन उनके शरीर को किसी कारण से अस्पताल में ले जाया गया। उन्होंने कहा कि उसके शरीर पर चोट के निशान उन निशानों से मिलते जुलते हैं जो दौरे के दौरान जान पड़ते हैं। केजीबी सोवियत रूस के इतिहास में सबसे खतरनाक सुरक्षा एजेंसी रही। इसे आधिकारिक तौर पर 3 दिसंबर, 1991 को भंग कर दिया गया था। बाद में इसे नया नाम एसवीआर दिया गया जो बाद में संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) बन गई। केजीबी के बारे में कहा जाता है कि यह दुनिया की सबसे खूंखार और खतरनाक खुफिया एजेंसी थी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्टालिन को अमेरिका समेत मित्र देशों की सेना की सभी हरकतें पता होती थी, यह सब केजीबी के मजबूत सुरक्षा तंत्र से मुमकिन था। ऐसा माना जाता था कि केजीबी के एजेंट दुनिया के हर कोने में किसी न किसी रूप में मौजूद हैं।

भाजपा से डरकर कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से किया है गठबंधन : बिप्लब देब

पलवल (हिंस)। हरियाणा भाजपा प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि भाजपा से डरकर कांग्रेस ने ऐसी पार्टी से गठबंधन कर लिया है जिसकी पूरी कैबिनेट जेल में बंद पड़ी है। उन्होंने कहा कि विनाशकाले विपरित बुद्धि, अब कांग्रेस के विनाश को कोई नहीं रोक सकता। बिप्लब देब रविवार को पलवल की अनाज मंडी में आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव गौरव गौतम ने किया था। भाजपा प्रभारी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समाज सुधारक बताया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश में व्यवस्था को पूरी तरह से बदला है और पूरे देश को तेज गति से विकास की राह पर लेकर चल रहे हैं। भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने कहा कि दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में भाजपा के सामने कांग्रेस की चुनाव लड़ने की हिम्मत ही नहीं रही, इसलिए अब उसने ऐसी पार्टी से हाथ मिला लिया है जिसके मंत्री भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद हैं। विपक्ष की दूसरी पार्टियों पर हमला बोलते हुए बिप्लब देब ने कहा कि कुछ पार्टियां बाबा साहब भीम राव अंबेडकर के नाम को वोट बटोरने के लिए इस्तेमाल कर रही है। बिप्लब कुमार देब कहा कि कांग्रेस काफी लंबे समय तक देश की सत्ता पर काबिज रही है, लेकिन देश के विकास और गरीबों के हितों के लिए कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का एजेंडा सिर्फ परिवार का विकास और भ्रष्टाचार करना रहा है। जबकि भाजपा का मुख्य लक्ष्य सत्ता के माध्यम से जनता की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि 10 सालों में मोदी सरकार ने विकास के इतने काम किए हैं कि कांग्रेस 55 साल में भी नहीं कर पाई। बिप्लब देब ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 10 सालों से देश की जनता की सेवा करते आ रहे हैं। मोदी सरकार ने गरीब लोगों को अनाज, हर घर नल से जल, गैस सिलेंडर और पक्के मकान दिए हैं। भाजपा सरकार में बिना भेदभाव विकास कार्य हो रहे हैं। युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि देश को विकसित करने और बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए एक बार फिर मोदी सरकार जरूरी है। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री मोहन लाल बडौली, भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव एवं महाराष्ट्र व मुंबई के प्रभारी गौरव गौतम, फरीदाबाद लोकसभा प्रभारी अरविंद यादव, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य एवं हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन के पूर्व सदस्य डॉ. हरेंद्र पाल राणा, भाजपा जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया, हरेंद्र रामरतन सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

मालगाड़ी स्टार्ट करके हैंड ब्रेक लगाना भूला चालक छह रेलवे स्टेशनों पर भी नहीं रोकी जा सकी ट्रेन

बगैर लोको पायलट पटरी पर दौड़ी मालगाड़ी मानवीय गलती का परिणाम

चंडीगढ़ (हिंस)। जम्मू-कश्मीर से बगैर चालक के पटरी पर दौड़ी मालगाड़ी को पंजाब के होशियारपुर में समय रहते रोक लिया गया लेकिन इस घटना के पीछे बड़ी मानवीय चूक सामने आई है। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांग ली है। रेलवे की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा करके जांच शुरू कर दी है। जम्मू-कश्मीर के कठुआ से मालगाड़ी (14806 आर) रविवार को बिना ड्राइवर और गार्ड के 70 किलोमीटर प्रति घंटा की तेज रफ्तार से ट्रैक पर दौड़ने लगी। ट्रेन ने 2 घंटे में लगभग 130 किलोमीटर की दूरी तय की। जम्मू के कठुआ से बेलगाम हुई ट्रेन को काफी मशक्कत के बाद रेल अधिकारियों ने पंजाब के होशियारपुर स्थित दसूहा की ऊंची बस्सी में लकड़ी के स्टॉपर लगाकर रोका। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कठुआ रेलवे स्टेशन पर ड्राइवर मालगाड़ी का इंजन स्टार्ट कर बिना हैंड ब्रेक लगाए नीचे उतर गया। पठानकोट की तरफ ढलान होने की वजह से मालगाड़ी चल पड़ी। रेलवे के अधिकारियों को जब मालगाड़ी के चलने का पता चला तो उसे कठुआ रेलवे स्टेशन पर रोकने की कोशिश की गई लेकिन वह सफल नहीं हुए। कुछ देर में मालगाड़ी ने रफ्तार पकड़ ली और ट्रेन 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पटरी पर आगे बढ़ी। घटना की सूचना मिलते ही कठुआ रेलवे स्टेशन के अधिकारियों ने तुरंत पंजाब के पठानकोट में सुजानपुर रेलवे स्टेशन के रेलवे अधिकारियों से संपर्क किया। वहां भी ट्रेन को रोकने की कोशिश की गई। रेलवे लाइन पर स्टॉपर लगाए गए। गाड़ी स्टॉपर तोड़ते हुए आगे बढ़ गई। इसके बाद मालगाड़ी को पठानकोट कैंट, कंडरोड़ी, मीरथल, बंगला और मुकेरियां में भी रोकने की कोशिश की गई। इस बीच गाड़ी की स्पीड कम होती चली गई। आखिर में होशियारपुर के ऊंची बस्सी रेलवे स्टेशन पर लगाए गए लकड़ी के स्टॉपर से मालगाड़ी रुक गई। जम्मू रेलवे डिवीजन ट्रैफिक मैनेजर ने बताया कि घटना का कारण जानने की कोशिश की जा रही है। एक टीम ने होशियारपुर का दौरा भी किया है। संभावित सुरक्षा चूक की पहचान करने के लिए मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हरियाणा सरकार ने प्रदेश में एमरजेंसी जैसा माहौल बनाया : लखविंद्र सिंह

सिरसा (हिंस)। अपनी जायज मांगों को लेकर किसान देशभर में शांतिपूर्वक तरीके से दिल्ली की ओर कूच कर रहे थे, लेकिन सरकार ने अपनी तानाशाही नीतियों से प्रदेश में एमरजेंसी जैसा माहौल बना दिया है। लिंक मार्गों को बंद कर सरकार ने आम जनता को त्राहि-त्राहि करने पर मजबूर कर दिया है। उक्त बातें बीकेई अध्यक्ष लखविंद्र सिंह औलख ने रविवार को मीडिया कर्मियों से मुखातिब होते हुए कही। औलख ने बताया कि किसानों ने अब तक बहुत धैर्य के साथ सरकार के अत्याचार का मुकाबला किया है और सरकार समर्थक मीडिया के माध्यम से उन्हें भड़काने के सरकार के प्रयासों को विफल कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमारा स्पष्ट संदेश है कि दिल्ली जाना हमारी जिद्द नहीं है और अगर सरकार हमारी सभी मांगों को स्वीकार करती है तो किसान अपने गांवों में लौट जाएंगे, लेकिन सरकार द्वारा हमारी मांगों को स्वीकार किए बिना दिल्ली मार्च को वापस नहीं लिया जा सकता है। सरकार लोकतंत्र को कमजोर कर रही है और उसके कार्यों को पूरी दुनिया देख रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस के गुंडों ने स्वास्थ कर्मियों के साथ-साथ मीडिया कर्मियों को भी नहीं बख्शा। एंबुलेंस में तोड़फोड़ की गई व स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मारपीट की गई। उन्होंने बताया कि 25 फरवरी को देश भर के किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए शंभू और खनौरी सीमाओं पर डब्ल्यूटीओ के खतरों पर एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 26 फरवरी को देश के सभी गांव डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) के पुतले जलाएंगे और उसी दिन दोपहर 3 बजे शंभू और खानौरी सीमा पर डब्ल्यूटीओ के बड़े-बड़े पुतले जलाए जाएंगे। इसी क्रम में 27 फरवरी को शंभू और खनौरी सीमाओं पर दोनों मंचों की बैठकें आयोजित की जाएंगी। 28 फरवरी को दोनों मंचों की एक संयुक्त बैठक होगी, जिसमें आंदोलन के आगामी प्रमुख कार्यों के बारे में महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा 29 फरवरी को की जाएगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के पशुपालकों को दी बड़ी सौगात

11.20 करोड़ की 70 मोबाइल पशुधन एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नारनौल (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को जिला महेंद्रगढ़ के गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में चल रही तीन दिवसीय 40वीं राज्य पशुधन प्रदर्शनी के दूसरे दिन प्रदेश के पशुपालकों को बड़ी सौगात दी। सीएम ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए 11.20 करोड़ रुपए की लागत की 70 मोबाइल पशुधन एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके लिए मुख्यमंत्री ने लैपटॉप का बटन दबाकर प्रदेश में पशु चिकित्सालय काल सेंटर 24×7 टोल फ्री नंबर 1962 का शुभारंभ किया। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जय प्रकाश दलाल भी मौजूद रहे। इन चिकित्सायुक्त मोबाईल वैन को कॉल सेंटर से जोड़ा गया है। जीपीएस युक्त इन मोबाईल वैन से पशु चिकित्सा सेवा की मॉनिटरिंग तथा परामर्श सुविधा प्रदान की जाएगी। योजना के तहत पशु पालकों को मुफ्त पशु चिकित्सा सुविधा के साथ ही पशु चिकित्सालय काल सेंटर के टोल फ्री नंबर 1962 पर परामर्श भी दिया जाएगा। इन वाहनों के माध्यम से बीमार पशुओं को घर-घर जाकर ट्रीटमेंट दिया जा सकेगा। अब प्रदेश का कोई भी पशुपालक अपने पशुओं के बीमार होने पर जल्द से जल्द चिकित्सा वाहन को अपने स्थान पर बुलवा सकेंगे और अपने पशुओं का समय पर इलाज करवा सकेंगे। इससे पशु संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले प्रदेश में ऐसी 20 मोबाइल पशुधन एंबुलेंस मौजूद थीं। अब इनका बेड़ा बढ़कर 90 हो गया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अंकुर गुप्ता, सांसद चौ धर्मबीर सिंह, अटेली के विधायक सीताराम यादव, पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो रामबिलास शर्मा के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

धर्मांतरणा का षड्यंत्र हम चलने नहीं देंगे

स्कूलों को नहीं बनने देंगे लव जिहाद का अड्डा : शिक्षा मंत्री

जोधपुर (हिंस)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि प्रदेश की स्कूलों को धर्मांतरण और लव जिहाद का अड्डा नहीं बनने देंगे। इसमें जो भी शामिल होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी। दिलावर रविवार सुबह सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात कर रहे थे। सर्किट हाउस में शिक्षा मंत्री दिलावर ने एक सवाल के जवाब में कोटा जिले के खजुरी गांव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां के स्कूल में हिंदू बालिका के धर्म के कॉलम में अध्यापकों ने मुस्लिम लिख दिया। उस विद्यालय में जबरदस्ती बच्चों को नमाज पढ़ाई जाती है। वहां धर्मांतरण का षड्यंत्र चल रहा था। ये तो हम चलने नहीं देंगे। किसी भी विद्यालय को धर्मांतरण, लव जिहाद का अड्डा नहीं बनने देंगे। जहां-जहां इस प्रकार के षड्यंत्र होंगे, जिसमें शिक्षक या विद्यार्थी जो भी होंगे उनके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों की प्रार्थना सभा में सूर्य नमस्कार को लेकर निर्देश दिए थे। इसके तहत रोजाना दस मिनट सूर्य नमस्कार प्रार्थना सभा के दौरान किया जाएगा। निर्देशों की अब समीक्षा बैठक भी की जाएगी। उन्होंने सभी अध्यापकों, अभिभावकों, स्कूल के विद्यार्थियों से नित्य सूर्य नमस्कार का आह्वान किया। इसके बाद वे मायलावास गुरुकुल के लिए रवाना हो गए।

लद्दाख में 3.0 की तीव्रता का भूकंप आया

लेह (हिंस)। रविवार को लद्दाख क्षेत्र में 3.0 की तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप में किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक रविवार सुबह 11:48 बजे रिक्टर स्केल पर 3.0 की तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की गहराई धरती से 5 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप की तीव्रता कम होने के चलते ज्यादातर लोगों को इस भूकंप की कंपन महसूस ही नहीं हुई।

सिनेमा, संस्कृति और स्वाद का संगम बना रहा तीन दिवसीय फिल्म फेस्टिवल

चंडीगढ़ (हिंस)। पांचवां अखिल भारतीय चित्र भारती फिल्म फेस्टिवल सही मायने में तीन दिन तक सिनेमा, संस्कृति और स्वाद का संगम बना रहा। तीन दिनों में 133 फिल्में चार विशेष थिएटरों में प्रदर्शित की गईं। इस दौरान ज्यूरी ने इनमें से 29 पुरस्कारों के लिए चयन किया। पंचकूला में हरियाणा टूरिज्म का कांप्लेक्स में फिल्मों की स्क्रिनिंग के साथ हरियाणवी गीत संगीत, खान पान, व्यंजनों के अलावा मूर्ति कला, कठपुतली शो, बाइस्कोप का भी आनंद लिया। ढोल मंजीरे, सामूहिक हरियाणवी लोक गायन करती महिला मंडली एवं बीन की धुन के साथ पूरा फेस्टिवल तीन दिन तक मस्ती में सराबोर रहा। दादा लख्मीचंद सभागार में हिमाचल पुलिस का बैंड हो या विनोद पनिहारी दमदार हरियाणवी प्रस्तुति सभी खास रहीं। इनमें मोहालीवासी छात्रा शिल्पा राय की लाइव मूर्ति बनाने की कला, लुधियाना वासी शिवानी गुप्ता की टैटू बनाने की कला और चंडीगढ़ की छात्रा नूर के लाइव स्कैच ने भी फेस्टिवल में आए लोगों को अपनी ओर खींचा। सभी में होड़ थी कि किसी तरह वह इनसे अपनी मूर्ति, स्कैच और बाजुओं पर मनपसंद टैटू तैयार तैयार करा लें। चंडीगढ़ सेक्टर 10 स्थित गवर्मेंट कालेज आफ आर्ट की अंतिम वर्ष की छात्रा शिल्पा राय ने बताया कि उन्हें यह कला विरासत में मिली है, लेकिन उनका परिवार मूल रूप से बंगाल का रहने वाला है और उनके पिता सुब्रोतो राय भी मोहाली में देवी देवताओं, महापुरुषों, जीव जंतुओं की मूर्तियां तैयार करते हैं। कालेज की अध्ययन यात्रा के दौरान नेशनल फिल्म फेस्टिवल के बीच अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलना मेरे लिए सौभाग्य का विषय रहा। तीन दिन फिल्म फेस्टिवल के दौरान उसने कई के मिट्टी मूर्ति तैयार की। शिल्पा ने बताया कि यह उसके लिए पहला मौका था, जब इतने बड़े प्लेटफार्म पर अपनी कला को प्रस्तुत किया। जिन लोगों के पुतले तैयार किए थे, उन्होंने उसका उत्साह भी बढ़ाया।

फतेहाबाद से राजस्थान सीमा व पंजाब सीमा की सड़क होगी चौड़ी, खर्च होंगे 185 करोड़

फतेहाबाद (हिंस)। विधायक दुड़ाराम ने रविवार को गांव भोडिया खेड़ा में 185 करोड़ 48 लाख रुपए की राशि से फतेहाबाद-राजस्थान सीमा व फतेहाबाद-पंजाब सीमा को जोड़ने वाली 65.51 किलोमीटर सड़क के चौड़ा व सुदृढ़ीकरण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश भी दिए। विधायक ने कहा कि फतेहाबाद से रामसरा-भादरा राजस्थान बॉर्डर व फतेहाबाद से रतिया-बुढ़लाडा पंजाब बॉर्डर तक 65.51 किलोमीटर सड़क को जोड़ने का काम किया जाएगा, जिससे फतेहाबाद सहित तीन राज्यों हरियाणा, पंजाब व राजस्थान में आवागमन सुगम होगा। इसके साथ ही नागरिकों के समय की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद, भट्टू, भादरा, रतिया तक काफी संख्या में नागरिकों का आवागमन रहता है। नागरिकों की मांग के अनुरूप प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल व सरकार ने इस कार्य के लिए मंजूरी दी। हरियाणा विधानसभा सत्र में भी उन्होंने कई बार फतेहाबाद से भूना, फतेहाबाद से भट्टू-रामसरा व भादरा तथा फतेहाबाद से ही रतिया-बुढ़लाडा सड़कों के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण के कार्य की पुरजोर आवाज उठाई। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दरियादिली दिखाते हुए सड़कों की मंजूरी दी। फतेहाबाद से भूना सड़क का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। रविवार से फतेहाबाद से राजस्थान व फतेहाबाद से पंजाब तक का कार्य शुरू हो गया है। इससे फतेहाबाद के नागरिकों को सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। विधायक ने कहा कि फतेहाबाद शहर में लाल बती से भोडिया खेड़ा-भट्टू तथा रतिया से फतेहाबाद तक फोरलेन सड़क का निर्माण होगा। इससे आगे की सड़क को सात मीटर से दस मीटर तक चौड़ीकरण किया जाएगा, जिससे आवागमन सुगम होगा और होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सकेगा। इस कार्य पर 185.48 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है, जिसमें से 127.20 करोड़ रुपए की राशि के टैंडर लग चुके हैं। विधायक दुड़ाराम ने कहा कि फतेहाबाद हलका के लगभग सभी गांवों में नई सड़कों का निर्माण, सड़कों के चौड़ा करने व सुदृढ़ीकरण कार्य पर करोड़ों रुपए खर्च की जा रही हैं। फतेहाबाद हलका के विभिन्न गांवों के 45 किलोमीटर लिंक रोड को जोड़ने और उनके सुदृढ़ीकरण के कार्य की स्वीकृति मिल चुकी है।

जयपुर एयरपोर्ट पर विदेशी नागरिक के पास मिला सैटेलाइट फोन

जयपुर (हिंस)। जयपुर एयरपोर्ट पर विदेशी नागरिक के पास सैटेलाइट फोन मिला है। इसके बाद औद्योगिक सुरक्षा बल(सीआईएसएफ) की टीम ने विदेशी नागरिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। लेकिन विदेशी नागरिक सैटेलाइट फोन को लेकर कोई सही जवाब नहीं दे पाया। इस पर सीआईएसएफ की टीम ने विदेशी नागरिक को एयरपोर्ट थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि जयपुर एयरपोर्ट से इंडिगो की फ्लाइट से इजिप्ट मूल का विदेशी नागरिक मुंबई जा रहा था। इस दौरान जयपुर एयरपोर्ट टर्मिनल के एंट्री गेट पर सिक्योरिटी जांच में विदेशी नागरिक के पास सैटेलाइट फोन मिला। जब केंद्रीय सीआईएसएफ की टीम ने विदेशी नागरिक से सैटेलाइट फोन को लेकर जानकारी मांगी। वह इसका सही जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद सीआईएसएफ की टीम ने एयरपोर्ट थाने में विदेशी नागरिक के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया है। फिलहाल एयरपोर्ट थाना पुलिस इजिप्ट मूल के विदेशी नागरिक से पूछताछ कर रही है।

प्राचीन गौरव गाथाओं से युवाओं का परिचित होना जरूरी : दुष्यंत चौटाला

पलवल (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्राचीन संस्कृति, रीति रिवाज के इतिहास का ज्ञान होना जरूरी है। पलवल क्षेत्र का इतिहास पहले से ही बहुत मजबूत रहा है। अंग्रेजी व मुगल हुकुमत के दौरान से ही सभी पाल आपसी भाईचारे की एकता और अखंडता का लोहा मनवाते आ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला रविवार को उपमंडल होडल के गांव करमन में नवनिर्मित श्री रघुनाथ मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर राम कथा वसंत समागम में आयोजित 52 पाल भंडारा (प्रसाद) हार्दिक अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पधारकर जन समूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने करमन निवासी दीपचंद समेत सभी पालों द्वारा भाईचारे को अखंड बनाने के उद्देश्य से मिलकर आयोजित किए गए इस कार्यक्रम के लिए सभी का आभार प्रकट किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, विधायक राजेश नागर, विधायक जगदीश नायर, पूर्व मंत्री हर्ष कुमार, पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल, पूर्व मंत्री विपुल गोयल, अरूण जेलदार, पूर्व विधायक केहर सिंह रावत, शीशपाल, मनोज रावत, जवाहर सिंह सौरोत, जजपा के जिलाध्यक्ष देवेंद्र सौरोत, सतीश डागर, अलग-अलग पालों की सरदारी और राजस्थान, हरियाणा व उत्तरप्रदेश से आए बुजुर्ग, युवा व मौजिज व्यक्ति मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज में एकता को बढावा मिलता है। ऐसे आयोजन समय-समय पर होते रहने चाहिए, जो युवा पीढी के लिए एकता की मिसाल बनें। उन्होंने सामाजिक तौर पर इस प्रकार के आयोजनों को और आगे बढ़ाने का आहवान किया। उन्होंने दीपचंद के द्वारा इस मंदिर के निर्माण पर उनका धन्यवाद किया। उनके द्वारा स्थापित की गई अपने माता-पिता की प्रतिमा से समाज के युवाओं को मातृ व पितृ प्रेम का निश्चित रूप से संदेश पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि समाज में एकता जरूरी है, ताकि लोग संगठित रहें।

पीएनबी बैंक के घायल कैशियर से मिल उपमुख्यमंत्री ने जानी कुशलक्षेम

जयपुर (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को मणिपाल अस्पताल पहुंचकर पीएनबी बैंक डकेती प्रयास को अपनी बहादुरी से विफल करने वाले एवम् इस दौरान गोलियां लगने से घायल हुए कैशियर नरेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। उन्होंने घायल कैशियर की हौसला अफजाई करते हुए उनकी बहादुरी एवं साहस की सराहना की। उन्होंने डॉक्टर्स से भी घायल कैशियर के स्वास्थ्य के संबंध में रिपोर्ट ली। उपमुख्यमंत्री ने इस दौरान घायल कैशियर नरेंद्र सिंह के परिवारजनों से भी मुलाकात की एवं उनकी हौसला अफजाई की। उन्होंने परिवारजनों से कहा की घायल नरेंद्र ने बहुत बड़ी बहादुरी का परिचय देते हुए डकैतों से मुकाबला किया है और बैंक डकैती को विफल किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की और से हर संभव मदद घायल नरेंद्र और उनके परिवार जनों को उपलब्ध करवाई जाएगी।

दक्षिण पश्चिमी कमान अलंकरण समारोह 2024 राजस्थान की धरती के वीरों को पांच सेना मेडल वीरता

जयपुर (हिंस)। दक्षिण पश्चिमी कमान अलंकरण समारोह डॉट ऑन टारगेट ऑडिटोरियम में पारंपरिक उत्साह और सैन्य भव्यता के साथ आयोजित किया गया। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार अलंकरण समारोह में दिए गए 10 सेना मेडल वीरता में से 5 सेना मेडल राजस्थान के अधिकारियों और अन्य रैंकों को प्रदान किए गए। दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने राजस्थान के मेजर विकास भांभू (मरणोपरांत), मेजर शुभम गौड़, मेजर अभिमन्यु रेप्पसवाल, मेजर पुष्पित शर्मा और ग्रेनेडियर अनिल कुमार को सेना मेडल वीरता से सम्मानित किया। मेजर विकास भांभू की पत्नी श्रीमती श्रेया ने कर्तव्य के प्रति सर्वोच्च बलिदान के लिए मेजर विकास भांभू (मरणोपरांत) की ओर से सेना मेडल वीरता प्राप्त किया। वीरता पुरस्कारों के अलावा बीकानेर के कर्नल महेंद्र सिंह को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आर्मी कमांडर ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनकी वीरता और विशिष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी रैंकों, पूर्व सैनिकों, नागरिकों और उनके परिवारों से राष्ट्र की सेवा में खुद को फिर से समर्पित करने का आग्रह किया। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने बाद में पुरस्कार विजेताओं और उनके परिवारों के साथ बातचीत की और भारतीय सेना की उच्चतम परंपराओं को बनाए रखने में उनके अमूल्य योगदान को स्वीकार किया।

जीडीपी आंकड़े और एफपीआई के रुख तय करेंगे बाजार की चाल, कच्चे तेल की कीमत और रुपए की चाल भी बाजार को प्रभावित करेगी

मुंबई।
बीते सप्ताह वैश्विक बाजार की तेजी से उत्साहित निवेशकों की लिवाली की वजह से लगभग एक फीसदी मजबूत रहे सेंसेक्स और निफ्टी की चाल इस सप्ताह चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), जीएसटी, आईआईपी और पीएमआई आंकड़े के साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख तय करेंगे।

कच्चे तेल की कीमत और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल भी घरेलू शेयर बाजार को प्रभावित करेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 716.16 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 73142.80 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 172 अंक उछलकर 22212.80 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह वित्त वर्ष 2023-24 की दिसंबर में समाप्त हुई तीसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़े आने वाले हैं। साथ ही वस्तु एवं सेवा कर, औद्योगिक उत्पादन के साथ ही विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े जारी होने वाले है। इन आंकड़ों का इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल निर्धारित करने में अहम भूमिका होगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि हाल ही में एफपीआई की प्रवृत्ति की एक दिलचस्प विशेषता देखने को मिली कि अमेरिका में दस वर्ष के बांड यील्ड में तेजी के बावजूद एफपीआई इक्विटी का निवेश प्रवाह में कमी आई है। आम तौर पर जब अमेरिका में 10-वर्षीय बांड की यील्ड 4.15 प्रतिशत से ऊपर बढ़ जाती है तो एफपीआई भारी बिकवाली करते हैं लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। हालांकि डीआईआई, एचएनआई और खुदरा निवेशक अब प्रमुख निवेशक हैं और उनकी निरंतर खरीददारी बाजार को नए रिकॉर्ड तक पहुंचा रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

प्रवर्तन निदेशालय ने फेमा मामले में हीरानंदानी ग्रुप के प्रमोटर्स को भेजा समन, कल पेश होने के लिए कहा

मुंबई । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए हीरानंदानी समूह के प्रमोटर्स निरंजन हीरानंदानी और उनके बेटे दर्शन हीरानंदानी को 26 फरवरी को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हीरानंदानी को मुंबई में ईडी के कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। हालांकि, वह अपने किसी प्रतिनिधि के जरिए भी अपना जवाब देने का विकल्प चुन सकते हैं। दर्शन हीरानंदानील पिछले कई वर्षों से दुबई में रह रहे हैं। एजेंसी ने पिछले हफ्ते विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत हीरानंदानी समूह के मुंबई और आसपास के चार परिसरों की तलाशी ली थी। बताया जा रहा है कि एजेंसी कुछ विदेशी लेनदेन के अलावा ब्रिटिश वर्जिन आइसलैंड्स (बीवीआई) स्थित एक ट्रस्ट के लाभार्थियों की भी जांच कर रही है। जांच में ईडी का सहयोग करेंगे : हीरानंदानी समूह हीरानंदानी समूह ने कहा कि वह फेमा की तहत जांच में ईडी का सहयोग करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि ईडी की जांच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा के खिलाफ की जा रही फेमा की एक और जांच से जुड़ा नहीं है। मोइत्रा को पिछले साल दिसंबर में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। निशिकांत दुबे ने लगायाथा मोइत्रा पर यह आरोप भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया था कि मोइत्रा ने दर्शन हीरानंदानी के इशारे पर लोकसभा में सवाल पूछे। उन्होंने आरोप लगाया था कि उपहारों के बदले सवाल से मोइत्रा अदाणी समूह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बना रहीं थीं। भाजपा सांसद ने मोइत्रा पर पैसे के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का भी आरोप लगाया था। मोइत्रा ने आरोपों को खारिज किया हालांकि, मोइत्रा ने किसी भी गलत काम से इनका किया और दावा किया कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि उन्होंने अदाणी समूह के सौदों पर सवाल उठाए थे।

सबसे महंगी मोटरसाइकिल मैवरिक 440 लॉन्च

नई दिल्ली । महंगी बाइक्स बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने सबसे पावरफुल और सबसे महंगी मोटरसाइकिल मैवरिक 440 को लॉन्च किया है। हीरो मोटोकॉर्प ने इस बाइक की डिलीवरी 15 अप्रैल 2024 से शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने इस बाइक को 1.99 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया है और इस कीमत पर यह बाजार में उपलब्ध सबसे सस्ती 400सीसी की मोटरसाइकिल भी है। हार्ले डेविडसन एक्स440 की तरह, हीरो की इस बाइक में 440सीसी का सिंगल-सिलेंडर, बीएस-6, ई20 ऑयल-कूल्ड इंजन लगाया गया है, जो 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जुड़ा हुआ है। यह इंजन 27 बीएचपी का पावर आउटपुट और 38 एनएम का अधिकतम टॉर्क जेनरेट करता है। इस प्रीमियम बाइक में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, कनेक्टेड फीचर्स, स्मार्टफोन इंटीग्रेशन, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन सिस्टम और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे कई फीचर्स दिए गए हैं। बाइक में फुल एलईडी हेडलाइट, एलईडी डीआरएल और टर्न इंडिकेटर भी एलईडी में दिए गए हैं। हीरो मोटोकॉर्प और हार्ले-डेविडसन के बीच संयुक्त रूप से तैयार की गई मार्विक 440 मिडिलवेट बाइक का उत्पादन राजस्थान में हीरो मोटोकॉर्प की नीमराना प्लांट से किया जा रहा है। हीरो की यह बाइक मस्कुलर फ्यूल टैंक के साथ आकर्षक डिजाइन में पेश की गई है। कंपनी मैवरीक 440 की बुकिंग 5,000 रुपये में कर रही है। कम्पटीशन को देखें तो इसका मुकाबला हार्ले डेविडसन एक्स440, केटीएम 390 ड्यूक, होंडा सीबी 350, रॉयल एनफील्ड बुलेट, क्लासिक 350, ट्रायम्फ स्क्रैम्बलर, स्पीड 400 जैसी बाइक्स से है।

वॉरेन बफे ने बताए इन्वेस्टमेंट के 15 नियम

कहा - क्वांटिटी से ज्यादा क्वालिटी पर ध्यान दें, ये नियम आपके भी आ सकते हैं काम

नई दिल्ली।
दुनिया के सबसे बड़े इन्वेस्टर और बर्कशायर हैथवे के सीईओ वॉरेन बफे ने बर्कशायर हैथवे 2023 के शेयर होल्डर लेटर में अपने टाइम लैस इन्वेस्टमेंट प्रिंसिपल्स को बताया है। ये लेटर वॉरेन बफे ने अपने शेयर होल्डर्स के लिए जारी किया है।

इसमें इन्वेस्टमेंट के 15 प्रिंसिपल्स (नियम) बताए गए हैं। इसमें वॉरेन बफे कहते हैं कि जब दूसरे लालची हों तो भयभीत रहें, और जब दूसरे भयभीत हों तो लालची बनें। हम आपको बफे के इन 15 प्रिंसिपल्स के बारे में बता रहे हैं...

ये हैं वॉरेन बफे के 15 इन्वेस्टमेंट प्रिंसिपल्स

- धैर्य फल देता है: शेयर बाजार को धैर्यवान व्यक्ति तक पैसा पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है।
- लॉन्ग-टर्म थिंकिंग: हमारी पसंदीदा होल्डिंग अवधि हमेशा के लिए होनी चाहिए।
- क्वांटिटी से ज्यादा क्वालिटी पर ध्यान दें : एक सही कंपनी को अद्भुत कीमत पर खरीदने से बेहतर है कि एक अद्भुत कंपनी को सही कीमत पर खरीदा जाए।
- अपने निवेश को समझें: जोखिम यह न जानने से आता है कि आप क्या कर रहे हैं।
- बिजनेस में निवेश करें, टिकर्स में नहीं : जब हमारे पास अच्छे मैनेजमेंट के साथ एक अच्छी कंपनी में हिस्सेदारी हो तो हमें इसे बेचना नहीं चाहिए।
- अपनी क्षमता के दायरे में बने रहें: आपको हर कंपनी या यहां तक कि कई कंपनियों का विशेषज्ञ होने की जरूरत नहीं है। आपको सिर्फ अपनी क्षमता के हिसाब से कंपनियों का मूल्यांकन करने में सक्षम होने की जरूरत है।
- ऋण से सावधान रहें: जब आप उधार लेकर निवेश करते हैं और आपको फायदा होता है तो इस पर किसी का ध्यान नहीं जाता है। लेकिन जब नुकसान होने लगता है तो सभी का ध्यान इसी पर होता है। ये आपको परेशानी में डाल सकता है। इसीलिए उधार लेने से बचना चाहिए।
- ज्यादा डायवर्फिकेशन से बचें: पोर्टफोलियो को ज्यादा डायवर्ट करने की आवश्यकता केवल तभी होती है जब निवेशक यह नहीं समझते कि वे क्या कर रहे हैं।
- जब दूसरे लालची हों तो भयभीत रहें, और जब दूसरे भयभीत हों तो लालची बनें: जब दूसरे लालची हों तो हमें डरा हुआ रहना चाहिए। वहीं जब दूसरे डरे हुए हों तो हमें लालची होना चाहिए।
- आंतरिक मूल्य पर ध्यान दें: कीमत वह है जो आप चुकाते हैं। मूल्य वह है जो आपको मिलता है।
- बाजार के उतार-चढ़ाव पर ध्यान न दें: भगवान की तरह बाजार उन लोगों की मदद करता है जो अपनी मदद खुद करते हैं। लेकिन, भगवान के विपरीत, बाजार उन लोगों को माफ नहीं करता है जो नहीं जानते कि वे क्या करते हैं।
- बाजार को समय न दें: हम बाजार में सक्रिय रहने कि तुलना में शांत रहकर इससे ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।
- अपनी क्षमता के भीतर रहें: नियम नंबर 1: कभी पैसा न खोएं। नियम नंबर 2: नियम नंबर 1 को कभी न भूलें।
- तर्कसंगत रहें: कम कीमतों का सबसे आम कारण निराशावाद है - हमें कंपनी या इंडस्ट्री के लिए कभी-कभी व्यापक नजरिया अपनाना चाहिए।
- विनम्र रहें और सीखते रहें: आपको हर स्थिति में विनम्र रहना चाहिए और हर स्टैप से कुछ न कुछ सीखना चाहिए।

दुनिया के 6वें सबसे अमीर आदमी हैं वॉरेन बफे

वॉरेन बफे दुनिया के 6वें सबसे अमीर आदमी हैं। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट के अनुसार उनकी नेटबर्थ 11.38 लाख करोड़ रुपए है। वहीं इस लिस्ट में फ्रांसीसी अरबपति और लुई वितॉ मोएट वहेनेसी के सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट 17.20 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ टॉप पर है।

भारत के बॉन्ड मार्केट पर बड़ा दांव लगा रहे एफपीआई, फरवरी में कितना किया निवेश

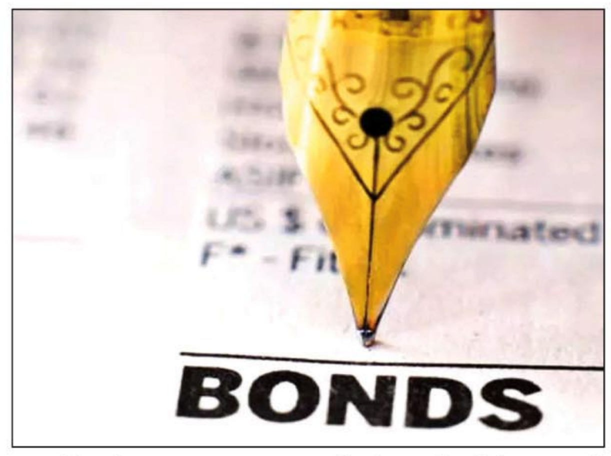

नई दिल्ली।
फॉरेन पोर्टफोलियो इनवेस्टर्स का भारत के कर्ज या बॉन्ड मार्केट में दिलचस्पी बनी हुई है। इसकी एक अहम वजह भारत सरकार के बॉन्ड को सबसे बड़े अमेरिकी बैंक जेपी मॉर्गन के इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में शामिल करने का फैसला है। अगर इस महीने या फरवरी की बात करें, तो एफपीआई ने भारत के बॉन्ड मार्केट में साढ़े 18 हजार करोड़ रुपये डाले हैं। वहीं, जनवरी में एफपीआई ने बॉन्ड बाजार में 19,836 करोड़ रुपये से अधिक लगाया था, जो पिछले 6 साल के दौरान किसी एक महीने में एफपीआई की ओर से सबसे ज्यादा निवेश है। सबसे अधिक निवेश का ओवरऑल रिकॉर्ड जून 2017 में बना था, जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने देश के बॉन्ड मार्केट में 25,685 करोड़ रुपये डाले थे। अगर 2024 के शुरुआती दो महीनों यानी जनवरी और फरवरी को मिलाकर देखें, तो बॉन्ड मार्केट में एफपीआई का कुल इनवेस्टमेंट 38,426 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। पिछले साल के आखिरी तीन महीनों की बात करें, तो एफपीआई ने दिसंबर में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये का इनवेस्टमेंट किया था। जेपी मॉर्गन ने पिछले साल सितंबर में ऐलान किया था कि वह जून 2024 से भारत सरकार के बॉन्ड को अपने बेंचमार्क इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में शामिल करेगा। यह एक ऐतिहासिक कदम था, जो अगले डेढ़ से दो साल के दौरान भारत में 20 से 40 अरब डॉलर का निवेश लाने में मदद करेगा। अगर निकासी के आंकड़ों पर गौर करें, तो इस महीने अब एफपीआई ने शेयर मार्केट से करीब 424 करोड़ रुपये निकाले हैं। हालांकि, यह जनवरी के मुकाबले काफी कम है, जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 25,743 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी। एफपीआई का मानना था कि भारत के शेयर मार्केट की वैल्यूएशन ऊंची है। साथ ही अमेरिका में बॉन्ड पर बढ़ती यील्ड में भी उन्हें ज्यादा लाभ दिखा। एफपीआई ने सबसे ज्यादा बिकवाली बैंकिंग स्टॉक्स में की है।

एक दशक में परिवारों का मासिक खर्च दोगुना से अधिक हुआ, एनएसएसओ के सर्वे में खुलासा

नई दिल्ली ।
राष्ट्रीय नमूना सर्वे कार्यालय (एनएसएसओ) के ताजा अध्ययन से पता चलता है कि देश में परिवारों का प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च 2011-12 की तुलना में 2022-23 में दोगुना से अधिक हो गया है। बता दें, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत एनएसएसओ ने अगस्त, 2022 से जुलाई, 2023 के दौरान परिवारों का उपभोग खर्च सर्वे (एचसीईएस) कराया था। इस सर्वे के निष्कर्ष केंद्र सरकार ने 24 फरवरी को जारी किए। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों के लिए घरेलू मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) और इसके वितरण का अलग-अलग अनुमान तैयार करना है।

मौजूदा कीमतों पर 2,630 से बढ़कर 6,459 रुपये हुआ खर्च - आंकड़े से पता चलता है कि पिछले दो दशक में ग्रामीण और शहरी परिवारों में औसत मासिक खर्च लगभग समान हो गया है। नए सर्वे के मुताबिक, मौजूदा कीमतों पर भारतीय घरों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति खर्च (एमपीसीई) 2011-12 के बाद से शहरी परिवारों में 2,630 से बढ़कर 6,459 रुपये, जबकि ग्रामीण

घरों में 1,430 से बढ़कर 3,773 रुपये तक पहुंच गया।

शहरी क्षेत्रों में औसत एमपीसीई - अध्ययन के अनुसार, 2011-12 की कीमतों पर शहरी क्षेत्रों में औसत एमपीसीई (बिना वैकल्पिक आंकड़ों के) 2011-12 के 2,630 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 3,510 रुपये हो गया है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में यह 1,430 रुपये से बढ़कर 2,008 रुपये हो गया है।

इससे पता चला कि शहरी क्षेत्रों में मौजूदा कीमतों पर औसत एमपीसीई (वैकल्पिक आंकड़ों के साथ) भी 2011-12 के 2,630 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 6,521 रुपये हो गया है। इसी तरह ग्रामीण इलाकों में यह 1,430 रुपये से बढ़कर 3,860 रुपये हो गया है।

डिजिटल इंडिया इकोसिस्टम को बड़ा बढ़ावा दे रहे हैं आधार व जनधन : इंस्टामोजो के सीईओ

नई दिल्ली।
आधार और जन धन योजना ने संपूर्ण डिजिटल इंडिया इकोसिस्टम को बढ़ावा दिया है। यह बात डी2सी (डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर) टेक कंपनी इंस्टामोजो के सह-संस्थापक और सीईओ संपद स्वैन ने कही।

स्वैन के अनुसार, तीन-चार वर्षों में तीन अलग-अलग अवसरों का सृजन हुआ।

सीईओ ने एक बातचीत के दौरान बताया जेएएम ट्रिनिटी (जन धन, आधार और मोबाइल)। दूसरा है किफायती ऋण की उपलब्धता, और तीसरा है सोशल मीडिया का उदय, जिसने छोटे व्यवसाय मालिकों को अपने उत्पाद व सेवाएं बेचने के लिए ग्राहकों तक पहुंचने में मदद की है।

इंस्टामोजो एक ऐसा मंच है, जो स्वतंत्र ई-कॉमर्स ब्रांडों और स्टार्टअप को ऑनलाइन स्टोर, लैंडिंग पेज और भुगतान समाधान के साथ शक्ति प्रदान करता है।

गौरतलब है कि कंपनी ने पिछले साल तब सुर्खियां बटोरीं जब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भुगतान बाजार में काम करने के लाइसेंस के लिए उसका आवेदन वापस कर दिया।

इस पर स्वैन ने कहा कि उनका आवेदन मामूली तकनीकी कारणों से वापस आ गया है और उन्हें आगे आकर दोबारा आवेदन करने का समय दिया गया है।

कंपनी को दोबारा आवेदन करने के लिए सितंबर तक का समय दिया गया है।

वर्तमान में, इंस्टामोजो के प्लेटफॉर्म पर तीन मिलियन से अधिक छोटे व्यवसायों के मालिक हैं। सीईओ ने बताया कि कंपनी अब मासिक आधार पर एक हजार व्यापारियों को जोड़ रही है।

उन्होंने आगे कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि 2024 पिछले साल की तुलना में समान या अधिक लाभदायक होगा।

जनवरी 2024 में बिकी मारुति बलेनो की 19,630 यूनिट्स, 2023 के मुकाबले 20 प्रतिशत अधिक रही बिक्री

नई दिल्ली ।
जनवरी 2024 में मारुति बलेनो 19,630 यूनिट्स के साथ सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। इसकी बिक्री जनवरी 2023 के मुकाबले 20 प्रतिशत अधिक रही। वहीं टाटा की पंच एसयूवी मारुति और हुंडई की सभी गाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए देश में दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गई।

टाटा की ये मिनी एसयूवी जनवरी में 17,978 यूनिट्स बिक गई है। वहीं पिछले साल इसी महीने यह एसयूवी 12,006 यूनिट्स बिकी थी। पंच एसयूवी की बिक्री में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हाल ही में कंपनी ने इसे सीएनजी वैरिएंट में सनरूफ के साथ लॉन्च किया है। सीएनजी के वजह से अब यह चलाने में किफायती हो गई है। टाटा की यह 5-सीटर एसयूवी 5-स्टार ग्लोबल एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग के साथ आती है। पंच की कीमत 6 लाख रुपये से शुरू होकर 9.52 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। इसमें 366 लीटर का बूटस्पेस मिलता है।

पंच बाजार में अपना दबदबा बना चुकी है लगातार ब्रेजा, बलेनो और डिजायर जैसी मारुति की टॉप सेलिंग कारों को टक्कर दे रही है। कॉम्पैक्ट साइज होने के बावजूद पंच में 5 लोगों के

बैठने के लिए पर्याप्त जगह मिलती है। इस कार में 366 लीटर का बूट स्पेस मिलता है। टाटा पंच अपनी बेहतरीन राइड क्वालिटी के लिए भी जानी जाती है। ऑटोमोबाइल के जानकरों के अनुसार यह कार अपनी कीमत के लिहाज से अपने सेगमेंट में सबसे बेहतर हाई स्पीड और हाईवे स्टेबिलिटी प्रदान करती है।

ऊबड़-खाबड़ रास्तों में कार के सस्पेंशन का परफॉर्मेंस काफी आरामदायक है, जबकि अधिक स्पीड में इनसे बेहतरीन स्टेबिलिटी मिलती है। टाटा पंच में कंपनी 1.2 लीटर 3 सिलेंडर पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल कर रही है। यह इंजन 88 बीएचपी की अधिकतम पॉवर और 115 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स के साथ 5-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है। टाटा पंच पेट्रोल में 20.09केएमपीएल और सीएनजी में 26.99केएम/केजी की माइलेज ऑफर करती है। फीचर्स की बात करें तो, पंच में 7-इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले, सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, ऑटो एयर कंडीशनिंग, ऑटोमैटिक हेडलाइट्स, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसमें सेफ्टी के लिहाज से डुअल फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर डिफॉगर्स, रियर पार्किंग सेंसर, रियर-व्यू कैमरा और इसोफिक्स एंकर जैसे फीचर्स मिलते हैं। टाटा पंच को ग्लोबल एनकैप क्रैश टेस्ट में 5-स्टार की सेफ्टी रेटिंग भी मिल चुकी है। बता दें कि देश में पिछले कुछ सालों से कारों की बिक्री लगातार अच्छी चल रही है। हैचबैक, कॉम्पैक्ट एसयूवी और एमपीवी समेत सभी तरह की कारों की बिक्री बढ़ी है।

सीईओ पद पर बने रहेंगे बायजू रवींद्रन, कर्मचारियों से कहा- मेरी बर्खास्तगी की अफवाहें गलत

नई दिल्ली । एडुटेक स्टार्टअप बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन ने कहा कि वह सीईओ बने रहेंगे और कंपनी के प्रबंधन में कोई बदलाव नहीं होगा। बायजू के निवेशकों की ओर से नेतृत्व में बदलाव के लिए वोटिंग करने के एक दिन बाद रवींद्रन ने कर्मचारियों को एक नोट लिखा और हुई ईजीएम को तमाशा करार दिया। उन्होंने कहा, मेरी बर्खास्तगी के संबंध में चल रही अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। बायजू के कर्मचारियों को लिखे नोट में रवींद्रन ने आरोप लगाया कि असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में कई जरूरी नियमों का उल्लंघन किया गया। इससे साफ है कि ईजीएम बैठक में जो भी निर्णय लिया गया, वह मायने नहीं रखता, क्योंकि यह कंपनी के स्थापित नियमों पर नहीं लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सभी के लिए उन मुद्दों को समझना महत्वपूर्ण है, जो इस ईजीएम को एक तमाशा बनाते हैं।

फैंस सनी देओल को लाहौर 1947 में देखने के लिए बेताब

–आमिर खान के प्रोडक्शन तले बनाया जा रहा फिल्म को

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सनी देओल को उनके फैंस अपकमिंग फिल्म लाहौर 1947 में देखने के लिए बेताब हैं। इसे आमिर खान के प्रोडक्शन तले बनाया जा रहा है। भले ही कैमरे के सामने नहीं लेकिन कैमरे के पीछे रहकर भी आमिर, सनी के साथ काम कर रहे हैं। अब तक फिल्म में सनी के अलावा प्रीति जिंटा और अभिमन्यु सिंह के स्टार कास्ट होने की जानकारी थी। अब एक और नाम इस लिस्ट में जुड़ने की खबर आ रही है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक अली फजल भी फिल्म का हिस्सा होंगे। वह फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार निभाएंगे। अली के बारे में तो सब जानते ही हैं कि वह कितने टैलेंटेड हैं। उन्होंने ना सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी अपना नाम कमाया है।अली ने अपने करियर में कई किरदार निभाए, लेकिन मिजार्पुर सीजन 1 और 2 से उनका गुड्डू भैया और फुकरे 3 से जफर भाई के किरदार को काफी पसंद किया गया

है। अब लाहौर 1947 से उनके जुड़ने की वजह से फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। उन्होंने कहा था, यह रीयूनियन है की टैलेंटेड लोगों का। मैंने आमिर के साथ फिल्म अंदाज अपना-अपना में काम किया था। इस बार वह बतौर प्रोड्यूसर साथ काम कर रहे। सनी के साथ मैंने घायल, दामिनी और घातक फिल्म की है। राजकुमार का कहना है कि यह बेस्ट ड्रीम टीम है।फिल्म लाहौर 1947 की बात करें तो राजकुमार संतोषी इसे निर्देशित कर रहे हैं और आमिर खान अपने प्रोडक्शन हाउस के तले इसे प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म में अभिमन्यु सिंह का नेगेटिव रोल होगा। कुछ दिनों पहले ही निर्देशक राजकुमार संतोषी ने ए आर रहमान और जावेद अख्तर के फिल्म से जुड़ने की अनाउंसमेंट भी की थी।

विवेक वासवानी के साथ 2 साल रहे हैं शाहरुख खान

– एक्टर के साथ सेक्शुअल रिलेशन पर भी प्रोड्यूसर ने दी सफाई

मुंबई (ईएमएस)। सुपर स्टार शाहरुख खान अपने स्ट्रगल के दिनों में प्रोड्यूसर विवेक वास्वानी के साथ उनके घर पर 2 साल रहे हैं। उस वक्त शाहरुख और विवेक के सेक्शुअल रिलेशनशिप की अफवाहें भी उड़ी थीं। विवेक ने इस मैटर पर भी बात की है। विवेक वासवानी शाहरुख खान की फिल्म राजू बन गया जेंटलमैन के प्रोड्यूसर थे। उन्होंने सिद्धार्थ कनन के इंटरव्यू में बताया कि शाहरुख के साथ पहले उन्होंने फिल्म बनाने का फैसला लिया था। बाद में दिल आशना है, दीवाना वगैरह साइन हुईं। हालांकि राजू बन गया जेंटलमैन बाद में रिलीज हुई थी। यह सब एक स्ट्रैटजी के तहत किया गया था ताकि शाहरुख को फिल्में मिल सकें। शाहरुख इससे पहले टीवी शो फौजी में काम करते थे। मां के निधन के बाद उन्होंने कहा कि उनको स्टार बनना है क्योंकि मां यह चाहती थीं। तब विवेक ने कई फिल्ममेकर्स से उनको मिलवाया। विवेक ने बताया कि शाहरुख से जान-पहचान होने के बाद दोनों एक बार महंगे थिएटर में फिल्म देखने गए। कोल्डड्रिंक पी, पॉपकॉर्न खाए। इन सबका पैसा विवेक ने दिया। इसके बाद शाहरुख ने उनसे वापस जाने के पैसे मांगे तो विवेक के पास पैसे नहीं बचे। विवेक ने शाहरुख से कहा कि वह उनके घर पर रुक जाएं फिर मां से पैसे लेकर वह सुबह अपने घर जा सकते हैं। शाहरुख उस रात उनके घर रुके, इसके बाद कभी वापस नहीं गए। विवेक ने बताया कि शाहरुख उनके साथ

ही रहने लगे थे। वह बस अपनी मां से मिलने दिल्ली जाते और अपडाउन करते रहे। उस वक्त उनकी मां काफी बीमार थीं। शाहरुख गौरी से शादी करने तक करीब 2 साल विवेक के साथ रहे। बाद में विवेक और शाहरुख के सेक्शुअल रिलेशनशिप की अफवाहें भी उड़ीं। सिद्धार्थ के शो पर विवेक इस पर बोले, टेंशन थी, करियर का स्ट्रेस था, उसे गौरी से शादी करनी थी, इन सबमें उनका रिलेशनशिप कहां से आ गया? दोनों के बीच दोस्ती का रिश्ता था। यह कुछ ऐसा था जिसके बारे में वे दोनों सोच भी नहीं सकते। विवेक ने कहा कि जब कोई सफलता की चोटी पर होता है तो लोग इस तरह की अफवाहें उड़ाते हैं। बता दें कि शाहरुख खान ने टीवी से अपने करियर की शुरूआत की और वह फिल्मों में कभी नहीं जाना चाहते थे। अपनी मां के निधन के बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखने का फैसला लिया। इस काम में उनकी मदद एक्टर-प्रोड्यूसर विवेक वासवानी ने की। विवेक ने ये सब बातें रीसेंटली एक इंटरव्यू में बताईं।

अरबाज खान का फैमिली डिनर, शूरा और बेटे अरहान खान के साथ वीडियो वायरल

बॉलीवुड अभिनेता अरबाज खान उनकी दूसरी शादी चर्चा में है। कुछ महीने पहले अरबाज ने मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान से दूसरी शादी की थी। कम उम्र की शौरा से शादी करने पर अरबाज को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। अरबाज अपनी पत्नी शूरा और बेटे अरहान के साथ डिनर पर गए। इस बार उन्हें स्पॉट किया गया। अरबाज ने शूरा और अरहान के साथ पैपराजी को पोज भी दिए। अरहान को डिनर के बाद गाड़ी चलाते हुए घर जाते देखा गया। तब सौतेली मां शूरा उनके पास बैठी थीं। अरबाज पीछे बैठे थे। इस वीडियो को पैपराजी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है। इस वीडियो पर नेटिजेंस ने कमेंट कर अरबाज को फिर से ट्रोल किया

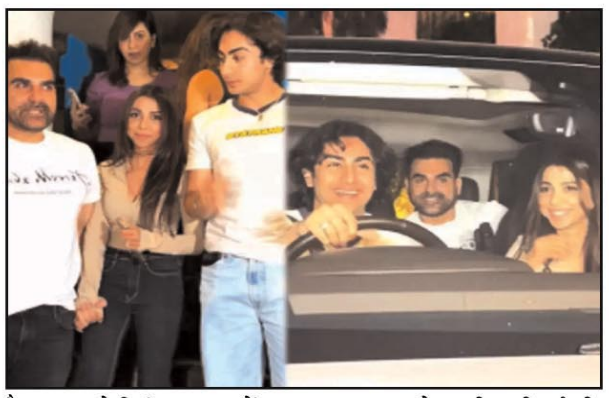

है। अरबाज ने दिसंबर, 2023 में शूरा खान से शादी की थी। शूरा अरबाज से 25 साल छोटी हैं। उनकी शादी में उनके परिवार और दोस्त शामिल हुए थे। 1998 में अरबाज मलायका अरोड़ा की शादी हुई थी। 19 साल बाद 2016 में उनका तलाक हो गया। उनका एक बेटा अरहान है। फिलहाल मलायका अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं।

काम पर लौटे मिथुन, कोलकाता में कर रहे शूट

मशहूर अभिनेता व राजनेता मिथुन चक्रवर्ती अब एकदम ठीक हैं। वे काम पर लौट आए हैं। मिथुन कोलकाता में फिल्म शास्त्री की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्ममेकर मधुर भंडारकर ने शास्त्री के सेट से मिथुन का वीडियो शेयर किया, जिसमें वे दुरुस्त दिख रहे हैं। हाल ही मिथुन को ब्रेन स्ट्रोक आया था, इसकारण उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। मिथुन को 12 फरवरी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। मधुर ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वह कहते हैं कि मैं कोलकाता में हूं और शास्त्री के सेट पर हूं। मैं यहां मिथुन दादा के साथ हूं। तभी मिथुन बोलते हैं कि इस आदमी को मैं बहुत छोटे से जानता हूं। मेरे घर में ये वीडियो

कैसेट लेकर आता था। बीवी फोन करती थी कि मधुर ये कैसेट चाहिए, लेकर आजा। अब देखिए, ये आदमी आज 5 बार नेशनल अवार्ड विनर है। ये तभी होता है, जब सपना सच हो। मैं हर बार बोलता हूं कि सपना सच होना चाहिए। मेहनत और ये सब आएगा। लेकिन सपना सच होना चाहिए।

ससुराल में रकुल प्रीत सिंह ने बनाई पहली डिश, इंस्टाग्राम पर बदली प्रोफाइल पिक्चर

नवविवाहित अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी गोवा से मुंबई लौट आए हैं और रकुल ने अपनी ससुराल में पहली डिश बनाई है। उन्होंने इस खाने की फोटो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में पोस्ट की है। रकुल ने शादी के बाद अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पिक्चर भी बदल दी है। उन्होंने अब अपनी प्रोफाइल पर जैकी के साथ शादी समारोह की फोटो लगा रखी है। शादी के बाद बहू अपने परिवार के लिए सबसे पहले कुछ मीठा बनाती है। रकुल ने भी इस परंपरा को निभाकर ससुराल वालों के लिए मिठाई बनाई है। रकुल इस रस्म को चौका चढ़ाना कहती हैं। शादी के बाद की सभी रस्में अब निभाई जा रही हैं।

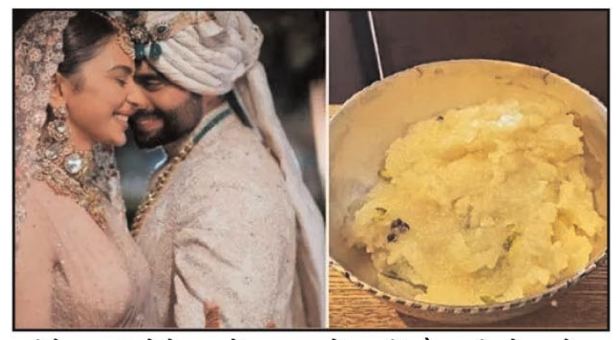

उसी के एक हिस्से के रूप में रकुल ने जैकी के लिए शिरा बनाई। कुल मिलाकर रकुल-जैकी की जिंदगी अब शुरू हो चुकी है। शादी के बाद रकुल और जैकी ने अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं और सभी को अपने नए सफर के बारे में बताया। बेशक, उनकी शादी और अफेयर की चर्चाएं महीनों से चल रही थीं लेकिन दोनों ने कभी आधिकारिक घोषणा नहीं की थी।

लॉकडाउन के समय रास्ते में फंसी बारात की कहानी है 'कुसुम का बियाह'

कोरोना महामारी और लॉक डाउन के बैकग्राउंड पर बनी निर्देशक शुवेंदु राज घोष की फिल्म ह्यकुसुम का बियाहह्न काफी रियलिस्टिक है। एक सच्ची घटना पर बनी इस फिल्म की कहानी में दिलचस्पी भी है, दर्द है, कॉमिक क्षण भी हैं। इस शुक्रवार एक मार्च को बड़े पर्दे पर रिलीज हो रही कुसुम का बियाह के बारे में आइए जानते है कैसी है यह फिल्म। कोरोनाकाल में लॉकडाउन के समय कई परिवार बुरी तरह फंस गए थे। यह फिल्म बिहार से झारखंड जा रही एक बारात के रास्ते में फंस जाने की सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में लॉक डाउन के दौरान दो राज्यों के बॉर्डर पर फंसी कुसुम की बारात को बड़े ही एंटरटेनिंग ढंग से दशार्या गया है। बहुत सारी परेशानी के बाद फिल्म के नायक सुनील की शादी तय होने पर परिवार के लोग बहुत खुश होते हैं लेकिन शादी के दिन अचानक देश भर में लॉक डाउन लग जाता है। अब ऐसे हालात में क्या होता है यही फिल्म का सार है। फिल्म के सभी कलाकारों ने प्रभावी अभिनय किया है। निर्देशक शुवेंदु राज घोष का काम भी सराहनीय है। ऐसी कहानी को पर्दे पर इन्होंने बखूबी पेश किया है। कई सीन जहां आंखों में नमी ले आते हैं तो कई बार

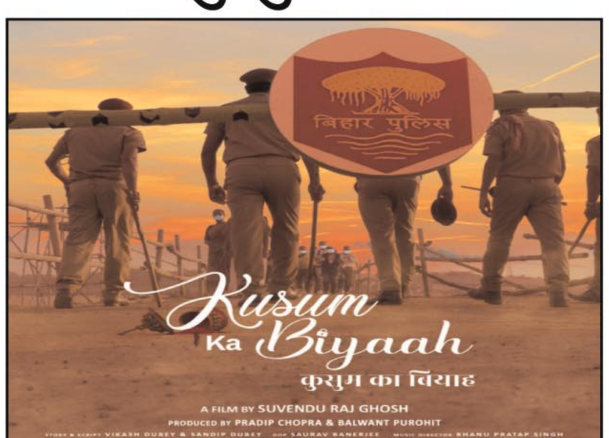

हंसी भी आ जाती है। निर्देशक ने फिल्म के जरिये दर्शकों को पूरी तरह बांध कर रखा है। फिल्म में कुसुम की भूमिका सिक्किम की सुजाना दार्जी ने बहुत ही रियल ढंग से निभाई है। लवकेश गर्ग ने कुसुम के पति के रोल में जान डाल दी है। निमार्ता प्रदीप चोपड़ा की भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके अभिनय में बहुत स्वाभाविकता है। एक गरीब परिवार के मुखिया के किरदार को उन्होंने पर्दे पर जीवंत कर दिया है। एक दृश्य में वह अपनी बहू को उनके कंगन बेचने से मना करते हैं, जो बहुत मार्मिक है। इनके अलावा राजा सरकार, सुहानी बिस्वास, पुण्य दर्शन गुप्ता, रोजी रॉय भी अहम किरदारों में दिखाई देते हैं। फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद लेखक विकाश दुबे और संदीप दुबे हैं, जबकि इसके गीतकार संगीतकार भानु प्रताप सिंह हैं। फिल्म के कार्यकारी निमार्ता चंदन साहू, डीओपी सौरव बनर्जी, एडिटर राज सिंह सिधू हैं। सीमित बजट और संसाधनों में भी कैसे एक अच्छी कहानी को पर्दे पर प्रस्तुत किया जा सकता है, इसके लिए आपको फिल्म कुसुम का बियाह देखना चाहिए।

वजन और मेटाबोलिक एज का खुलासा किया सामंथा ने

सोशल मीडिया पर अपने वजन और मेटाबोलिक एज का साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने खुलासा किया है। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की जिनमें वह समुद्र के किनारे वर्कआउट करते दिख रही हैं। उन्होंने एक फोटो शेयर करते हुए अपनी एक सबसे अच्छी सुबह की झलक शेयर की। साथ ही उन्होंने एक पेपर शेयर किया है जिसमें उनका वजन और मेटाबॉलिक रेट है। शेयर की गई फोटो से पता चलता है कि अभिनेत्री का वजन 50.1 किलोग्राम है। फैट परसेंटेज 24, फैट मास 12 किलोग्राम, मसल्स मास

35.9 किलोग्राम और मेटाबोलिक एज 23 है। कैप्शन में लिखा: सुबह के सूरज की तलाश में रहें, सबसे अच्छी सुबह। सामंथा अगली बार वरुण धवन के साथ सिटाडेल के भारतीय रीमेक में दिखाई देंगी। इसका निर्देशन राज एंड डीके और सीता आर. मेनन ने किया है।

नथिंग स्मार्टफोन का चेहरा होंगे रणवीर सिंह

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह को नथिंग स्मार्टफोन ने अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है। रणवीर अब नथिंग स्मार्टफोन का चेहरा होंगे और ब्रांड के आगामी अभियानों में नजर आएंगे। एक्टर ने कहा, स्मार्टफोन इंडस्ट्री में नथिंग की प्रतिबद्धता वास्तव में प्रेरणादायक है। मैं नथिंग के साथ इस सहयोग पर कुछ नया करने का इंतजार नहीं कर सकता। अभिनेता नथिंग फोन के लिए डिजिटल, प्रिंट और टीवीसी अभियानों में काम करेंगे। नथिंग के सह-संस्थापक अकीस इवेंजेलिडिस ने कहा, भारतीय बाजार में हमारी महत्वाकांक्षाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। यहां विनिर्माण स्थापित करने और देश भर में कई सेवा केंद्र खोलने के बाद यह साझेदारी हमारे ब्रांड को और आगे बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक अगला कदम है। नथिंग अपने आगामी स्मार्टफोन, फोन (2ए) को 5 मार्च को भारत में लॉन्च करने के लिए तैयार है।

इमरान ने अपने को-स्टार राजीव खंडेलवाल के बारे में की बात

अपकमिंग सीरीज शोटाइम में किरदार निभाने वाले अभिनेता इमरान हाशमी ने शो में अपने को-स्टार राजीव खंडेलवाल के बारे में खुलकर बात की। सीरीज शोटाइम में महिमा मकवाना, मौनी रॉय, श्रिया सरन, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इमरान ने कहा, राजीव ने वास्तव में सीरीज में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वह इसमें एक नामी स्टार की भूमिका निभा रहे हैं, जिनकी फ्लॉप फिल्में भी 100 करोड़ प्लस जैसी होती हैं। उन्होंने अपने जीवन में काफी संघर्ष देखा और वह अपने करियर के बुरे दौर से भी गुजरे। उन्होंने कहा, राजीव खंडेलवाल ने इस भूमिका को अहंकार से भरे व्यक्ति की तरह निभाया, मगर ऑफ कैमरा उनका कमजोर पक्ष देखा जा सकता है। वह कैमरे के हटते ही लोगों से अलग चले जाते हैं। वेब सीरीज शोटाइम के ट्रेलर को देखकर लगता है कि इसमें फिल्म इंडस्ट्री की सच्चाई देखने को मिलेगी। सुमित रॉय द्वारा निर्मित, शोटाइम 8 मार्च, 2024 से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आएगा।

किरण राव से तलाक पर 3 साल बाद पहली बार बोले आमिर खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक्टिंग के साथ-साथ उनकी निजी जिंदगी भी चर्चा में रहती है। रीना दत्ता के साथ तलाक लेने के बाद आमिर खान ने किरण राव से दूसरी शादी की। 2005 से साथ रह रहे इस कपल ने 2021 में अचानक अलग होने का फैसला लिया था। अब तलाक के 3 साल बाद आमिर ने पहली बार इस पर टिप्पणी की है। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में आमिर ने बताया कि तलाक के बाद उन्होंने किरण राव से कुछ सवाल पूछे थे। उन्होंने एक शाम किरण से कहा कि एक पति के रूप में मुझमें क्या कमी है? मैं क्या सुधार कर सकता हूं? मैं जीवन में आगे बढ़ते हुए इस बारे में जरूर सोचूंगा। आमिर खान ने आगे बताया कि किरण राव अपनी लिस्ट के साथ तैयार थीं। उसने मुझे बहुत सारी बातें बताईं। जैसे- आप बहुत बातें करते हैं...आप किसी को बात नहीं करने देते। आप अपना काम खुद करना चाहते हैं। आमिर इन दिनों किरण राव की फिल्म ह्यलापता लेडीजह्न का प्रमोशन कर रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म का निर्माण पक्ष संभाला है। आमिर खान की 1986 में रीना दत्ता से शादी हुई लेकिन किन्हीं कारणों से 2002 में उनका तलाक हो गया और वे अलग हो गए। उनके दो बच्चे हैं, आयरा और जुनैद। रीना से तलाक के बाद आमिर ने 2005 में किरण राव से दूसरी शादी की। पता चला कि 2021 में उनका तलाक हो गया।

सूडोकु नवताल- 6714

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6713 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्दजाल- 7461

म	अ	मु	श	सी	ज	ब	ज	ग	ल	ट
रा	ज	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	ड़
य	प	आ	हे	ज	दी	ना	अ	व	प	रू
इं	नौ	ब	का	ब	वा	स	त	ल	ट	प
प	ना	ह	प्या	र	तो	हो	स	ही	था	त
अ	न	क	प	र	स्व	ल	वी	ण	ई	व
द	नु	न	न	ट्रे	रू	डा	र	ज	व	र
क	र	कृ	प	क्श	प	का	र	चो	श	ख
र	व	त	ति	रा	हो	प	य	अ	रे	अ
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	प	द
क	ड	क	अ	ध	न	चि	त्र	ब	त	म

शब्दजाल में 'आकृति' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

बनावट, रूप, शक्ल, स्वरूप, आकार, अनुकृति, आरेख, चित्र, तसवीर, नाकनक्श

शब्दजाल - 7460 का हल

अ	ज	प	रे	दा	अ	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	अ	न	आ	नो	ग	द	इ	ह	वि
अ	व	नू	पू	ग	खा	थ	त	ग	क	ल
द्	जा	व	ते	र्व	ज	का	म	न	त	क्ष
भु	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	ण
त	द	म	नि	य	अ	पू	न	ला	र	नी
ती	जं	म	रा	हि	प	नु	श	र	ज	ल
क	ल	ग	ला	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	बा	फो	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	प	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
वि	शे	ष	त	त	ल	ज	र	वा	त	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6414

1	2	3		5		
	22		30		38	
		4		6	7	1
7	30		38		33	
3		5	6		1	2
	39	7	43	4	25	5
4	5					3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6413 का हल

1	3	6	7	5	2	4
5	32	3	40	1	28	7
4	3	7	5	6	1	2
3	35	2	37	7	32	6
7	4	5	2	3	6	1
2	30	1	28	4	29	5
6	1	4	7	2	5	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

यथिराज, प्रमोद और कृष्णा ने किया कमाल; पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

पटाया (थाईलैंड)।
भारत के सुहास यथिराज, प्रमोद भगत और कृष्णा नागर ने थाईलैंड के पटाया में पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। तीनों ने क्रमशः पुरुष एकल एसएल 4, एसएल 3 और एसएच 6 स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पैरालंपिक रजत पदक विजेता दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी यथिराज ने एसएल 4 फाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को 21-18 21-18 से हराकर अपना पहला विश्व खिताब जीता। कर्नाटक के यथिराज उत्तर प्रदेश कैडर के 2007 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने कहा, स्वर्ण पदक मिला, खुश हूं और विश्व चैंपियन बनकर गौरवांवित हूं। वह वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के सचिव और महानिदेशक हैं। चीन में पैरा एशियाई खेलों में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीतने वाले भगत ने एसएल 3 फाइनल में इंग्लैंड के डेनियल बेथेल को 14-21 21-15 21-14 से हराया।

भगत खिताब की हैट्रिक पूरी की

पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता 35 वर्षीय भगत ने इस प्रकार 2015 में स्टोक मैंडविले और 2019 में बासेल के बाद खिताब की हैट्रिक पूरी की। उन्होंने 2022 तोक्यो पैरालंपिक में भी स्वर्ण पदक जीता था। एसएच6 श्रेणी में पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर भी पुरुष एकल फाइनल में चीन के लिन नेली पर 22-20 22-20 से जीत हासिल कर चैंपियन बने।

मनीषा रामदास ने रजत जीता

महिला एकल एसयू5 में मनीषा रामदास ने फाइनल में चीन की यांग क्यू शिया के खिलाफ 16-21, 16-21 की शिकस्त से रजत पदक जीता। चिराग बरेठा और राज कुमार की पुरुष युगल जोड़ी तथा रचना शैलेशकुमार और निथ्या श्री सुमति सिवान की महिला युगल जोड़ी को क्रमशः एसयू5 और एसएच6 श्रेणियों में फाइनल में हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

दुबई चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में हारीं इगा स्वियातेक, क्वालिफायर खिलाड़ी कलिंस्काया ने किया उलटफेर

दुबई। क्वालिफायर खिलाड़ी अन्ना कलिंस्काया ने उलटफेर जीत हासिल करते हुए विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक को सीधे सेटों में हराकर दुबई चैंपियनशिप के फाइनल में जगही बनाई। स्वियातेक तीन बार की फ्रेंच ओपन और 2022 की यूएस ओपन विजेता भी हैं। 25 साल की कलिंस्काया ने सेमीफाइनल का यह मुकाबला एक घंटे 42 मिनट में 6-4, 6-4 से अपने नाम किया। स्वियेतक ने दो मैच प्वाइंट भी बचाए, लेकिन वह कलिंस्काया को जीत दर्ज करने से नहीं रोक पाईं। स्वियातेक की लगभग एक साल में सीधे सेटों में यह पहली हार है। रूस की खिलाड़ी कलिंस्काया ने अपने फाइनल तक के सफर में लगातार तीन मैचों में विश्व रैंकिंग में शीर्ष-10 में शामिल खिलाड़ियों को हराया। उन्होंने इससे पहले विश्व की नौवें नंबर की खिलाड़ी जेलेना ओस्टेपेंको, विश्व की तीसरे नंबर की अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ को शिकस्त दी थी। कलिंस्काया की स्वियातेक के खिलाफ यह पहली भिड़ंत थी। विश्व की 40वें नंबर की खिलाड़ी कलिंस्काया फाइनल में 26वें रैंकिंग की खिलाड़ी इटली की जैस्मीन पाओलिनी के खिलाफ खेलेंगी। कलिंस्काया ने कहा कि स्वियातेक के खिलाफ मुझे खेलने का मौका मिला और उन्हें हराकर खुश हूं। इससे पहले पाओलिनी ने अन्य सेमीफाइनल मुकाबले में सोआर्ना क्रिस्टी को 6-2, 7-6 (6) से हराकर फाइनल का टिकट कटाया था।

विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला खेल सकती है पाकिस्तान

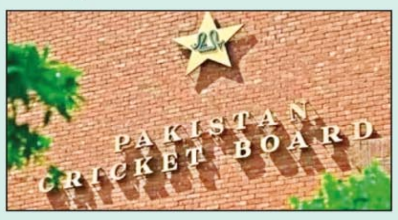

कराची। पाकिस्तान जून 2024 में होने वाले विश्व कप की तैयारी के सिलसिले में न्यूजीलैंड के खिलाफ अप्रैल में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेल सकती है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारी ने पुष्टि कर बताया कि न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ इस श्रृंखला की तिथियों और स्थान को लेकर चर्चा चल रही है। इस श्रृंखला का आयोजन 13 से 24 अप्रैल के बीच लाहौर और रावलपिंडी में हो सकता है, क्योंकि इसी दौरान पाकिस्तान कराची में वेस्टइंडीज की महिला टीम की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 श्रृंखला खेली थी। न्यूजीलैंड ने श्रृंखला में 4-1 से जीत दर्ज की थी। दरअसल टी20 विश्व कप का आयोजन इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होगा। वहीं, पीसीबी के नवनियुक्त अध्यक्ष मोहसिन नकवी अमेरिका और वेस्टइंडीज में इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले राष्ट्रीय टीम के लिए विदेशी कोच और सहयोगी स्टाफ रखने पर विचार कर रहे हैं। पीसीबी के सूत्रों ने कहा कि बोर्ड के नए अध्यक्ष नकवी पाकिस्तान के कोचिंग स्टाफ के लिए उपलब्ध विकल्पों पर विचार कर रहे हैं तथा वह विदेशी कोच और सहयोगी स्टाफ रखने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि नकवी पहले ही चयन समिति के अध्यक्ष वहाब रियाज को उपलब्ध विकल्पों से बातचीत करने के लिए कह चुके हैं क्योंकि वह जानते हैं कि वनडे विश्व कप में असफलता के बाद जिस तरह से मिकी आर्थर, ग्रांट ब्रैडबर्न और एंड्रयू पुटिक को बाहर किया गया यह देखकर विदेशी कोच पाकिस्तान की टीम से जुड़ने से कतरा सकते हैं।

पीएसएल में दर्शकों पर भड़के बाबर आजम

लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2024 में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम विवादों में फंस गये हैं। आजम यहां अपनी दर्शकों पर भड़क गये। इसका कारण ये था कि दर्शकों ने उन्हें जिमबाबर कहकर ताना माना इससे बाबर गुस्से में आ गये और वह हाथ में बोतल लेकर दर्शकों को धमकी देने लगे। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हुआ है। इस मैच में पेशावर जाल्मी और मुल्तान सुल्तांस की टीमें आमने-सामने थीं। वहीं बाबर अपनी टीम के प्रबंधकों, कोचों के साथ कुर्सी पर बैठे दिखे। इस दौरान दर्शक बाबर पर ताना कसने लगे। वीडियो में उन्हें जिम्बाबर कहा गया। इससे बाबर भड़क गये। उन्होंने पहले तो ट्रोलरों को नजरअंदाज किया पर जब वह नहीं रुके तो उन्होंने ट्रोलर्स को डराने के लिए बोतल फेंकने की धमकी दी। इस घटना को लेकर अलग-अलग विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। अधिकतर प्रशंसकों ने दर्शकों के इस रवैये की आलोचना की है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस बारे में अभी तक इस कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। गौरतलब है कि क्रिकेट प्रशंसक आमतौर पर आजम को कमजोर टीमों जिमबाब्वे, श्रीलंका, आयरलैंड के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन।

नडाल इंस्टाग्राम पर 21 मिलियन फॉलोअर्स हासिल करने वाले पहले टेनिस खिलाड़ी, सेरेना-फेडरर काफी पीछे छूटे

लंदन।
राफेल नडाल इंस्टाग्राम पर 21 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा पार करने वाले पहले टेनिस खिलाड़ी बन गए। वह इस सोशल मीडिया हैंडल से 2015 में जुड़े थे। नडाल ने कूल्हे की चोट की वजह से टेनिस से लगभग एक साल तक बाहर रहने के बाद जनवरी 2024 में वापसी की। पूर्व विश्व नंबर एक ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में भाग लिया, जहां उन्होंने पहले दौर में डोमिनिक थिएम के खिलाफ सीधे सेट में जीत हासिल की। 37 वर्षीय नडाल टेनिस खिलाड़ियों की सूची में सबसे अधिक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के साथ शीर्ष स्थान पर हैं। इसके बाद दूसरे स्थान पर सेरेना विलियम्स 17.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ हैं। नोवाक जोकोविच 14.4 मिलियन फॉलोअर्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि रोजर फेडरर चौथे (12.1 मिलियन फॉलोअर्स) स्थान पर हैं।

नडाल के सबसे हालिया वायरल पोस्ट में से एक रोजर फेडरर के साथ उनकी तस्वीर थी। फेडरर ने पिछले महीने स्पेन के मालोर्का में नडाल की टेनिस अकादमी का दौरा किया था। एक और पोस्ट जो वायरल हुई, वह जोकोविच के साथ उनकी हालिया सेल्फी थी, जिसे तब लिया गया था जब वे अपने सनशाइन डबल्स अभियान के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जा रहे थे। दोनों पोस्ट को एक मिलियन से अधिक लाइक्स मिले और उस पर हजारों कमेंट भी किए गए। हालांकि, जोकोविच के साथ नडाल की तस्वीर कोलैबोरेशन का हिस्सा थी।

नडाल इंडियन वेल्स में अपने 2024 सीजन को शुरू करेंगे

राफेल नडाल छह मार्च से शुरू होने वाले इंडियन वेल्स मास्टर्स में अपने 2024 सीजन को फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। पूर्व विश्व नंबर एक, जो चोट की वजह से 2023 में खेल से दूर रहे हैं, 2024 की भी उनकी शुरुआत मुश्किलों से भरी रही है। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में जॉर्डन थॉम्पसन से क्वार्टर फाइनल में हार के दौरान उन्हें कूल्हे की चोट का सामना करना पड़ा। चोट ने बाद में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई ओपन और कतर ओपन से हटने के लिए मजबूर किया।

नडाल अब नेटफ्लिक्स स्लैम में खेलने के लिए तैयार हैं। यह एक लाइव एग्जीबीशन इवेंट है, जहां वह तीन मार्च को लॉस वेगास में हमवतन कार्लोस अल्कराज से भिड़ेंगे। स्पेन के इस खिलाड़ी ने नेटफ्लिक्स से कहा- मैं लॉस वेगास की अपनी पहली यात्रा के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं अपने साथी देशवासी कार्लोस अल्कराज के साथ खेलने के लिए भी बहुत उत्साहित हूं। मुझे यकीन है कि यह टेनिस की शानदार रात होगी। 37 वर्षीय इसके बाद इंडियन वेल्स मास्टर्स में भाग लेंगे, जहां उन्होंने पहले तीन बार (2007, 2009 और 2013) खिताब जीता है। इसके अलावा वह 2011 और 2022 में दो बार फाइनल में पहुंचे। 2011 में वह नोवाक जोकोविच और 2022 में टेलर फ्रिट्ज से हार गए थे। नडाल छह मौकों (2006, 2008, 2010, 2012, 2016 और 2019) पर सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो चुके हैं। उन्हें जेम्स ब्लेक, जोकोविच, रोजर फेडरर और इवान लुबिसिक जैसे खिलाड़ियों ने हराया था।

सरफराज के नक्शेकदम चल रहे उनके छोटे भाई मुनीर, लगा रहे शतक

नई दिल्ली।
सरफराज के छोटे भाई मुनीर भी उनके नक्शेकदम चल रहे हैं। वह भी दनादन शतक लगा रहे हैं। बता दें कि भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ इस वक्त टेस्ट सीरीज में खेल रही है। 5 मैचों की इस सीरीज में लंबे समय से रणजी ट्रॉफी में रनों का अंबार लगाने वाले बल्लेबाज सरफराज खान को डेब्यू करने का मौका मिला। राजकोट में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में उन्होंने अपना पहला मैच खेलते हुए धमाकेदार शुरुआत की और दोनों ही पारियों में अर्धशतक जमाया। सरफराज के छोटे भाई भी उनकी राह पर चल रहे हैं और दना दन शतक लगा रहे हैं। हैदराबाद में मैच गंवाने के बाद विशाखापत्तनम और फिर राजकोट टेस्ट को अपने नाम किया। 0-1 से पीछे होने के बाद दो जीत दर्ज कर टीम इंडिया ने 2-1 की बढ़त बनाई। तीसरे मुकाबले में घरेलू क्रिकेट में शतक पर शतक जमाकर रनों का अंबार लगाने वाले सरफराज खान को डेब्यू करने का मौका मिला। अब उनके छोटे भाई ने मुंबई की टीम के लिए जलवा बिखेरा है।

जहां राजकोट टेस्ट मैच में सरफराज खान ने धमाकेदार डेब्यू किया और सबकी वाहवाही लूटी। वहीं उनका छोटा भाई मुशीर खान का बल्ला भी जमकर हल्ला मचा रहा है। साउथ अफ्रीका में खेले गए अंडर 19 विश्व कप में दमदार पारी खेलते हुए दो शतक जमाने के बाद अब वह घरेलू क्रिकेट में भी सैंकड़ा जमाया है। रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में बड़ौदा के खिलाफ मुश्किल में मुंबई के लिए मुशीर ने सेंचुरी ठोकी। इसके अलावा मुंबई की टीम के 142 रन के स्कोर पर ही 5 विकेट गिर चुके थे और यहां से मुशीर खान ने टीम को 250 रन के पार पहुंचाया। कप्तान अजिंक्य रहाणे महज 3 रन ही बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे। जबकि मुशीर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 179 बॉल का सामना करते हुए 6 चौके की मदद से शतक जड़ा।

कश्मीर में पैरा क्रिकेटर आमिर से मिले सचिन तेंदुलकर, पूरा किया वादा, आमिर हुसैन लोन को गिफ्ट किया बैट

जम्मू।
महान भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अपना वादा पूरा कर अपनी हालिया कश्मीर यात्रा के दौरान जम्मू-कश्मीर की पैरा क्रिकेट टीम के कप्तान आमिर हुसैन लोन से मुलाकात की। तेंदुलकर इन दिनों कश्मीर की यात्रा पर हैं। लोन सोशल मीडिया पर वायरल हुई अपनी वीडियो के कारण मशहूर हुए थे, जिसमें उन्हें चेहरे के इस्तेमाल से बैट पकड़कर क्रिकेट खेलते देखा गया था। बहरहाल, खुद के सामने क्रिकेट दिग्गज सचिन को पाकर आमिर भावुक हो गए। वे अपना उत्साह और खुशी छिपा नहीं पाया। तेंदुलकर ने आमिर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह इस पीढ़ी के बच्चों के लिए एक महान प्रेरणा है। उन्होंने आमिर की इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प और खेल के प्रति जुनून की तारीफ की जिसके चलते आज वह इस मुकाम पर पहुंचे।

34 वर्षीय खिलाड़ी वर्तमान में जम्मू-कश्मीर की पैरा क्रिकेट टीम के कप्तान हैं। वह 2013 से पेशेवर रूप से क्रिकेट खेल रहे हैं। आमिर जब 8 साल के थे, तब अपने पिता की मिल में एक दुर्घटना में उन्होंने अपने दोनों हाथ खो दिए। पिछले महीने भारत के पूर्व बल्लेबाज उनकी वीडियो देखकर आश्चर्यचकित रह गए थे, उन्होंने उम्मीद जताई कि वह भविष्य में हुसैन लोन से मिलूंगा और लाखों लोगों को प्रेरित करने के लिए उन्हें बधाई दूगा। तेंदुलकर ने पोस्ट किया था, आमिर ने असंभव को संभव बना दिया है। यह देखकर बहुत प्रभावित हुआ हूं। इससे पता चलता है कि उनके मन में खेल के प्रति कितना प्यार और समर्पण है। उम्मीद है कि मैं एक दिन उनसे मिलूंगा और उनके नाम की जर्सी खरीदूंगा। खेल खेलने के शौकीन लाखों लोगों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद।

तीन करोड़ सैलरी पाने वाले श्रेयस को है डांस और शूज कलेक्शन का शौक

नई दिल्ली।
वनडे-टी20 के स्टार खिलाड़ी श्रेयस को डांस और शूज कलेक्शन का बेहद शौक है। बीसीसीआई से उन्हें सालाना तीन करोड़ रुपये बतौर सैलरी मिलते हैं। हालांकि खराब फॉर्म और इंजुरी के चलते श्रेयस अय्यर का टेस्ट टीम में स्थान भले ही खतरे में पड़ चुका है लेकिन वनडे-टी20 में वे अभी भी टीम इंडिया के स्टार परफॉर्मर हैं। वर्ल्डकप 2023 में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद श्रेयस टीम इंडिया के तीसरे सबसे कामयाब बैटर थे। टूर्नामेंट के 11 मैचों में उन्होंने 66.25 के औसत और 113.24 के स्ट्राइक रेट से 530 रन बनाए थे जिसमें दो शतक शामिल थे। दुर्भाग्यवश फाइनल में श्रेयस का बल्ला नहीं चल सका, खिताबी मुकाबले में सस्ते में आउट होने पर उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया था। नेचुरल स्ट्रोक प्लेयर श्रेयस ने 59 ओडीआई में अब तक 49.64 के औसत व 101.27 के स्ट्राइक रेट से 2383 रन बनाए हैं जबकि 51 टी20 में 30.66 के औसत व 136.12 के और स्ट्राइक रेट से 1104 रन उनके नाम दर्ज हैं। बता दें कि कामयाबी भरे इंटरनेशनल करियर ने श्रेयस को स्टार फेम दिया है। शोहरत और दौलत आज उनके कदम चूम रही है। टीम इंडिया के मोस्ट एलिजिबल बैचलर श्रेयस की नेटवर्थ करीब 53 करोड़ रुपये है। अपने स्वैग और डांस के लिए मशहूर इस क्रिकेटर की हर साल की कमाई करोड़ों रुपयों में है जिसमें भारतीय टीम के सदस्य होने के चलते बीसीसीआई से मिलने वाली राशि के अलावा आईपीएल और एंडोर्समेंट के जरिये मिलने वाली राशि भी शामिल है। श्रेयस को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का बी ग्रेड का कांटेक्ट हासिल है। इसके तहत सैलरी के तौर पर तीन करोड़ रुपये सालाना के अलावा उन्हें हर टेस्ट के लिए 15 लाख, वनडे के लिए छह लाख और हर टी20 आई के लिए तीन लाख रुपये की राशि मिलती है।

विराट कोहली तोड़ सकते हैं सचिन के टेस्ट शतक का रिकॉर्ड

लेकिन रेस में कोहली को 3 और दिग्गजों से मिल रही चुनौती

नई दिल्ली।
मॉर्डन डे क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर ने टेस्ट में सबसे ज्यादा 51 शतक बनाए हैं। अब इनका रिकॉर्ड तोड़ने के लिए विराट को दावेदार बताया जा रहा है। हालांकि विराट को भी तीन अन्य दिग्गज चुनौती दे रहे हैं। फैब-4 यानी विराट कोहली के अलावा स्टीव स्मिथ, जो रूट और केन विलियमसन का नाम आता है। वैसे वनडे में शतकों का रिकॉर्ड विराट कोहली (50 शतक) अपने नाम कर चुके हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि टेस्ट में भी वह इस कीर्तिमान को अपने नाम कर लेंगे। लेकिन क्रिकेट के इस फॉर्मेट में कहानी अलग दिख रही है। विराट कोहली को यहां मॉर्डन क्रिकेट के तीन दिग्गजों से कड़ी टक्कर मिल रही है। हाल ही में रांची टेस्ट में शतक के साथ जो रूट ने अपना 31वां टेस्ट शतक पूरा किया और इस जंग को और दिलचस्प बना दिया है। जानकारी के अनुसार टेस्ट क्रिकेट में कोहली के नाम जहां अभी 29 शतक हैं। वहीं, स्टीव स्मिथ (34 शतक), जो रूट (33 शतक) और केन विलियमसन (32 शतक) उनसे आगे चल रहे हैं। साथ ही उम्र के मामले में ये तीनों क्रिकेटर उनसे बाजी मार रहे हैं। कोहली जहां 35 साल के हैं। वहीं, विलियमसन (33 साल), जो रूट (33 साल) और स्टीव स्मिथ (34 साल) के हैं। उम्र क्रिकेटर कितनी साल क्रिकेट खेलेगा उसको काफी हद तक करती है। उस लिहाज से कोहली को इन तीनों से कड़ी टक्कर मिल रही है और आगे भी मिलते रहने की संभावना है। आंकड़ों पर निगाह डालें तो शतकों के लिहाज से विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में खास नहीं कर पाए हैं। उनके नाम पिछले 29 टेस्ट में केवल दो शतक ही लगाए हैं। जिसमें उन्होंने एक पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ (121) 20 जुलाई 2023 को और दूसरा 9 मार्च 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में लगाया था।

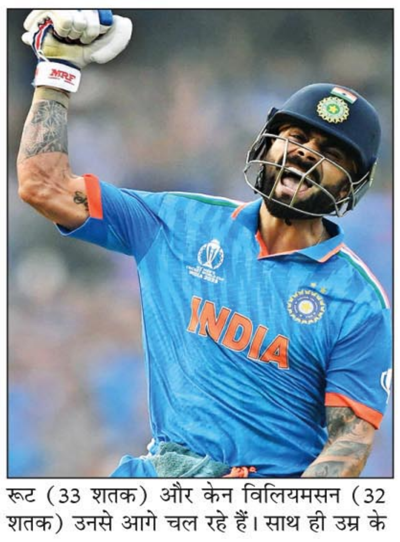

क्रिकेट के जानकार बता रहे हैं कि अगर कोहली को इस रेस में आगे निकलना है तो अपने शतकों की रफ्तार में इजाफा करना होगा। अन्य तीन बल्लेबाजों की बात करें तो ये तीनों ही आज कल कमाल की फॉर्म में चल रहे हैं। विलियमसन ने हालिया बांग्लादेश के खिलाफ लगातार दो टेस्ट में तीन शतक ठोक दिए। स्टीव स्मिथ ने भी बीते साल 3 शतक लगाए थे और इस साल 91 रन पर नाबाद रह चुके हैं। ऐसे में वह लगातार क्रिकेट के मैदान में आगे बढ़ रहे हैं।

अभय ने टोरंटो में गुडफेलो क्लासिक स्क्वैश का खिताब जीता

टोरंटो। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अभय सिंह ने 9000 अमेरिकी डॉलर के चैलेंजर इवेंट गुडफेलो क्लासिक के फाइनल में वेल्स के इलियट मॉरिस डेवरेड पर 3-0 की शानदार जीत के साथ अपना आठवां पीएसए खिताब जीता। दुनिया में 66वें स्थान पर मौजूद शीर्ष वरीयता प्राप्त अभय ने पिछले साल मुंबई में जेएसडब्ल्यू विलिंग्डन में जीत के बाद साल के अपने दूसरे चैलेंजर खिताब के लिए अपने करियर का 13वां फाइनल 40 मिनट में 11-7, 11-9, 11-9 से जीता। खिताब की राह में, अभय ने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के मैसियो लेवी को 33 मिनट में 13-11, 11-7, 11-3 से हराया और उसके बाद सेमीफाइनल में मिस्र के अब्देलरहमान अब्देलखलेक को 11-5, 6-11, 11-7, 11-6 से हराया। भारतीय स्क्वैश अकादमी के 25 वर्षीय प्रशिक्षु, जिन्होंने पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में टीम स्वर्ण और मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता था, मार्च के पहले सप्ताह में कनाडाई पुरुष ओपन में अपना अगला मैच खेलने वाले हैं।

জনতাৰ চৰকাৰ | myGov मेरी सरकार

सत्यमेव जयते

Government of Assam

Rounding off another SUCCESS STORY

Mission Basundhara 2.0

Paving the Way to Social Equity since 14 Nov 2022

Ensuring land rights of indigenous communities

Land patta distribution in MAJULI and BISWANATH

Majuli Legislative Assembly Constituency (LAC)
10,932

Gohpur LAC
8,949

Patta distribution
2,29,659
Of these, **1,92,056** or **84%** offered to ST, SC, OBC & MOBC communities

Govt of Assam's ground-breaking initiative

- Securing land rights of indigenous landless people & weaker sections
- Enabling owners to use land as collateral
- Enabling land holders to record ownership of land
- Securing rights of tribal communities holding hereditary land
- Low/easy premium for landless ST/SC/PWD (with no regular income) cultivators/widows (with no earning member)

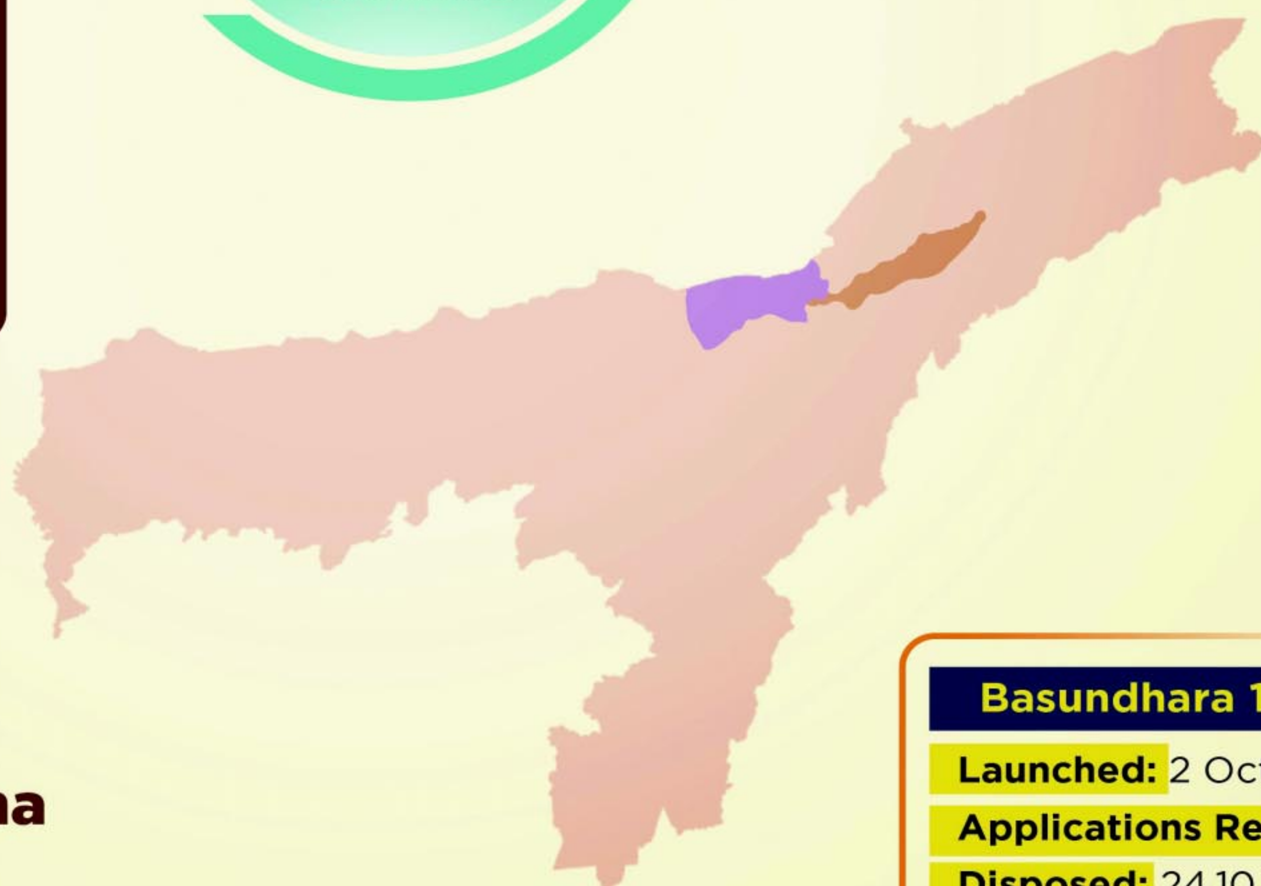

Chief Guest

Dr Himanta Biswa Sarma
Chief Minister, Assam

Basundhara 1.0 Snippets

Launched: 2 October 2021
Applications Received: 27,48,152
Disposed: 24,10,307
Disposal rate: 88%
Services Delivered: 19,01,861

PROGRAMME SCHEDULE

Dignitaries	Date	LAC	Venue
Shri Pradan Baruah, MP, Lakhimpur	27 February 2024	Majuli	Garamur Mini Stadium, Majuli
Shri Bhubon Gam, MLA, Majuli LAC			
Shri Paramananda Chayengia, CEM, Mising Autonomous Council			
Shri Bhairab Deori, CEM, Deori Autonomous Council			
Shri Utpal Borah, MLA, Gohpur LAC		Gohpur	Dubia Higher Secondary School, near Kokila Tiniali

-- Janasanyog /D/18375/ 23/26-Feb-24

Published by Directorate of Information and Public Relations, Assam | Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in